डाक पंजीयन संख्या/643/2016-2018/2016
RNI-MPHIN/2015/62199

नई सोच, नई पहल

पुष्पांजली टुडे

राष्ट्रीय मासिक पत्रिका

वर्ष : 07 अंक : 02 | अप्रैल 2021 | मूल्य: ₹ 30 | पृष्ठ : 44

कोरोना से देश में फिर हाहाकार

एंटीलिया केस जाँच

सरकार पर आँच?

टीकाकरण जरूरी है....

कोरोना की दूसरी लहर से जुड़ी डराने वाली खबरों के बीच यह तथ्य कहीं दब गया कि कोरोना का टीका लगाने के मामले में भारत ने नया रेकॉर्ड बनाया है। यहां एक दिन में 43 लाख से ज्यादा टीके लगाए गए। औसत की बात करें तो भारत में टीकाकरण अभियान के तहत लोगों को रोज 26.53 लाख डोज दिए जा रहे हैं, जो अमेरिका के बाद पूरी दुनिया में सबसे ज्यादा है। बावजूद इसके, महामारी की चुनौती के मद्देनजर देखें तो हमारे ये प्रयास बिल्कुल नाकाफी लगते हैं। अब

तक देश में दोनों डोज लेकर टीके की सुरक्षा घेरे में आ चुके लोगों की कुल संख्या एक करोड़ तक ही पहुंच सकी है। दूसरी तरफ कोरोना के नए मामले चिंताजनक ढंग से बढ़ रहे हैं। बात यह है कि जिस वायरस को काबू में आया हुआ माना जाने लगा था, उसने यह दूसरा ऐसा हमला किया है, जो पहले से भी ज्यादा खतरनाक है। स्वाभाविक ही सरकारें एक बार फिर अलर्ट मोड में आ रही हैं। राजधानी दिल्ली में नाइट कर्फ्यू की घोषणा कर दी गई है। महाराष्ट्र में पहले ही यह घोषणा की जा चुकी है। कई इलाकों में आंशिक लॉकडाउन लागू किया जा रहा है। कई राज्य बाहर से आने वालों पर तरह-तरह की पाबंदियां लगाने का ऐलान कर रहे हैं। इन सबका मकसद यह बताया जा रहा है कि लोगों के स्तर पर देखी जा रही लापरवाहियों में कमी आए। मगर इन पाबंदियों का कुछ और ही असर हो रहा है। लगभग साल भर की सुस्ती के बाद बिजनेस गतिविधियों में जो तेजी दिखाई दे रही थी, वह दोबारा मंद पड़ने लगी है। गांवों से काम की तलाश में शहर लौटे मजदूरों के भी वापस गांवों का रुख करने के संकेत मिल रहे हैं। इसने कंपनी प्रबंधकों की चिंता बढ़ा दी है। लेबर की कमी उनकी रिवाइवल की योजना पर पानी फेर सकती है। पिछले एक साल में देश-दुनिया व इंसानियत ने कोरोना से काफी नुकसान उठाया है, इसलिए इससे लड़ाई में किसी किस्म की कोताही स्वीकार्य नहीं हो सकती। महाराष्ट्र सरकार कुछ और इलाकों में पूर्ण लॉकडाउन के विकल्प पर विचार कर रही है। लेकिन इसका कितना बड़ा नुकसान उठाना पड़ता है, राज्यों के कोषागार इसकी गवाही दे रहे हैं। इसलिए पूर्ण लॉकडाउन का विकल्प अंतिम ब्रह्मास्त्र होना चाहिए। इसके बजाय, अन्य तार्किक प्रयासों की जरूरत है। दुर्योग से इसी मोर्चे पर हम लगातार पिट रहे हैं। एक तरफ तो हम सामान्य नागरिकों से मास्क पहनने और शारीरिक दूरी बरतने की अपेक्षा कर रहे हैं, तो दूसरी तरफ सरकार में जिम्मेदार पदों पर बैठे लोग हजारों की भीड़ को संबोधित करने को लालायित दिख रहे हैं। यही दृश्य बिहार विधानसभा चुनाव में दिखा था और यही नजारा अभी असम, पश्चिम बंगाल, केरल, तमिलनाडु और पुडुचेरी में दिख रहा है। ऐसे में, निचले स्तर के नागरिकों के बीच कोविड से बचाव संबंधी दिशा-निर्देश अपनी निष्पक्षता व पवित्रता की रक्षा भला कैसे कर सकते हैं? इसलिए, देश को व्यापक जांच, ज्यादा से ज्यादा 'आइसोलेशन' और तेजी से व्यापक टीकाकरण की नीति को ही अपनाना होगा।

यही नहीं कर्फ्यू और लॉकडाउन जैसे कदम वैक्सिनेशन प्रक्रिया को भी प्रभावित करेंगे। लोगों की चिकित्सा सुविधाओं तक पहुंच को मुश्किल बनाएंगे। इससे लोगों की आजीविका तो संकट में पड़ेगी ही, कोरोना को रोकने के उपाय भी कमजोर होंगे। साफ है कि चुनौती कठिन भले हो, लेकिन जरूरत लॉकडाउन की तरफ बढ़ने की नहीं, टीकाकरण को जितना हो सके बढ़ाने और मास्क लोगों तक मुफ्त पहंचाने जैसे कदम उठाने की है।

भरत सिंह चौहान
संपादक

कर्फ्यू और लॉकडाउन जैसे कदम वैक्सिनेशन प्रक्रिया को भी प्रभावित करेंगे। लोगों की चिकित्सा सुविधाओं तक पहुंच को मुश्किल बनाएंगे। इससे लोगों की आजीविका तो संकट में पड़ेगी ही, कोरोना को रोकने के उपाय भी कमजोर होंगे। साफ है कि चुनौती कठिन भले हो, लेकिन जरूरत लॉकडाउन की तरफ बढ़ने की नहीं, टीकाकरण को जितना हो सके बढ़ाने और मास्क लोगों तक मुफ्त पहंचाने जैसे कदम उठाने की है।

पुष्पांजली टुडे

राष्ट्रीय हिन्दी मासिक पत्रिका

वर्ष 07, अंक 02, अप्रैल 2021

मूल्य 30 रु, पृष्ठ 44

संरक्षक	बहादुर सिंह चौहान
संपादक	भरत सिंह चौहान
प्रबंध संपादक	शैलेश सिंह कुशवाह
उपसंपादक	अर्पित गुप्ता
	शशिभूषण चौहान (मप्र)
	पुष्पेन्द्र तोमर
	संदीप प्रधान
	प्रदीप नागेन्द्र सिकरवार
	विपिन तोमर
कानूनी सलाहकार	एड. आर. के. जोशी
एडिटिंग	इमरान गौरी
राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी	आर एस रजक

रश्मि चौहान, न्यूज ऐंकर

ब्यूरो प्रमुख

पंकज त्रिपाठी	**मध्य प्रदेश**
राजानल शर्मा	**छत्तीसगढ़**
नरेन्द्र शर्मा	**हरियाणा**
केशव प्रसाद शर्मा	**चंबल संभाग**
विजस कुमार सिंह	**बिहार/झारखंड**
अमित कुमार	**जम्मू-कश्मीर (यूटी)**
अमन राय	**बर्दवान पश्चिम बंगाल**
नारायण लाल	**बैंगलुरु**
दीपक रलहन	**पंजाब**
नैनाराम सिरवी	**पाली, राजस्थान**
केवल राम मालवीय	इंदौर
राजा दुबे	सीहोर
राजेश लोधी	रायसेन
रीतेश कटरे	बालाघाट
सुरजीत राजावत	ग्वालियर
विनोद पाठक	श्योपुर
प्रेमकिशोर शर्मा	आगरा मंडल
शशिकांत खरे	झांसी
हरिनिवास दुबे	मथुरा (उत्तर प्रदेश)
सोनू कुमार माथुर	एटा, (उत्तर प्रदेश)
प्रवेन्द्र सिंह	आगरा (उत्तर प्रदेश)
अरविंद प्रताप सिंह	कन्नौज (उत्तर प्रदेश)
रूपसिंह	इटावा, (उत्तर प्रदेश)
किरण राठौर	औरैया, (उत्तर प्रदेश)
अरूण शुक्ला	भिण्ड
मोहन मांझी	गोहद
अमित शर्मा	ग्वालियर

कार्यालय

जी. एस. प्लाजा, गोले का मंदिर ग्वालियर मध्य प्रदेश

हेल्पलाईन: 0751-4901403, 8269307478

www.pushpanjalitoday.com, Email-pushpanjalitoday@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक भरत सिंह चौहान। कंचन प्रिंटिंग प्रेस निम्बालकर का बाड़ा, तेजी की बजरिया नियर पी.एंड.एन. बैंक नया बाजार लश्कर ग्वालियर म.प्र. से मुद्रित तथा दीपू इलेक्ट्रोनिक्स हनुमान मंदिर के पास, गोवर्धन कॉलोनी भिण्ड रोड, गोला का मंदिर जिला ग्वालियर म.प्र. से प्रकाशित। संपादक भरत सिंह चौहान। (समाचारों के चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार) दूरभाष 8269307478

इस अंक में

पुष्पांजली टुडे टीम

सादिक मिर्ज़ा	ऑल इंडिया रिपोर्टर
महेन्द्र शर्मा	चम्बल संभाग
गौरव शर्मा	चम्बल संभाग
राधा तोमर	अम्बाह
अंकित कुमार	अजीतमल, औरेया
भीमसेन तोमर	अम्बाह
सुनील सिंह तोमर	अम्बाह
रवीकांत पाठक	पिछोर
रंजीत बघेल	सेंवढ़ा, दतिया
दीपक कुमार	खेरागढ़, आगरा
छोटे सिंह भदौरिया	मालनपुर
संतोष सिंह भदौरिया	गोरमी
हरिओम परिहार	खनियाधाना
हरिओम चतुर्वेदी	करैरा
अरिमर्दन सिंह भदौरिया	भिण्ड, क्राइम रिपोर्टर
निर्मला	भिण्ड
राहुल तलरेजा	मऊ, इंदौर
शिवकांत ओझा	रौन
आदित्य सिकरवार	पोरसा
वासुदेव मिश्रा	ग्वालियर
रवीना शर्मा	श्योपुर
रियाज मोहम्मद	हरदा
चेतना कारले	खरगोन
चिराग गुप्ता	दबोह

ऐतिहासिक प्रदेश गुजरात 14

जीवनदायी वृक्ष 28

पानी है अनमाल... 35

सिनेमा 40

कोरोना की भयावह दूसरी लहर

संक्रमण का शिकंजा, लॉकडाउन

देश में कोरोना काल की सबसे भयावह तस्वीर हमारे सामने आने लगी है। कोरोना की दूसरी लहर की सूचना जब इंग्लैण्ड सहित यूरोपीय देशों से आने लगी थी तो हम उत्साहित थे कि हमारे यहां दूसरी लहर इसलिए नहीं आएगी कि सरकार द्वारा एहतियाती कदम उठाए जाने लगे हैं। लंबे लॉकडाउन और कोराना के कारण पटरी से उतरी आर्थिक गतिविधियों के ठप्प होने से आम आदमी भी रूबरू हो गया था। रोजगार पर संकट आ रहा था तो कारोबार सिमट रहा था। ऐसे में यह माना जाने लगा था कि आम आदमी इससे सबक लेगा। फिर सबसे बड़ा हथियार हमारा वैक्सीनेशन कार्यक्रम था और लगने लगा था कि ज्यों-ज्यों वैक्सीनेशन का दायरा बढ़ता जाएगा कोरोना संक्रमण स्वतः ही अंतिम सांस ले लेगा। पर परिणाम इससे इतर सामने आने लगे हैं जिससे केन्द्र व राज्यों की सरकारें चिंतित हो गई है। है भी चिंता की बात। कोरोना का असर सबसे ज्यादा महाराष्ट्र सहित 10 राज्यों में देखा जा रहा है। हालांकि देश के 23 राज्यों में कोरोना की दूसरी लहर आने की बात सरकार स्वयं मान रही है। देश में कोरोना से मौत के मामले भी बढ़ रहे हैं। हालांकि इस बात पर संतोष किया जा सकता है कि देश में कोरोना वैक्सीनेशन में तेजी आई है और लोग वैक्सीनेशन को लेकर जागरूक होने लगे हैं। यह बेहद चिंता और अफसोस की बात है, तमाम सावधानियों और दिशा-निर्देशों के बावजूद भारत ने कोरोना संक्रमण के मामले में अपना पिछला रिकॉर्ड तोड़ दिया है। कोरोना की दूसरी लहर में मिले संक्रमण के मामले 1,03,764 तक पहुंच गए। प्रतिदिन के कुल मामलों में करीब दस-दस हजार की वृद्धि हो रही है, इससे संक्रमण के बढ़ते खतरे का अंदाजा लगाया जा सकता है। अभी ज्यादा दिन नहीं बीते हैं, 9 फरवरी को दैनिक मामले 11 हजार तक गिर गए थे। ऐसा लगने लगा था कि कोरोना का बुरा दौर बीत गया। सबसे बुरा दौर 10 सितंबर के आसपास दर्ज हुआ था, जब रोजाना के मामले करीब 98 हजार तक पहुंचने लगे थे। महामारी की शुरुआत के बाद पहली बार ऐसा हुआ है, जब देश में एक दिन के अंदर कोरोना के एक लाख से ज्यादा मामले आए हैं। दुनिया में इसके पहले केवल अमेरिका ही एक ऐसा देश है, जहां एक दिन में एक लाख से ज्यादा मामले सामने आए थे। अब अमेरिका में जहां प्रतिदिन 70 हजार के करीब मामले आ रहे हैं, वहीं भारत एक लाख के पार पहुंच गया है। अगर यही रफ्तार रही, तो अप्रैल घातक सिद्ध होगा। भारत चूंकि अमेरिका की तुलना में चार गुना से ज्यादा आबादी वाला देश है, इसलिए आंकड़े कहां जाकर दम लेंगे, सोचना भी भयावह है। कोई आश्चर्य नहीं, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बढ़ते कोरोना मामलों को देखते हुए एक उच्च स्तरीय बैठक की है। कोरोना पर नियंत्रण पाने के लिए लोगों में जागरूकता और लोगों की भागीदारी सबसे महत्वपूर्ण है। अब केंद्र सरकार अगर बढ़ते मामलों और मौतों को देखते हुए महाराष्ट्र, पंजाब और छत्तीसगढ़ में केंद्रीय टीमें भेज रही है, तो यह जरूरी कदम है। कोरोना के खिलाफ अपनाए जाने वाले उपायों को और मजबूत करने व इन्हें बेहतर तरीके से लागू करने के अलावा दूसरा कोई विकल्प नहीं है। यह मान लेने में कोई हर्ज नहीं है कि महाराष्ट्र, पंजाब, छत्तीसगढ़ व अन्य राज्यों में कोरोना दिशा-निर्देशों की अवहेलना हुई है, जिसका खामियाजा ये प्रदेश भुगत रहे हैं। इन तीनों राज्यों और खासकर महाराष्ट्र में लॉकडाउन जैसी स्थिति है। कई राज्यों ने अपने यहां प्रवेश करने वालों के लिए कोरोना जांच को अनिवार्य बनाया है, पर व्यावहारिक रूप से देख लेना चाहिए कि क्या वाकई आदेशों की पालना हो रही है? क्या हमने हवाई अड्डों पर कोरोना जांच की व्यवस्था को सोलह आना दुरुस्त कर लिया है? जहां एक ओर, सरकार को नए सिरे से जागना होगा, तो वहीं दूसरी ओर, विशेषज्ञों को कोरोना की उछाल के वैज्ञानिक कारणों की पड़ताल भी करनी पड़ेगी। लोगों के बीच कई तरह की भ्रांतियां फैलने लगी हैं।

कवर स्टोरी

एंटीलिया केस : सरकार पर आंच

परमबीर के लेटर बम से खतरे में आएगी महाराष्ट्र सरकार ?

पुष्पांजली टुडे ब्यूरो,

मुकेश अंबानी के घर के बाहर मिली संदिग्ध कार और सचिन वाझे मामले ने अब ऐसा राजनितिक मोड़ लिया है कि महाराष्ट्र की सियासी हलचल तेज हो गई है। महाराष्ट्र के गृहमंत्री अनिल देशमुख ने इस्तीफा दे दिया है पर मुंबई के पूर्व पुलिस कमिश्नर परमबीर सिंह द्वारा लगाए गए सनसनीखेज आरोपों से महाराष्ट्र सरकार के सामने मुश्किल की घड़ी खड़ी हो गई है। अनिल देशमुख पर लगे आरोपों ने सबसे अधिक एनसीपी प्रमुख शरद पवार को मुश्किल स्थिति में ला खड़ा किया है। राज्य में महाराष्ट्र विकास अघाड़ी का शरद पवार को प्रमुख आर्टिकेक्ट माना जाता है। शरद पवार ही थे, जिन्होंने तीन अलग-अलग पार्टियों (शिवसेना, कांग्रेस और एनसीपी) को एक बैनर तले लाने में बड़ी भूमिका निभाई।

भ्रष्टाचार के गंभीर आरोपों से घिरे एनसीपी नेता अनिल देशमुख ने आखिरकार महाराष्ट्र के गृहमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया। जैसा कि ऐसे मामलों में अक्सर होता है, पद पर बने रहने का नैतिक अधिकार खो देने का अहसास उन्हें तब हुआ, जब वसूली के आरोपों की सीबीआई जांच कराने का हाईकोर्ट का फैसला आने के बाद उनके सामने कोई और रास्ता नहीं रह गया। यों तो पूर्व मुंबई पुलिस कमिश्नर परमबीर सिंह के सार्वजनिक तौर पर आरोप लगाने के तुरंत बाद एनसीपी के सर्वोच्च नेता शरद पवार ने भी इसे गंभीर माना था, लेकिन उन्होंने इस्तीफा मांगने या न मांगने का सवाल मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे के विवेक पर छोड़ दिया था। तब एनसीपी के अन्य नेता अड़ गए कि देशमुख किसी भी सूरत में इस्तीफा नहीं देंगे। बाद में पवार ने भी देशमुख के कोरोना संक्रमण, हॉस्पिटल में इलाज और आइसोलेशन जैसे तथ्यों के सहारे इस्तीफे की मांग खारिज कर दी। जाहिर है, ऐसे में शिवसेना और कांग्रेस के इस्तीफे पर जोर देने का मतलब था एमवीए सरकार का गिरना। सो किसी ने जोर नहीं दिया, देशमुख पद पर बने रहे। सोमवार को हाईकोर्ट के फैसले ने आखिर उन्हें बाहर का रास्ता दिखाया। उनकी जगह दिलीप वलसे पाटिल गृहमंत्री बना दिए गए। इससे कम से कम ऊपरी तौर पर ऐसा लगता है कि मौजूदा सरकार पर मंडरा रहा संकट फिलहाल टल गया है। लेकिन आरोप आज भी बरकरार हैं। देखना होगा कि सीबीआई जांच से किस तरह के तथ्य बाहर आते हैं और उनका सरकार की स्थिरता पर क्या असर पड़ता है। वैसे उद्धव सरकार से यह पहला इस्तीफा नहीं है। इससे पहले एक टिकटॉक स्टार पूजा चव्हाण की आत्महत्या के बाद विवादों में आए शिवसेना के संजय राठौड़ को वनमंत्री पद छोड़ना पड़ा था। इन विवादों ने मुख्य विपक्षी दल बीजेपी के हमलावर तेवर को धार जरूर दी है, लेकिन राजनीतिक तौर पर अपना संतुलन बनाए रखने की वजह से सरकार की स्थिरता पर तत्काल

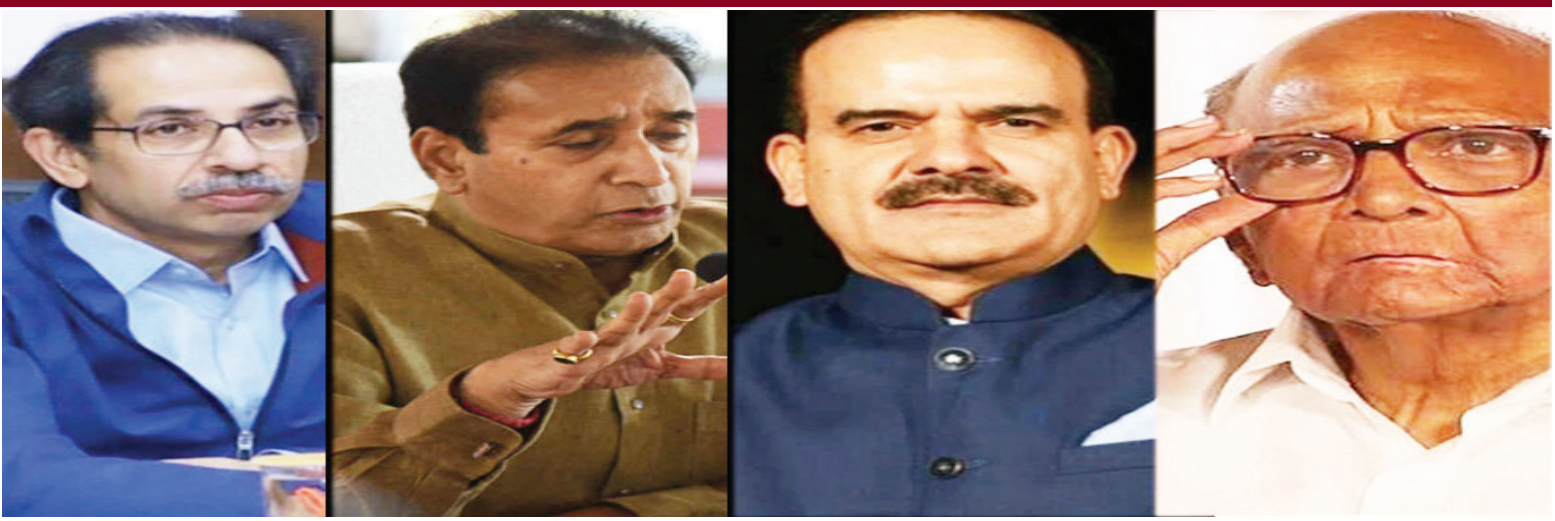

कोई खतरा नहीं दिख रहा है। लेकिन जब से यह सरकार बनी है, तभी से इसे असहज राजनीतिक गठजोड़ बताया जा रहा है। सच भी यही है कि पारंपरिक तौर पर कांग्रेस और एनसीपी भले मिलकर सरकार बनाती रही हों, शिवसेना हमेशा इनके विरोधी खेमे में रही है। उसका गठबंधन बीजेपी से रहता आया था। हिंदुत्व दोनों की राजनीति का समान आधार रहा है। जब इस समान आधार के बावजूद दोनों का साथ रहना संभव नहीं हुआ तो महाराष्ट्र में नया राजनीतिक प्रयोग हुआ और उद्धव सरकार बनी। इस प्रयोग की सफलता-असफलता अन्य राज्यों में भी संभावित राजनीतिक गोलबंदी को प्रभावित करेगी, लेकिन अभी तो सबसे बड़ा सवाल गवर्नेंस का है। राजनीतिक प्रयोग की नाकामी या कामयाबी तो तब देखी जाएगी, जब सरकार नियम-कानून और शासन-प्रशासन की न्यूनतम मर्यादा बनाए रख पाएगी। अभी तो इसी पर सवालिया निशान लगा हुआ है।

शिवसेना, एनसीपी और कांग्रेस में लेटर बम के बाद टकराव की स्थिति उत्पन्न हो सकती है। इस बार शरद पवार की पार्टी कटघरे में है। ऐसे में भाजपा पूरी तरह से महाराष्ट्र सरकार पर हमलावर रहेगी। माना जा रहा है कि बदले हुए हालात में शरद पवार जल्द ही कुछ बड़ा फैसला लेंगे और देशमुख को तुरंत इस्तीफा देने के लिए कह सकते हैं। हालांकि, राज्य एनसीपी प्रमुख जयंत पाटिल ने देशमुख को हटाने की विपक्ष की मांग को खारिज कर दिया है। मगर हालात ऐसे हैं कि सरकार पर कोई संकट न आए, इसके लिए शिवसेना और कांग्रेस दबाव बना सकती है।

यहां यह भी ध्यान देने वाली बात है कि जब 2019 में महाराष्ट्र विकास अघाड़ी सरकार बनी तब से अनिल देशमुख गृह मंत्री के पद के लिए शरद पवार की पहली पसंद नहीं थे। शरद पवार के भतीजे अजीत पवार गृह मंत्रालय के पोर्टफोलियो के लिए उत्सुक थे, मगर एनसीपी के कई वरिष्ठ नेता इसके पक्ष में नहीं थे क्योंकि अजीत के खिलाफ कांग्रेस-राकांपा सरकार में सिंचाई मंत्री के रूप में उनके कार्यकाल के दौरान सिंचाई परियोजनाओं में कथित अनियमितताओं के संबंध में जांच चल रही है।

इधर, अनिल अंबानी केस और सचिन वाझे मामले को राज्य विधानसभा के अंदर और बाहर जिस तरह से अनिल देशमुख ने हैंडल किया, उससे एनसीबी के टॉप प्रभावित नहीं हुए। एनसीपी प्रमुख के करीबी सहयोगियों के अनुसार, पवार गृह मंत्रालय के पोर्टफोलियो के लिए अजीत, पाटिल और स्वास्थ्य मंत्री राजेश टोपे के नाम पर विचार कर रहे थे। मगर अब पार्टी मुश्किल स्थिति में आ गई है।

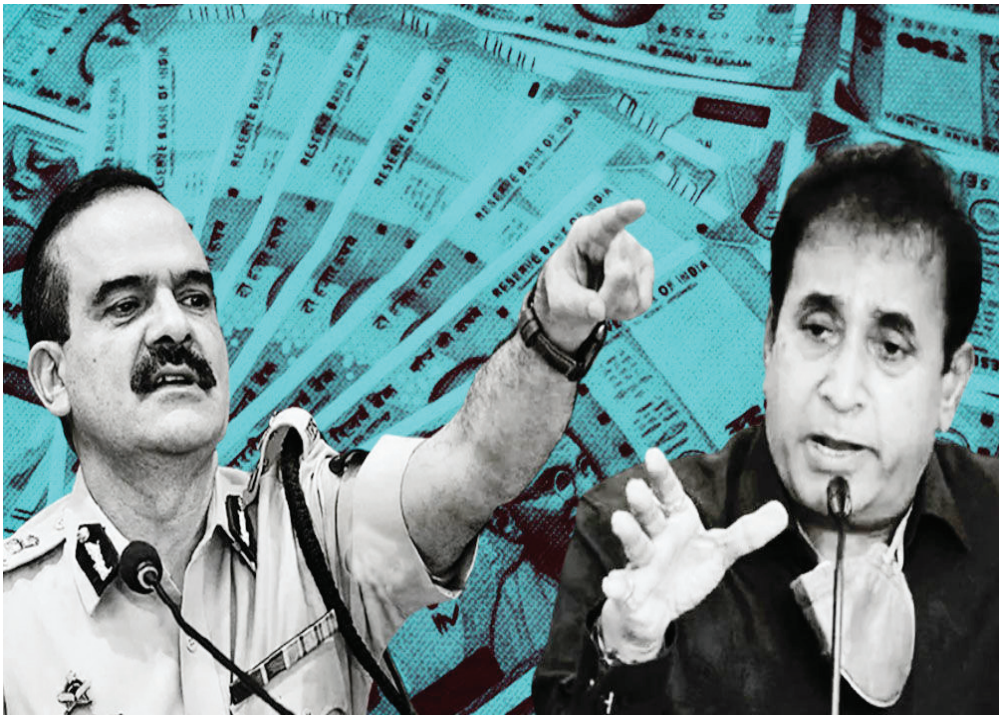

इस प्रकरण ने शरद पवार की पार्टी के साथ-साथ महाराष्ट्र विकास अघाड़ी की विश्वसनीयता पर ही सवालिया निशान लगा दिया है। इसके अलावा, यह अभी तक ज्ञात नहीं है कि एंटीलिया और सचिन वाझे मामले का नतीजा क्या होगा। एक सीनियर एनसीपी मंत्री ने कहा कि एनआईए अभी भी इस मामले की जांच कर रही है। हमें नहीं पता कि सचिन वाझे ने जांच एजेंसी को क्या बताया है। परमबीर सिंह द्वारा देशमुख के साथ सचिन वाझे के लिंक के आरोपों ने गठबंधन वाली महाराष्ट्र सरकार यानी एमवीए के लिए मुश्किलें खड़ी कर दी हैं। बीजेपी राज्य में कानून-व्यवस्था ध्वस्त होने का हवाला देते हुए सरकार को बर्खास्त करने पर जोर दे सकती है।

नेता प्रतिपक्ष देवेंद्र फडणवीस लगातार जोर देकर कहते रहे हैं कि एंटीलिया मामले का एमवीए सरकार से कोई बड़ा संबंध है। उन्होंने आरोप लगाया था कि सचिन वाझे सरकार में कुछ लोगों के लिए एक ÷रिकवरी एजेंट÷ था। राजनीतिक विश्लेषक हेमंत देसाई का कहना है कि यह अनुमान नहीं लगाया जा सकता है कि आगे क्या होगा। जो सरकार कुछ महीने पहले काफी सहज दिख रही थी, वह अब कमजोर दिख रही है। यह अपने सबसे बुरे संकट का सामना कर रहा है। लोगों का मानना था कि पवार कुशलतापूर्वक सरकार चला सकते हैं। यह विश्वास इस तरह के संकटों के साथ लंबे समय तक नहीं रह सकता है। विधायकों के बीच संदेह भी हो सकता है कि क्या पवार एमवीए को मुसीबत से बाहर निकाल सकते हैं और यह गठबंधन सरकार की स्थिरता को प्रभावित कर सकता है।

बिग स्टोरी

मास्क? दो गज की दूरी?

पश्चिम बंगाल

क्या नेताओं से डरता है कोरोना वायरस?

चुनावी राज्यों में धड़ल्ले से हो रहा है कोरोना गाइडलाइंस का उल्लंघन

भारत में एक बार फिर कोरोनावायरस संक्रमण का खतरा तेजी से बढ़ रहा है दूसरी ओर, चुनावी राज्यों की बात करें तो वहां धड़ल्ले से चुनावी सभाएं हो रही हैं, लेकिन फिर भी वहां मामले तुलनात्मक रूप से बहुत कम आ रहे हैं, जबकि वहां रैलियों में हजारों लोग शामिल हो रहे हैं और उनके चेहरे पर मास्क भी नजर नहीं आ रहे हैं। सोशल डिस्टेंसिंग की बात तो भूल ही जाइए। आपको याद दिलाना चाहेंगे कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कोरोना के बढ़ते मामलों के बीच राज्यों के मुख्यमंत्रियों के साथ बैठक की थी। उन्होंने कहा था कि लोग कोरोना नियमों का पालन नहीं कर रहे हैं, उनकी लापरवाही सफलता पर पानी फेर सकती है। वहीं, उसके अगले दिन जब पीएम मोदी पश्चिम बंगाल में एक रैली को संबोधित करते हैं, जहां काफी भीड़ जुटती है और लोगों के चेहरों पर मास्क भी नजर नहीं आते। ऐसे ही नजारे राज्य की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी, केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह और अन्य नेताओं की रैलियों में दिखाई देते हैं। तमिलनाडु में एमके स्टालिन की रैली में भी लोगों की भीड़ उमड़ी, जिसमें कोरोना गाइडलाइंस का धड़ल्ले से उल्लंघन किया गया। केरल में कांग्रेस नेता राहुल गांधी की रैली में हाल कुछ-कुछ ऐसा ही था। आपको बता दें कि पश्चिम बंगाल, असम, तमिलनाडु, केरल और पुडुचेरी में विधानसभा चुनाव के लिए चुनाव प्रचार जोर-शोर से चल रहा है। नेताओं की रैलियां भी खूब हो रही हैं। हालांकि मीडिया का भी पूरा ध्यान सिर्फ पश्चिम बंगाल चुनाव पर ही है, इसलिए वहां के वीडियो, फोटो में बिना मास्क के चेहरों को साफ देखा जा सकता है, लेकिन दूसरे चुनावी राज्यों में हालात इससे अलग नहीं हैं। ऐसे में इस बात की आशंका प्रबल है कि चुनाव प्रचार थमने के बाद इन राज्यों से भी ज्यादा संख्या में कोरोना केसेस आने लगें। ...और इतना ही नहीं लोगों पर और पाबंदियां थोप दी जाएं।क्या अच्छा नहीं होता कि हमारे नेता सामने बैठी भीड़ को यह कहकर

संबोधित करने से इंकार कर देते कि लोगों ने मास्क नहीं पहने हैं, लेकिन ऐसा हुआ नहीं। शायद उन्हें जनता की सेहत और बढ़ते कोरोना संक्रमण से ज्यादा चुनाव की चिंता है। यदि हमारे नेता ऐसा करने की हिम्मत%कर पाते तो वे लोगों के सामने भी एक उदाहरण पेश कर पाते। और, संभव है लोग इसे देखकर और ज्यादा सावधानी बरतते। यदि पिछले 24 घंटे की बात करें तो पश्चिम बंगाल में 426, असम में 41, पुडुचेरी में 125, तमिलनाडु में 1636 और केरल में 2456 कोरोना के नए मामले सामने आए हैं। इनमें असम में भाजपा की सरकार है, जबकि पश्चिम बंगाल चुनाव में भाजपा ने अपनी पूरी ताकत झोंक रखी है। पुडुचेरी में इस समय राष्ट्रपति शासन है, जबकि तमिलनाडु में एआईएडीएमके तथा केरल में वाम सरकार है। यहां हम आपको एक वायरल हो रहे वीडियो की ओर भी ध्यान दिलाना चाहेंगे, जहां दो महिलाओं के माध्यम से चुनावी राज्यों और कोरोना संक्रमण पर करारा कटाक्ष किया है। इसमें एक महिला चुनाव वाले राज्यों में जाना चाहती है, जहां उसे न मास्क की चिंता होगी, न बिना मास्क रहने पर बनने वाले चालान की। रैलियों में शामिल होने पर पैसे मिलेंगे वह अलग। सच बात तो यह है कि जब तक हमारे नेताओं की सोच नहीं बदलेगी, जनता में बदलाव की उम्मीद कर भी कैसे सकते हैं।

रिपोर्ट

Coronavirus के कहर से गांव में पलायन करते लोग

मजदूर एक बार फिर पलायन को मजबूर

कोरोना वायरस की दूसरी लहर के खतरों से मुम्बई, पुणे दिल्ली आदि बड़े शहरों में रह कर रोजी-रोटी कमा रहे उत्तर प्रदेश-बिहार के मजदूरों के ऊपर एक बार फिर जीवनयापन का खतरा मंडराने लगा है। महाराष्ट्र में कोरोना के चलते काम-धंधे बंद हो रहे हैं तो उद्धव सरकार अपने यहां काम करने वाले प्रवासी मजदूरों को विश्वास नहीं दिला पा रही है कि सब कुछ ठीक हो जाएगा, जिसके चलते प्रवासी मजबूर अपने गांव-घर को पलायन को मजबूर हो गए हैं। मुम्बई से यूपी-बिहार की ओर आनी वाली ट्रेनों में जर्बदस्त भीड़ दिखाई पड़ रही है, तो मुम्बई जाने वाली गाड़ियों में आसानी से टिकट मिल रहा है। दरअसल, कोरोना महामारी के चलते मुम्बई में काफी उद्योग-धंधों पर 'ताला' लग गया है। लॉकडाउन जैसे कदमों की आशंका ने एक बार फिर मजदूरों के पलायन का खतरा पैदा कर दिया है। विभिन्न क्षेत्रों से मिल रही सूचनाओं के अनुसार कोरोना की दूसरी लहर के मद्देनजर लॉकडाउन जैसे कदमों की आशंका ने एक बार फिर मजदूरों के पलायन का खतरा पैदा कर दिया है।

पुष्पांजली टुडे ब्यूरो

बड़े शहरों में काम कर रहे प्रवासी मजदूर गांवों का रूख करने लगे हैं, लेकिन अभी हालात उतने खराब होते नहीं दिख रहे हैं जितने पिछले वर्ष देखने को मिले थे। पिछले साल लॉकडाउन के दौरान जैसी स्थिति अभी नहीं दिख रही है, न ही ऐसे हालात बन

ही पाएंगे। यूपी-बिहार जैसे राज्यों में ट्रेनों, बसों और हवाई जहाजों से दिल्ली, मुबंई, पुणे और बेंगुलरू जैसे शहरों से प्रवासी मजदूरों का सपरिवार लौटना बताता है कि उनमें भविष्य को लेकर आशंका गहरा रही है। अगर यह चलन बढ़ता है तो पिछले कुछ माह के कामकाज के आधार के बाद से अर्थव्यवस्था में मांग बढ़ने से जो रौनक लौटने लगी थी, वह फीकी पड़ सकती है। वैसे प्रधानमंत्री ने कहा है कि कोरोना की पहली लहर के मुकाबले आज महामारी से निपटने के कहीं अधिक संसाधन हैं। उन्होंने यह भी कहा कि लॉकडाउन इसे रोकने का पसंदीदा उपाय नहीं है। लेकिन नाइट कर्फ्यू और अन्य आंशिक पाबंदियों की प्रभावित इकाइयों ने मजदूरों, कर्मचारियों को औपचारिक या अनौपाचिरक रूप से घर भेजना शुरू किया है ताकि उन्हें बैठाकर खिलाने की मजबूरी न आन पड़े। कोरोना के कारण

जब पिछले साल लॉकडाऊन की घोषणा हुई तो यातायात अचानक बंद होने से सबसे ज्यादा परेशानी प्रवासी मजदूरों को झेलनी पड़ी थी। मजदूरों के लिए जब खाने की परेशानी हुई तो वह पैदल ही घर को निकल पड़े और सैंकड़ों किमी पैदल चलकर किसी तरह अपने घर पहुंचे थे। जिसके बाद फैक्टरी शुरू हुई तो मजदूर काफी मशक्कत के बाद वापस लौटे थे। लेकिन अब दोबारा से कोरोना के मामले बढ़ने पर सख्ती शुरू हुई तो प्रवासी मजदूरों ने लॉकडाउन के भय से पलायन शुरू कर दिया है। यहां कुंडली, राई, नाथूपुर औद्योगिक क्षेत्र से करीब तीन हजार मजदूर पलायन कर चुके हैं। वहीं राष्ट्रीय राजमार्ग पर केजीपी-केएमपी गोल चक्कर के पास मजदूरों की लाइन लगी रहती है। बहरहाल, प्रवासी मजदूरों के पलायन से उद्यमियों की परेशानी भी बढ़नी शुरू हो गई है। क्योंकि पहले कोरोना के कारण फैक्टरी बंद रही तो उसके बाद किसान आंदोलन ने परेशानी बढ़ा दी। अब दोबारा से स्थिति सामान्य होती जा रही थी तो अब फिर से मजदूरों ने पलायन शुरू कर दिया। ऐसे में उद्यमियों के लिए मजदूरों का संकट खड़ा हो सकता है और उससे उद्योग प्रभावित होने का डर सताने लगा है।

बंगाल विधानसभा चुनाव 2021

बंगाल में जबर्दस्त चुनावी घमासान

पांच राज्यों में चुनावी सरगर्मियों के बीच सबसे ज्यादा चर्चा पश्चिम बंगाल की है। पश्चिम बंगाल में चुनावी शोर के बीच नेताओं की जुबानी जंग अपने चरम पर है। भाषा की मर्यादा भी टूट रही और नेता एक दूसरे पर जमकर वार-पलटवार कर रहे हैं। पश्चिम बंगाल अपने आप में भाजपा के लिए बड़ा मिशन है तो वही तृणमूल कांग्रेस को अपनी सत्ता बचानी है। हालांकि, असम में भी चुनावी शोर है लेकिन कहीं ना कहीं कांग्रेस सीएए को लेकर ज्यादा आक्रमक है तो वही भाजपा अपने विकास को गिनवा रही है। हालांकि बात विकास की करें तो पश्चिम बंगाल में इसका नामोनिशान नहीं है। पश्चिम बंगाल में चुनाव प्रचार के दौरान विकास की तो बात सत्ता पक्ष हो या विपक्ष दोनों नहीं कर रहे।

पश्चिम बंगाल के नंदीग्राम में ममता बनर्जी और शुभेंदु अधिकारी एक-दूसरे के खिलाफ लड़ रहे हैं। जो शुभेंदु कल तक ममता के सिपहसालार थे, वे आज भाजपा के महारथी हैं। ऐसा बंगाल के कई चुनाव-क्षेत्रों में हो रहा है। ममता की तृणमूल कांग्रेस से इतने नेता अपना दल बदलकर भाजपा में शामिल हो गए हैं कि यदि ममता की जगह कोई और नेता होता तो वह शायद अब तक घर बैठ जाता लेकिन ममता अपना चुनाव-अभियान निर्ममतापूर्वक चला रही हैं। देश में मुख्यमंत्री तो कई अन्य महिलाएं भी रह चुकी हैं लेकिन जयललिता और ममता, जैसी कोई शायद ही रहीं हों।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पश्चिम बंगाल के पुरुलिया जिले में चुनावी रैली को संबोधित करते हुए कहा कि तृणमूल कांग्रेस सरकार को 10 साल के कथित कुशासन और तुष्टीकरण की राजनीति के लिए सजा मिलेगी। मोदी ने पुरुलिया में जल संकट को लेकर ममता बनर्जी सरकार को घेरते हुए कहा कि राज्य सरकार के काम न करने के कारण पुरुलिया गंभीर जल संकट का सामना कर रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि टीएमसी सरकार ने पुरुलिया को केवल जल संकट, जबरन पलायन और भेदभाव भरा प्रशासन दिया है। उन्होंने आरोप लगाया कि तृणमूल सरकारों ने पुरुलिया के औद्योगिक विकास को नजरअंदाज किया है। प्रधानमंत्री ने आरोप लगाया कि टीएमसी ने बंगाल में माओवादियों की एक नयी नस्ल तैयार की जिसने जनता का पैसा लूटा। उन्होंने ममता बनर्जी पर निशाना साधते हुए कहा कि बंगाल को याद है कि किसने सेना पर तख्तापलट

की साजिश रचने का आरोप लगाया था और पुलवामा हमले के दौरान आपने किसका पक्ष लिया था। मोदी ने बंगाल में घुसपैठ के मुद्दे पर कहा कि इसके लिए टीएमसी सरकार की तुष्टीकरण और वोट बैंक की राजनीति जिम्मेदार है।

इस चुनाव में जितना मर्यादा-भंग हुआ है, उतना किसी चुनाव में हुआ हो, ऐसा मुझे याद नहीं पड़ता। अब तक भाजपा के लगभग डेढ़-सौ कार्यकर्ता मारे जा चुके हैं। बंगाली मतदाताओं को हिंदू-मुसलमान में बांटने का काम कम्युनिस्ट पार्टी के अलावा सभी पार्टियां कर रही हैं। ममता ने अकेले दम कम्युनिस्ट पार्टी के तीन दशक पुराने शासन को उखाड़ फेंका। उसकी शुरुआत 2007 में इसी नंदीग्राम के सत्याग्रह से हुई थी। यदि ममता की तृणमूल पार्टी नंदीग्राम और बंगाल में जीत गई तो वह भाजपा के लिए अखिल भारतीय स्तर पर उसके गले का हार बन जाएगी। बंगाल के इस चुनाव में सांप्रदायिक और जातीय आधार पर अंधा-वोट (थोक) पड़ने वाला है। यह लोकतंत्र की विडंबना है। भाजपा के बढ़ते प्रभाव से घबराकर ममता उसे 'बाहरी' या 'गैर-बंगाली' पार्टी बता रही है, यह बहुत ही अराष्ट्रीय कृत्य है। लेकिन बंगाल का यह चुनाव इतने कांटे का है कि ऊँट किस करवट बैठेगा, यह अभी कहना मुश्किल लगता है। यदि बंगाल में भाजपा सत्तारुढ़ हो जाती है तो यह उसकी अनुपम उपलब्धि होगी और यदि वह हार गई तो अगले चार साल उसकी नाक में दम हो सकता है।

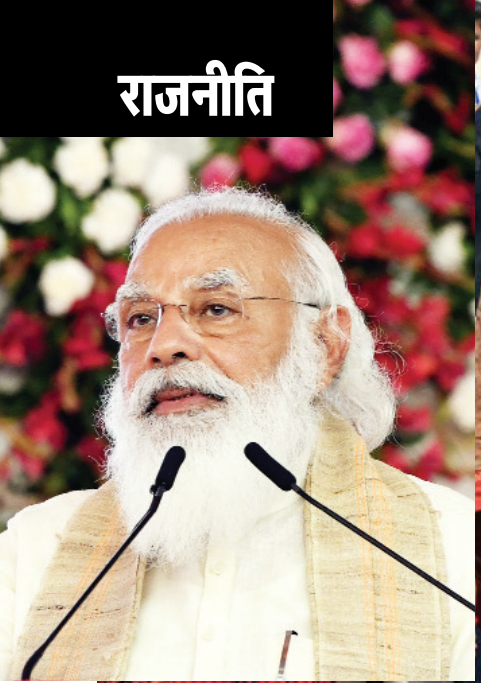

5 राज्यों के चुनाव में बीजेपी-कांग्रेस की अग्निपरीक्षा

पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव का प्रचार रफ्तार पकड़ चुका है पांच राज्यों के चुनावों में जहां बीजेपी अपना पूरा दमखम लगाकर चुनावी राज्यों में उतरी है तो वहीं बीजेपी को टक्कर देने कांग्रेस भी मजबूती से रणनीति बनाकर काम कर रही है राहुल गांधी निरंतर मोदी सरकार पर हमलावर होकर भाषण दे रहे हैं तो वहीं बहन प्रियंका गांधी भी चुनावी राज्यों में सभाएं कर रहीं हैं और पार्टी को मजबूत करने में लगी है वहीं पीएम मोदी बंगाल में खूब ताबड़तोड़ चुनावी सभाएं कर रहे हैं गृहमंत्री अमित शाह, बीजेपी अध्यक्ष जेपी नडडा बड़े रोडशो कर रहे हैं और जनता को अपने पक्ष में करने का भरसक प्रयास कर रहे हैं अब देखना यह है कि इन सभी नेताओं के ताबड़तोड़ चुनाव प्रचार के बाद आखिर जनता किसे चुनेगी यह तो समय ही बताएगा। फिलहाल कांग्रेस प्रचार में पूरी ताकत झोंक रही है, क्योंकि इन राज्यों के नतीजे पार्टी के नए अध्यक्ष की राह तय करेंगे। चुनाव में कांग्रेस का प्रदर्शन अच्छा रहता है तो राहुल गांधी के लिए अध्यक्ष पद पर वापसी की राह आसान होगी। वहीं, प्रदर्शन उम्मीद से कम रहा तो पार्टी के असंतुष्ट नेताओं को नेतृत्व पर सवाल उठाने का एक और मौका मिल जाएगा। आगामी विधानसभा चुनाव कांग्रेस से ज्यादा राहुल गांधी की नई टीम का इम्तिहान है। राहुल की साख पांचों राज्यों के प्रभारियों के प्रदर्शन पर निर्भर है, क्योंकि सभी चुनावी राज्यों के प्रभारी पार्टी के पूर्व अध्यक्ष के भरोसेमंद माने जाते हैं। इन चुनाव में पार्टी का प्रदर्शन खराब रहता है, तो बिहार की तरह पार्टी से नाराज चल रहे असंतुष्ट नेताओं को कांग्रेस नेतृत्व और उनकी टीम के सदस्यों पर सवाल उठाने का मौका मिल जाएगा। कांग्रेस को सबसे ज्यादा उम्मीद तमिलनाडु से है। तमिलनाडु और पुडुचेरी का प्रभार दिनेश गुंडुराव के पास है। वह राहुल की नई टीम का हिस्सा हैं। केरल के वायनाड से राहुल खुद सांसद हैं। वर्ष 2019 में उनका यहां से चुनाव लड़ना फायदेमंद साबित हुआ और पार्टी ने अच्छा प्रदर्शन किया। पर निकाय चुनाव में एलडीएफ को मिले समर्थन ने यूडीएफ की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। केरल में 1980 के बाद कोई पार्टी दूसरी बार सत्ता में नहीं आई है। ऐसे में एलडीएफ सत्ता में वापसी करता है तो यह पार्टी के लिए बड़ा झटका होगा।

युवाओं पर फोकस करेंगे कमलनाथ

मध्यप्रदेश कांग्रेस में कमलनाथ ने बड़ा फेरबदल करने की तैयारी कर ली गई है इनमें महिला कांग्रेस, किसान कांग्रेस और एनएसयूआई के प्रदेश अध्यक्षों के नाम शामिल हैं। दरअसल इन सहयोगी संगठनों के मुखिया का पद संभाल रहे सभी नेताओं का कार्यकाल तो काफी पहले ही पूरा हो चुका है, इसके बाद भी वे इन पदों पर बने हुए हैं, जिसकी वजह से दावेदारों में नाराजगी बनी हुई है। पार्टी इस फेरबदल के माध्यम से जहां दावेदारों की नाराजगी से मुक्ति पाना चाहती है, वहीं पार्टी नगरीय निकाय के चुनावों में संगठन को लेकर लोगों में अच्छा संदेश भी इसके जरिए देने की कोशिश में है इस फेरबदल में संगठन युवा और ऊर्जावान चेहरों को मौका देने की तैयारी कर रहा है। इसमें क्षेत्रीय और जातिगत संतुलन का विशेष रुप से ध्यान रखने का प्रयास किया जा रहा है। यही वजह है कि दावेदारों में से चयन का आधार भी सही रहने वाला है। इसके लिए संगठन स्तर पर अंदर ही अंदर मंथन का काम जारी है। दरअसल इन सहयोगी संगठनों के कई बड़े पदाधिकारी अब दूसरे संगठन में महत्वपूर्ण जगहों पर पदस्थ हो चुके हैं। इस वजह से पहले से ही कम सक्रियता के बाद अब वे पूरी तरह से इन संगठनों के कामकाज से दूरी बना चुके हैं। कांग्रेस संगठन ने पहले यह तय किया था कि यह बदलाव प्रदेश में होने वाले नगरीय निकाय व पंचायत चुनावों के बाद किया जाएगा, लेकिन अब पार्टी ने अपने इस फैसले को बदल कर इन चुनावों के पहले फेरबदल करने का तय कर लिया है।

गंगा में डुबकी लगाकर कांग्रेस की नैया पार लगा पाएंगी प्रियंका गांधी?

प्रियंका गांधी ने मौनी अमावस्या के दिन प्रयागराज में गंगा नदी में स्नान किया। इस अवसर पर उन्होंने जगतगुरु शंकराचार्य स्वामी स्वरूपानंद सरस्वती से आशीर्वाद भी प्राप्त किया। इसके एक दिन पहले वे सहारनपुर में थीं और वहां उन्होंने शाकुंभरी देवी के दर्शन किए। सहारनपुर में प्रियंका गांधी की सभा के मंच पर प्रमुख अखाड़ों के संत भी उपस्थित थे। प्रियंका ने उनसे भी आशीर्वाद लिया। कांग्रेस लगातार प्रियंका गांधी को हिंदूवादी छवि के तौर पर जनता के सामने पेश कर रही है।

एक हार के डर से, दूसरा मार के डर से व्हीलचेयर पर: नरोत्तम मिश्रा

अपने बयानों से सुर्खियों में रहने वाले मध्य प्रदेश के गृह मंत्री और भारतीय जनता पार्टी नेता नरोत्तम मिश्रा ने बुधवार को पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और बहुजन समाद पार्टी नेता मुख्तार अंसारी पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि इन दिनों देश में दो व्हीलचेयर फेमस है। एक हार के डर से व्हीलचेयर पर हैं तो दूसरे मार के डर से। आसनसोल में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए नरोत्तम मिश्रा ने कहा कि एक व्हिलचेयर पंजाब से उत्तर प्रदेश के बांदा पहुंचा है। दूसरा यहां है। एक सत्ता जाने के डर से व्हीलचेयर में है। दूसरा मार के डर से। इन दिनों व्हीलचेयर एक अजीब स्थिति में है।आपको बता दें कि गैंगस्टर से राजनेता बने मुख्ता अंसारी, जो जबरन वसूली के मामले में पंजाब की जेल में दो साल से अधिक समय बिता चुके थे, बुधवार को उत्तर प्रदेश पुलिस की विशेष सुरक्षा टीम के द्वारा उत्तर प्रदेश की बांदा जेल में लाया गया। मोहाली में एक जिला अदालत में पेश किए जाने

के दौरान, अंसारी को व्हीलचेयर में देखा गया था। पेशी को दौरान उन्होंने अदालत को बताया था कि उनका स्वास्थ्य ठीक नहीं है। अदालत ने जेल के अधिकारियों को मेडिकल टेस्ट करवाने के लिए कहा था। इसके अलावा, पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री और टीएमसी सुप्रीमो ममता बनर्जी के पैर पिछले महीने नंदीग्राम में चुनाव प्रचार के दौरान घायल हो गया था। इस घटना के बाद मुख्यमंत्री व्हीलचेयर पर बैठकर चुनाव प्रचार कर रही हैं। उन्होंने आरोप लगाया था कि उन्हें भीड़ ने धक्का दे दिया। सोमवार को हुगली के देवबंदपुर में एक जनसभा को संबोधित करते हुए ममता बनर्जी ने भाजपा पर निशाना साधा और कहा, क्या भाजपा के लोग चुनाव लड़ने के लिए स्थानीय उम्मीदवार नहीं ढूंढ सकते? उनके पास स्थानीय लोग नहीं हैं। उनके सभी लोग टीएमसी या सीपीएम से उधार ले रहे हैं। पानी की तरह पैसा बहाया जा रहा। मैं एक पैर पर बंगाल जीतूंगी और भविष्य में दो पैरों पर दिल्ली में जीत हासिल करूंगी।

सरकारी योजनाओं की ब्रांडिंग करेगी शिव-विष्णु एक्सप्रेस

प्रदेश में निकट भविष्य में नगरीय निकाय और पंचायतों के चुनाव होना तय है ऐसे में सरकार की विभिन्न जनहितैषी योजनाओं को आमजन तक पहुंचाने की तैयारी की जा रही है। इन योजनाओं की ब्रांडिंग का जिम्मा अब खुद अब मुख्यमंत्री शिवराज सिंह और भाजपा संगठन के मुखिया वीडी शर्मा उठाने जा रहे हैं। इसके लिए सत्ता व संगठन मिलकर पंचायत स्तर तक कार्यक्रम करने की योजना बना रही है। दरअसल यह पहला मौका है जब सत्ता व संगठन के बीच बेहतर सामंजस्य की स्थिति बनी है। इसकी वजह है सीएम चौहान

व वीडी के बीच अच्छी कैमिस्ट्री बनना। इस वजह से ही पहली बार सरकारी कार्यक्रमों मुख्यमंत्री के साथ वीडी भी मंच साझा करते नजर आते हैं। इसके पहले प्राय- इस तरह से मुख्यमंत्री के साथ संगठन के लोग नहीं दिखते थे। यही नहीं शर्मा के पहले प्रदेश संगठन की कमान संभालने वाले राकेश सिंह की तो मुख्यमंत्री से अपने पूरे कार्यकाल में पटरी नहीं बैठने की खबरें आती रही हैं। इस ब्रांडिंग के लिए सरकार स्तर पर योजनाओं व कार्यक्रमों की स्क्रूटनी का काम तेजी से किया जा रहा है। आयोजन की रुपरेखा इस तरह से बनाई जा रही है जिससे कि योजनाओं का लाभ लेने वाले हितग्राहियों तक तो पहुंचा ही जाए, साथ ही उनके साथ उन लोगों को भी जोड़ा जाएगा, जो इसके दायरे में आ सकते हैं। इसके लिए सत्ता और संगठन मिलकर जिला, विकासखंड और ग्राम पंचायत स्तर पर अलग -अलग कार्यक्रम करेंगे। योजना के तहत सरकारी स्तर पर किसान, ग्रामीण स्ट्रीट वेंडर, पीएम आवास, स्वरोजगार,

अगले साल से कृषि बजट अलग से होगा पेश: गहलोत

राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने वित्त वर्ष 2021- 22 का बजट राज्य विधानसभा में पेश किया। इसमें उन्होंने कई नई घोषणाएं कीं, जिनमें राज्य के 25 जिला मुख्यालयों पर चरणबद्ध तरीके से नर्सिंग महाविद्यालय स्थापित करना शामिल है। गहलोत ने राज्य के पहले पेपरलेस बजट भाषण की शुरुआत करते हुए कहा कि 2021- 22 में राज्य सरकार की सोच है कि सभी तबकों को साथ लेकर प्रदेशवासियों के जीवन को खुशहाल बनाया जाए। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने बजट भाषण में कहा कि राजस्थान सरकार अगले साल से कृषि बजट अलग से पेश करेगी। उन्होंने कहा कि कोरोना ने अर्थव्यवस्था को झकझोर कर रख दिया इसलिये वर्ष के दौरान अधिक वित्तीय संसाधन जुटाने का प्रयास किया जाएगा। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार राइट टु हेल्थ विधेयक लाएगी तथा अगले साल 3,500 करोड़ रुपये की लागत से सार्वभौमिक स्वास्थ्य सुविधा (यूनिवर्सल हेल्थ केयर) लागू करेंगे जिसमें हर परिवार को पांच लाख रुपये तक का स्वास्थ्य बीमा कवर उपलब्ध हो सकेगा। गहलोत के पास वित्त विभाग भी है। राज्य सरकार का यह तीसरा बजट है। जानकारों का मानना है कि

इस बार का बजट सेक्टर वाइज घोषणाओं के साथ पेश हो सकता है, साथ ही सामाजिक व मेडिकल क्षेत्रों पर ज्यादा जोर दिया जा सकता है। राज्य के बजट के बारे में कई तरह की संभावनाएं सामने आ रही हैं, जिनमें सामाजिक, मेडिकल, रोजगार के अलावा एजुकेशन पर भी जोर दिया जा सकता है। मेडिकल इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने, हर जिले में कोविड टेस्ट लैब के साथ-साथ कुछ और नए प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र खोलने की घोषणा होने की संभावना है। साथ ही इनमें काम करने के लिए डॉक्टर्स और नर्सिंगकर्मियों के खाली पदों पर भर्ती की घोषणा भी संभव है।

गुड गवर्नेंस के रोल मॉडल योगी

योगी सरकार के सफलतम चार साल, उत्तर प्रदेश में विकास के नए आयाम स्थापित किए हैं

उत्तर प्रदेश की योगी सरकार के चार साल पूरे हो गए हैं गुड गवर्नेंस के रोल मॉडल योगी ने चार सालों में वो कर दिखाया, जो बरसों में हो न पाया उन्होंने उत्तर प्रदेश में विकास के नए आयाम स्थापित किए हैं। योगी आदित्यनाथ का जन्म 5 जून 1972 को उत्तराखंड के पौड़ी गढ़वाल जिले स्थित यमकेश्वर तहसील के पंचुर गांव में हुआ। योगी आदित्यनाथ (तब अजय सिंह बिष्ट के नाम से जाने जाते

थे) बचपन से ही बहुत कुशाग्र और कर्मठ स्वभाव के थे। बचपन में ही उनका मन अध्यात्म की ओर भी झुकने लगा था। योगी आदित्यनाथ ने गढ़वाल विश्विद्यालय से गणित में बीएससी किया है. साल 1993 में गणित में एमएससी की पढ़ाई के दौरान अजय सिंह बिष्ट (संन्यास ग्रहण करने के बाद उनका नाम योगी आदित्यनाथ पड़ा), गुरु गोरखनाथ पर शोध करने के लिए गोरखपुर आए और तत्कालीन गोरक्षपीठाधीश्वर महंत अवेद्यनाथ के संपर्क में आए। साल 1994 में दीक्षा के बाद वह योगी आदित्यनाथ बन गए थे। योगी हिंदू युवा वाहिनी संगठन के संस्थापक भी हैं। 1998 से लेकर मार्च 2017 तक योगी आदित्यनाथ गोरखपुर से सांसद रहे और हर बार उनकी जीत का आंकड़ा बढ़ता ही गया। फिर आता है साल 2017 का वो दौर जब यूपी में नरेंद्र मोदी के नाम पर सवार बीजेपी की पतवार ने पूरे दम-खम से जीत सुनिश्चित की और 312 सीटें जीती। योगी आदित्यनाथ ने 19 मार्च 2017 को यूपी की बागडोर संभाली। योगी उत्तर प्रदेश को उत्तम प्रदेश बनाने का संकल्प लेकर उतरे। उत्तम प्रदेश यानी ऐसा प्रदेश जहां कानून व्यवस्था टाइट हो, महिलाओं और लड़कियों के साथ सड़कें सुरक्षित हों। रोजगार हो।

सीएए विरोधी प्रदर्शनकारियों पर एक्शन

नागरिकता संशोधन कानून की आड़ में उत्तर प्रदेश को उपद्रव की आग में झोंकने वालों और दंगा-आगजनी की साजिश को पर्दे के पीछे से अंजाम देने वाली देश विरोधी ताकतों के खिलाफ प्रदेश के कप्तान योगी आदित्यनाथ ने मोर्चा खोल दिया। यूपी की सत्ता पर काबिज योगी सरकार एक तरफ जहां अमन-चैन से रहने का पाठ पढ़ाती रही वहीं शांति भंग करने वालों के खिलाफ एक्शन मोड में भी नजर आई।

अपराधियों पर फुल एक्शन

योगी सरकार में आम लोगों के अच्छे दिन आए हों या नहीं लेकिन यूपी के अपराधियों और उपद्रवियों के बुरे दिन जरूर शुरु हो गए हैं। कभी अस्पताल तो कभी सचिवालय, कभी नगर निगम तो कभी थाने। हर जगह योगी आदित्यनाथ सख्ती से नियमों का पालन करवाने में जुटे हैं। उत्तर प्रदेश में सरकार बनाने के साथ ही योगी आदित्यानाथ ने ऐलान किया था कि अब यूपी में अपराधियों की कोई जगह नहीं होगी। कट्टेबाजी और बमबाजी के लिए उत्तर प्रदेश एक अरसे से बदनाम रहा है। सरकार किसी की भी रही हो, तूती बंदूकबाजों की ही बोलती थी। लेकिन वक्त बदला और बदलते वक्त में यूपी में अपराधी कन्फ्यूज हो गए कि करें तो क्या करें। यूपी ने एक दौर ऐसा भी देखा कि एनकाउंटर का खौफ उनके सिर पर गिद्ध बनकर नाचने लगा। जो जेल में थे वो जेल से बाहर आना नहीं चाहते और जो बाहर हैं वो घर से बाहर निकलना नहीं चाहते थे। जो फरार थे वो जेल जाने को बेकरार हो गए। यूपी पुलिस नहीं तो किसी तरह आसपास की पुलिस से सेटिंग कर किसी तरह जेल भिजवा देने की जुगत में लग गए नहीं तो बाहर गोली न खानी पड़ जाए। 15 हजार के एक ईनामी बदमाश ने तो हापुड़ के थाने में जाकर खुद ही सरेंडर तक कर दिया था।

कांवड़ियों पर फूल बरसाया

यूपी में योगी सरकार के आने के बाद से ही सूबे भर में कांवड़ियों पर सरकार मेहरबान नजर आई तो दूसरी तरफ सावन के महीने में कांवड़ियों के रूट पर मांस की बिक्री पर रोक लगाने का काम किया। कांवड़ियों पर हेलीकॉप्टर से फूल बरसाने का काम योगी सरकार के राज में हुआ है।

इन्वेस्टर्स को आकर्षित करने में कामयाब

डिफेंस कॉरिडोर की वजह से उत्तर प्रदेश देश के दूसरे राज्यों के मुकाबले देश-विदेश में अलग-पहचान बना ली है। केवल देश ही नहीं दुनिया भर से लगातार इनवेंस्टमेंट आ रहे हैं। बेंगलुरु में आयोजित एयरो इंडिया शो 2021 में उत्तर प्रदेश डिफेंस इंडस्ट्रियल कॉरिडोर के लिए राज्य सरकार ने 4500 करोड़ रुपए का निवेश अपनी ओर आकर्षित किया।

लव जिहाद और गौ हत्या विरोधी कानून

उत्तर प्रदेश की योगी सरकार लव जिहाद के विरुद्ध अध्यादेश लेकर आई है। अध्यादेश में योगी सरकार ने लव जिहाद जैसा घिनौना कृत्य करने वालों पर सख्त रुख अख्तियार किया है। अध्यादेश के अनुसार धोखे से धर्म परिवर्तन कराने पर 10 साल की सजा का प्रावधान है। साथ ही अध्यादेश में इस बात पर भी बल दिया गया है कि यदि धर्म परिवर्तन कराया जाता है तो इसकी सूचना जिले के जिलाधिकारी को दो महीने पहले देनी होगी। योगी सरकार ने उत्तर प्रदेश गोवध निवारण कानून बनाया, जिसके तहत गौहत्या पर 3 से 10 साल की सजा और गौवंश को शारीरिक तौर पर नुकसान पहुंचाने पर पौने दो साल की सजा का प्रावधान है। यूपी में तमाम अवैध स्लाटर हाउस बंद कर दिए गए।

सफल रहा मप्र के सीएम शिवराज का स्वास्थ्य आग्रह, कोरोना से जंग में मिला सभी वर्गों का साथ

कोरोना नियंत्रण के लिए सरकार ने लिए त्वरित निर्णय

कोरोना से जंग में जनता की भागीदारी बढ़ाने में स्वास्थ्य आग्रह सफल रहा। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के इस अभिनव प्रयास को कांग्रेस सहित सभी धर्मगुरुओं और समाज के विभिन्न वर्गों का साथ मिला है। इस दौरान सभी ने कोरोना गाइडलाइन के पालन का संकल्प जताया, वहीं स्वास्थ्य व्यवस्थाओं को अधिक दुरुस्त करने की मांग भी रखी। इस प्रयास की खास बात यह रही कि आयोजन स्थल राजधानी के मिंटो हाल में भीड़ जुटाने के बजाय इंटरनेट मीडिया के माध्यम से पूरे प्रदेश में कोरोना से बचाव का संदेश पहुंचाया गया। पिछले साल मुख्यमंत्री चौहान ने प्रदेश की सत्ता संभाली थी, तब तक कोरोना राज्य में दस्तक दे चुका था। वह शपथ ग्रहण के तत्काल बाद मंत्रालय पहुंचे और कोरोना को लेकर स्वास्थ्य विभाग सहित अन्य महकमों की तैयारी का जायजा लेना शुरू किया। मैराथन बैठकों के माध्यम से वह जहां पूरे प्रदेश के चप्पे-चप्पे पर नजर रखते और निर्देश देते, वहीं मौका निकालकर सड़क से लेकर हॉस्टल, आश्रयस्थलों तक जाते और लोगों को जागरूक करने के साथ कोरोना से बचाव के उपायों को देखते।

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि कोरोना संक्रमण के संबंध में जन-जागृति के लिए आरंभ किए गए %स्वास्थ्य आग्रह% अभियान को मिले जन-समर्थन से मैं अभिभूत हूँ। यह युद्ध समाज के सहयोग के बिना नहीं लड़ा जा सकता। राज्य शासन हरसंभव व्यवस्थाएँ कर रहा है, पर समाज का सहयोग आवश्यक है। स्वास्थ्य आग्रह अभियान में सभी राजनैतिक, सामाजिक, धार्मिक संगठनों, रहवासी संघों, व्यापार संघों, कर्मचारी संगठनों आदि का सहयोग और समर्थन मिला। कोरोना के विरूद्ध अभियान में जनता को सहभागी बनाने के लिए आरंभ की गई कोरोना वॉलेंटियर योजना में अब तक 34 हजार से अधिक लोगों ने अपना पंजीयन कराया है। प्रदेश की जनता के इस सहयोग से यह स्पष्ट है कि सरकार और समाज साथ-साथ हैं। कोरोना हारेगा और मानवता जीतेगी।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि कोरोना संक्रमण को नियंत्रित करने के लिए लॉकडाउन अंतिम उपाय है। देश-दुनिया सहित मध्यप्रदेश में भी कोरोना संक्रमण तेजी से फैल रहा है। राज्य सरकार स्थिति पर नजर रखे हुए है, नियंत्रण के हरसंभव प्रयास जारी है। जिलों के आपदा प्रबंधन समूह स्थानीय परिस्थितियों के संबंध में चौकस हैं। आवश्यकता होने पर स्थिति पर नियंत्रण के लिए अंतिम विकल्प के रूप में लॉकडाउन लगाने या बढ़ाने के संबंध में विचार किया जाएगा।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने कोरोना के विरूद्ध युद्ध के लिए चार टी - टेस्टिंग, ट्रेसिंग, ट्रीटमेंट और टीकाकरण का मंत्र दिया है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि इसमें एक टी और सम्मिलित करने की आवश्यकता है। वह है टेंडेंसी अर्थात हमें कोविड अनुकूल व्यवहार अपनाना होगा। यह आवश्यक है कि सभी व्यक्ति मास्क, सोशल डिस्टेंसिंग, बार-बार हाथ धोने की आदत बना लें। इन सावधानियों को लगातार अपनाना आवश्यक है। यह भाव विकसित करना होगा कि यदि हम ये सावधानियाँ नहीं अपना रहे हैं तो हम कोई पाप या अपराध कर रहे हैं। मेरी सुरक्षा मेरा कवच का भाव सभी व्यक्तियों में होना चाहिए।

माता की आराधना का पर्व चैत्र नवरात्रि

चैत्र शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि से नवरात्रि आरंभ हो जाती हैं। इसी पावन तिथि से हिन्दू नववर्ष की शुरुआत भी हो जाती है। हिंदू नववर्ष का प्रथम महीना चैत्र होता है। हिंदू नववर्ष की शुरुआत में पूरे देशभर में हर्षो- उल्लास का माहौल रहता है। इस साल 13 अप्रैल, मंगलवार से नए हिन्दू नववर्ष की शुरुआत होने जा रही है। नवसंवत्सर 2078 के साथ ही मांगलिक कार्य भी आरंभ हो जाएंगे। इस बार नवंसवत्सर 2078 की शुरुआत में विचित्र संयोग भी बन रहा है। साल में चार बार नवरात्रि का त्योहार आता है। इस बार घोड़े पर सवार होकर आएंगी माता : इस बार चैत्र नवरात्रि मंगलवार को शुरू होगी, जिसकी वजह से मां घोड़े पर सवार होकर आएंगी। इससे पहले शारदीय नवरात्रि पर भी मां घोड़े पर सवार होकर आई थीं। देवी मां जब भी घोड़े पर आती हैं, तो युद्ध की आशंका बढ़ जाती है। नवरात्रि में मां शैलपुत्री, मां ब्रह्मचारिणी, मां चंद्रघंटा, मां कुष्मांडा, मां स्कंदमाता, मां कात्यायनी, मां कालरात्रि, मां महागौरी और मां सिद्धिदात्री की पूजा-अर्चना की जाएगी। प्रतिपदा तिथि पर कलश स्थापना के साथ ही नवरात्रि पर्व की शुरुआत होगी। घट स्थापना करते हुए भगवान गणेश की वंदना के साथ माता शैल पुत्री की पूजा, आरती की जाती है।

पुष्पांजली टुडे टीम

शैलपुत्री

प्रथम नवरात्र में मां दुर्गा की शैलपुत्री के रूप में पूजा की जाती है। पर्वतराज हिमालय की पुत्री शैलपुत्री की पूजा करने से मूलाधार चक्र जागृत हो जाता है और साधकों को सभी प्रकार की सिद्धियां स्वतः ही प्राप्त हो जाती हैं।

ब्रह्मचारिणी

दूसरे नवरात्र में मां के ब्रह्मचारिणी एवं तपश्चारिणी रूप को पूजा जाता है। जो साधक मां के इस रूप की पूजा करते हैं उन्हें तप, त्याग, वैराग्य, संयम और सदाचार की प्राप्ति होती है और जीवन में वे जिस बात का संकल्प कर लेते हैं उसे पूरा करके ही रहते हैं।

चन्द्रघंटा

मां के इस रूप में मस्तक पर घंटे के आकार का आधा चन्द्र बना होने के कारण इनका नाम चन्द्रघंटा पड़ा तथा तीसरे नवरात्र में मां के इसी रूप की पूजा की जाती है तथा मां की कृपा से साधक को संसार के सभी कष्टों से छुटकारा मिल जाता है।

कूष्मांडा

अपने उदर से ब्रह्मंड को उत्पन्न करने वाली मां कूष्मांडा की पूजा चौथे नवरात्र में करने का विधान है। इनकी आराधना करने वाले भक्तों के सभी प्रकार के रोग एवं कष्ट मिट जाते हैं तथा साधक को मां की भक्ति के साथ ही आयु, यश और बल की प्राप्ति भी सहज ही हो जाती है।

स्कंदमाता

पंचम नवरात्र में आदिशक्ति मां दुर्गा की स्कंदमाता के

रूप में पूजा होती है। कुमार कार्तिकेय की माता होने के कारण इनका नाम स्कंदमाता पड़ा। इनकी पूजा करने वाले साधक संसार के सभी सुखों को भोगते हुए अंत में मोक्ष पद को प्राप्त होते हैं। उनके जीवन में किसी भी प्रकार की वस्तु का कोई अभाव कभी नहीं रहता।

कात्यायनी

महर्षि कात्यायन की तपस्या से प्रसन्न होकर आदिशक्ति मां दुर्गा ने उनके घर पुत्री के रूप में जन्म लिया और उनका कात्यायनी नाम पड़ा। छठे नवरात्र में मां के इसी रूप की पूजा की जाती है। मां की कृपा से साधक को धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष आदि चारों फलों की जहां प्राप्ति होती है वहीं वह आलौकिक तेज से अलंकृत होकर हर प्रकार के भय, शोक एवं संतापों से मुक्त होकर खुशहाल जीवन व्यतीत करता है।

कालरात्रि

सभी राक्षसों के लिए कालरूप बनकर आई मां दुर्गा के इस रूप की पूजा सातवें नवरात्र में की जाती है। मां के स्मरण मात्र से ही सभी प्रकार के भूत, पिशाच एवं भय समाप्त हो जाते हैं।

महागौरी

आदिशक्ति मां दुर्गा के महागौरी रूप की पूजा आठवें नवरात्र में की जाती है। मां ने काली रूप में आने के पश्चात घोर तपस्या की और पुनः गौर वर्ण पाया और महागौरी कहलाई। मां की कृपा से साधक के सभी कष्ट मिट जाते हैं और उसे आर्थिक लाभ भी मिलता है।

सिद्धिदात्री

नौवें नवरात्र में मां के सिद्धिदात्री रूप की पूजा एवं आराधना की जाती है, जैसा कि नाम से ही स्पष्ट है मां का यह रूप साधक को सभी प्रकार की ऋद्धियां एवं सिद्धियां प्रदान करने वाला है।

ऐतिहासिक प्रदेश गुजरात

पुष्पांजली टुडे ब्यूरो

गुजरात भारत के पश्चिम में स्थित प्रमुख राज्यों में से एक है। गुजरात कई स्थापत्य चमत्कारों का घर है जो अपनी जीवंत संस्कृति, समृद्ध विरासत के अलावा, प्राकृतिक परिदृश्य और स्वादिष्ट व्यंजनों के लिए प्रसिद्ध है। अपने आकर्षणों की वजह से गुजरात को 'द लैंड ऑफ लीजेंड्स' भी कहा जाता है। गुजरात कला, इतिहास, संगीत और संस्कृति का एक आदर्श मिश्रण प्रस्तुत करता है। अपने कई आकर्षणों के अलावा गुजरात प्योर एशियाई शेरों का एक मात्र घर भी है। गुजरात कच्छ के महान रण से सतपुड़ा की पहाड़ियों तक के प्राकृतिक सौंदर्य प्रस्तुत करता है। इसके अलावा यह अपनी 1600 किलोमीटर से अधिक लंबी तटरेखा के साथ ही कुछ शानदार प्राचीन गुफा चित्रों, ऐतिहासिक भित्ति चित्रों, पवित्र मंदिरों, ऐतिहासिक राजधानियों, वन्यजीव अभयारण्यों, समुद्र तटों, पहाड़ी रिसॉर्ट्स और आकर्षक हस्तशिल्प के लिए भी जाना जाता है।

गुजरात पर्यटन की दृष्टि से काफी संपन्न है। इस राज्य में घूमने के लिए असंख्य पर्यटन स्थल हैं, जहां आप यात्रा के लिए जा सकते हैं। गुजरात अपने कई मंदिरों, वन्य जीव अभ्यारणों और समुद्र तटों के लिए प्रसिद्ध है। अगर आप गुजरात घूमने की योजना बना रहें हैं तो हमारे इस लेख को जरुर पढ़ें, जिसमे हम आपको गुजरात में घूमने की सबसे खास जगह के बारे में बता रहें हैं।

स्टेचू ऑफ़ यूनिटी

हाल फ़िलहाल में ही बना स्टेचू ऑफ़ यूनिटी ने लाखो लोगो को अपनी और आकर्षित किया है स्टेचू ऑफ़ यूनिटी सरदार सरोवर बांध के पास बना विश्व का सबसे उचा स्टेचू है यह प्रतिमा सरदार वल्लभ भाई के सम्मान में बनाया गया है यह प्रतिमा 182 मीटर उची है स्टेचू ऑफ़ यूनिटी अपने अनावरण के बाद से ही ये देशी और विदेशी पर्यटकों का मुख्य केंद्र भी बन गया है।

कच्छ का रण

गुजरात के कच्छ का रेगिस्तान भारत की एक अनूठी स्थान है यहां की खूबसूरती देख कर आप आश्चर्य हो जाओगे ऐसा स्थान आपने कभी देखा नहीं होगा यहां का ज्यादातर क्षेत्र में नमक और रेत है और यहां पूर्णिमा की रात को कच्छ का रेगिस्तान चांदनी में जगमग हो उठता है यहां का सालाना रन महोत्सव भी देखने लायक बनता है।

गुजरात की राजधानी गांधीनगर

गांधीनगर गुजरात की राजधानी है और इस शहर का नाम राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के नाम पर रखा गया है। ये शहर प्रशिद्ध है भारत के सबसे खूबसूरत मंदिरो में से एक अक्षरधाम मंदिर के लिए, इस शांत शहर में आप अक्षरधाम मंदिर के साथ साथ

चिल्ड्रन पार्क, सरिता उद्यान और भी बहुत सी जगह घूम सकते हो।

वडोदरा

वडोदरा शहर में आपको कई नायब और खूबसूरत महल देखने मिलेंगे और शहर के इतिहास में सयाजी राव ग्याक्काड जी का अमूल्य योगदान रहा है यहां के लक्ष्मी विलास महल की खूबसूरती देख कर आप आश्चर्य हो जाओगे और साथ ही यहां की महाराजा सयाजी राव यूनिवर्सिटी भी काफी प्रसिद्ध है घूमने के लिए।

द्वारका

द्वारका गुजरात में एक प्रमुख हिन्दू धार्मिक स्थान है द्वारका हिन्दुओ के चारधाम यात्राओं में से एक है और यह देश भर से काफी श्रद्धालु आते है द्वारका में स्थित लोकप्रिय द्वारकदिश मंदिर भगवन श्री कृष्ण जी को समर्पित है समुद्र के पास में स्तिथ यह मंदिर की खूबसूरती देखते ही बनती है।

गिर राष्ट्रीय उद्यान

गुजरात का गिर राष्ट्रीय उद्यान हर साल लाखों लोगों को अपनी और आकर्षित करता है गिर राष्ट्र्य उद्यान में लगभग 400 बब्बर शेर मौजूद है यदि आपको जंगल सफारी करना हो तो आपको यह स्थान जरूर जाना चाहिए। यहां आपको शेरो के अलावा और कई दुर्लभ जीव जन्तुये देखने को मिलेंगे।

सापुतारा

सापुतारा गुजरात राज्य का एक छोटा और खूबसूरत हिल स्टेशन है यहां आप हरे भरे वन, शीतल झरने और शुकुनदायक ठंडा वातावरण 7 यदि आपको ट्रैकिंग करना पसंद है तो ये जगह आपको जरूर अच्छी लगेगी क्युकी ये जगह ट्रैकिंग और एडवेंचर्स के लिए काफी प्रसिद्ध है।

सोमनाथ

भारत में मौजूद 12 ज्योतिर्लिंगः में से एक सोमनाथ में स्थित है और सोमनाथ का अर्थ होता है चन्द्रमा का देवता। सोमनाथ का सबसे लोकप्रिय स्थान सोमनाथ मंदिर है इसके अलावा आप इसके खूबसूरत समुद्रतट, संग्रहलय और बहुत से धार्मिक स्थान है।

अहमदाबाद

अहमदाबाद गुजरात का एक प्रगितिशील शहर है और ये शहर गुजरात का सबसे बड़ा शहर है यह संस्कृति में डूबा हुआ शहर है जो की दुनियाभर के लोगो को अपनी और आकर्षित करता है अहमदाबाद में आप साबरमती आश्रम और कंकरिअ झील घूम सकते हो। यदि आप अहमदाबाद जाते हो तो आप वहां के प्रसिद्ध खाखरा, ढोकला और फाफड़ा का मज़ा भी ले सकते हो।

पोरबंदर

अरब सागर के किनारे बसा गुजरात का यह शहर महात्मा गाँधी के जन्म स्थल है पोरबंदर में घूमने के लिए बहुत से स्थान है जैसे सुदामा मंदिर, कीर्ति मंदिर और कुछ अच्छे बीच भी है जहां जाकर आप पोरबंदर को एक्स्प्लोर कर सकते हो।

मोदी जी की नीतियों से प्रभावित होकर आम आदमी पार्टी के एक सैकड़ा कार्यकर्ताओं ने थामा भारतीय नमो संघ का दामन

राष्ट्र हित में काम कर रही भाजपा पार्टी के लिए करेगें काम करने का लिया संकल्प

पुष्पांजली टुडे ब्यूरो,

भारतीय नमो संघ की एक वृहद कार्यकर्ता बैठक का आयोजन आज ग्वालियर प्रदेश उप कार्यालय पर किया गया जिसमें मुख्य अतिथि बतौर भारतीय नमो संघ के प्रदेश अध्यक्ष भाजपा नेता मुकेश दीक्षित मौजूद रहे और वही उक्त बैठक की अध्यक्षता भारतीय नमो संघ के प्रदेश संगठन महामंत्री पुष्पेंद्र परमार ओर महामंत्री छोटू भदोरिया ने की, इस अवसर पर आम आदमी पार्टी के ग्वालियर संभाग उपाध्यक्ष वीर प्रताप सिंह भदोरिया के नेतृत्व में एक सैकड़ा कार्यकर्ताओं ने आम आदमी पार्टी से त्यागपत्र सौंप कर मोदी जी की नीतियों और विचारों से प्रभावित होकर भारतीय नमो संघ का दामन थामा, और इस अवसर पर आम आदमी पार्टी के सभी कार्यकर्ताओं ने अपने सिर से टोपी निकालकर संकल्प लिया और इस अवसर पर भारतीय नमो संघ के प्रदेश अध्यक्ष भाजपा नेता मुकेश दीक्षित ने सभी नए कार्यकर्ताओं का नमो संघ परिवार में स्वागत किया और वीर प्रताप सिंह भदोरिया को भारतीय नमो संघ संगठन ग्वालियर का संभागीय अध्यक्ष नियुक्त किया गया और वही धर्मेंद्र सिंह भदोरिया जी को प्रदेश सलाहकार समिति में सदस्य बतौर आमंत्रित किया गया इस अवसर पर नवनियुक्त संभागीय अध्यक्ष वीर प्रताप सिंह जी को पुष्प माला पहनाकर उनका स्वागत किया गया ,इस अवसर पर नमो संघ के प्रदेश अध्यक्ष मुकेश दीक्षित ने कहा कि आम आदमी पार्टी एक छलावा है,, उन्होंने आगे कहा मध्यप्रदेश में अन्ना आंदोलन की आड में छल पूर्वक जिस तरीके से देश की जनता को गुमराह कर आम आदमी पार्टी का अपने निजी स्वार्थ हेतु गठन किया है,उन्होंने आगे कहा कि अन्ना आंदोलन का ग्वालियर चंबल संभाग का प्रभार तथा आम आदमी पार्टी का ग्वालियर सागर एवं भिंड जिले का प्रभार मेरे पास रहा और मैं फाउंडर मेंबर भी रहा तथा राष्ट्रीय कार्यकारिणी परिषद का सदस्य भी रहा,जिस तरीके से देश के आम जनमानस को गुमराह कर आम आदमी पार्टी के मुखिया ने आम जन के साथ छलावा किया यह किसी से छुपा नहीं है हम लोग राष्ट्र हित में काम करने वाले लोग हैं जो पार्टी राष्ट्र हित की बात नहीं कर सकती ऐसी पार्टी में हम लोगों को रहने का कोई अधिकार नहीं उन्होंने आगे कहा जब देश के अंदर सर्जिकल स्ट्राइक हुई तब आम आदमी पार्टी के मुखिया अरविंद केजरीवाल जी स्ट्राइक के सबूत मांग रहे थे और वही जब जेएनयू विश्वविद्यालय में देश के टुकड़े टुकड़े करने की बात की जा रही थी तो उस समय भी आम आदमी पार्टी के मुखिया उन देशद्रोहियों का साथ दे रहे थे ,आज पूरा देश मोदी जी के साथ खड़ा है तथा मोदी विचारों से जुड़ा हुआ है उन्होंने आगे कहा मोदी जी के नेतृत्व में सदियों पुराना राम मंदिर का अधूरा संकल्प पूरा हुआ है वह और वही धारा 370 और 35ड्ड को हटाकर आतंकवाद को करारा तमाचा मारने का काम भी मोदी सरकार ने किया है, वास्तविक रूप से देखा जाए तो देश को आजादी सही मायने में आज मिली है जब हमारा देश का स्वर्ग कहा जाने वाला कश्मीर आजाद हुआ है, उन्होंने आगे कहा कि आज देश के आमजन कल्याण के लिए मोदी सरकार ने ऐतिहासिक जनकल्याणकारी योजनाओं को लाकर बहुत ही सराहनीय और सुंदर कार्य किया है इस अवसर पर आम आदमी पार्टी छोड़ नमो संघ में सम्मिलित हुए नव नियुक्त नमो संघ के ग्वालियर संभागीय अध्यक्ष वीर प्रताप सिंह भदोरिया ने कहा कि मैं मोदी सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रचार प्रसार हेतु आमजन के बीच जाऊंगा और आम गरीब लोगों को सरकार की योजनाओं का फायदा दिलाने का कार्य करूंगा मैं मोदी जी की नीतियों से बहुत ही प्रभावित हूं और आज मैं एक सैकड़ा साथियों के साथ आम आदमी पार्टी से त्यागपत्र सौंप कर भारतीय नमो संघ भाजपा का दामन थाम रहा हूं आज मैं अपने आप को बड़ा गौरवान्वित महसूस कर रहा हूं कि राष्ट्र हित में काम करने वाली भारतीय जनता पार्टी के विचारों पर चलकर मोदी जी की नीतियों को जन जन तक पहुंचाने के लिए मैं संकल्प बद्ध होकर कार्य करूंगा, इसके बाद सभी कार्यकर्ताओं ने मोदी सरकार जिंदाबाद के नारे लगाए और वही आम आदमी पार्टी मुर्दाबाद के नारे लगाए गए, इस अवसर पर भारतीय नमो संघ के प्रदेश उपाध्यक्ष भरत चौहान, महिला मोर्चा प्रदेश सचिव रश्मि चौहान, प्रदेश उप कार्यालय सचिव आरती शर्मा, ग्वालियर जिला अध्यक्ष उदय सिंह कौरव ,रामकिशोर अमित तोमर, मोंटी चौहान सत्येंद्र राजावत, शशि भूषण भदौरिया प्रवेश सिंह, अटल शर्मा पहलाद राजावत, रिंकु सिकरवार, राजेश भदौरिया ,आकाश शर्मा, विष्णु ओझा सूरज कल्लू सोनू राजावत, दिनेश तोमर, मयंक शर्मा, राहुल सिंह देवेश राजावत, प्रमोद भारद्वाज, सुरेंद्र सिंह संतोष प्रजापति दिलीप राजावत, अनु राजा बाद नीलू राठौड़ वीर प्रताप भूपेंद्र सिंह जितेंद्र राजावत, धीरज शर्मा ,सोनू गुर्जर, लल्ला जादौन, बृजमोहन, अनिल यादव, सहित कई लोग मौजूद रहे,

बागवानी से है प्यार तो बनाएं हार्टिकल्चर में कॅरियर

हार्टिकल्चर वास्तव में आर्ट और विज्ञान का एक अद्भुत मिश्रण है। जिसमें फल, सब्जियों, मसालों, फूलों, औषधीय व सुगंधित फूलों की खेती की जाती है। बागवानी के क्षेत्र में ना सिर्फ परिवेश का सौंदर्यीकरण शामिल है, बल्कि पौधों और उनके महत्व का अध्ययन भी शामिल है। प्रकृति की गोद में रहने का अपना एक अलग ही आनंद है। कंप्यूटर की किट-किट और डेडलाइन्स से दूर रहकर अगर आप नेचर संबंधित एक सुखद कॅरियर की तलाश में हैं तो आप हार्टिकल्चर अर्थात बागवानी में अपना भविष्य तलाश सकते हैं। हार्टिकल्चर वास्तव में एग्रीकल्चर का ही एक छोटा स्वरूप है। जहां एग्रीकल्चर में बड़े पैमाने पर खेती की जाती है, वहीं बागवानी में इसे छोटे स्तर पर किया जाता है। अगर आपको भी प्रकृति के करीब रहना पसंद है तो आप हार्टिकल्चर में अपना कॅरियर बनाएं। तो चलिए विस्तार से जानते हैं इस बारे में-

क्या है हार्टिकल्चर

हार्टिकल्चर वास्तव में आर्ट और विज्ञान का एक अद्भुत मिश्रण है। जिसमें फल, सब्जियों, मसालों, फूलों, औषधीय व सुगंधित फूलों की खेती की जाती है। बागवानी के क्षेत्र में ना सिर्फ परिवेश का सौंदर्यीकरण शामिल है, बल्कि पौधों और उनके महत्व का अध्ययन भी शामिल है। बागवानी में पौधों के फसल उत्पादन से लेकर मिट्टी की तैयारी, पौधे की प्रजनन और आनुवंशिक इंजीनियरिंग, पौधे की जैव रसायन और पादप शरीर क्रिया विज्ञान आदि शामिल है।

योग्यता

इस क्षेत्र में आपकी शैक्षणिक योग्यता इस बात पर निर्भर करती है कि आप किस प्रकार के बागवानी व्यवसाय में

रूचि रखते हैं। इस क्षेत्र में प्रवेश स्नातक स्तर से शुरू होता है। जिन उम्मीदवारों ने भौतिकी, रसायन विज्ञान और गणित / जीव विज्ञान / कृषि के साथ विज्ञान स्ट्रीम (कक्षा 12 वीं) में उत्तीर्ण किया है, वे विषय के रूप में बागवानी में स्नातक की डिग्री के लिए एक अलग विषय के रूप में या बीएससी कृषि विज्ञान विषय के रूप में चयन कर सकते हैं। डिप्लोमा कार्यक्रम करने के लिए एक ही मूल योग्यता आवश्यक है। छात्र बागवानी में बीएससी करने के बाद, बागवानी में एमएससी कर क्षेत्र में अपना आगे का अध्ययन जारी रख सकते हैं।

पर्सनल स्किल्स

इस क्षेत्र में कॅरियर देख रहे छात्रों में प्रकृति के प्रति प्रेम की भावना होनी चाहिए। इसके अलावा छात्रों में सीखने के लिए उत्साह और प्रेरणा देने की क्षमता, गहन एकाग्रता के साथ लंबे समय तक काम करना और एक उत्सुक विश्लेषणात्मक मन होना चाहिए। उनके भीतर पौधों में रोग के शुरुआती लक्षणों का पता लगाने के लिए बागवानी विशेषज्ञों में व्यावहारिक क्षमता, अवलोकन की अच्छी शक्तियां होनी चाहिए। सामान्य तौर पर, बागवानी विशेषज्ञों को अपने आसपास की दुनिया के बारे में जानने और समस्याओं को हल करने में रचनात्मक होने की आवश्यकता होती है।

एक किसान की सफलता की कहानी, बदल गई जिंदगी

सुरेश धाकडपुत्र श्री शंकरलाल धाकड़ ग्राम खिरी विकास खण्ड कैलारस जिला मुरैना का रहने वाला एक कृषक हूं। मेरे पास 2 हेक्टेयर सिंचित भूमि है है जिसपर मैं धान्य, दलहनी व तिलहनी फसलें उगाकर खेती करता था। एक दिन में कृषि विस्तार सुधार कार्यक्रम, आत्मा द्वारा प्रशिक्षण में शामिल हुआ तो मुझे कैलारस ब्लाक के बी.टी.एम श्री जयदीप भदौरिया द्वारा बताया गया किस भी कृषक अपनी खेती को संबंधित कृषि धंधे जैसे पशुपालन, मुर्गीपालन, मछलीपालन, मधुमक्खीपालन, उद्यानिकी फसलें आदि को अपने फार्मपर अपना कर अपने फार्म से फसलों के साथ-साथ अतिरिक्त आमदनी प्राप्त कर सकते हैं । इसके लिए आप खेती की नई-नई तकनीकियों के ज्ञान के लिए विकास खण्ड स्तर पर पदस्थ बी.टी.एम. व ए.टी.एम. से समय-समय पर सम्पर्क कर जानकारी ले सकते हैं, तब मैं कृषि विभाग के विशेषज्ञ श्री सीताराम करौरिया जी से मिला और मैंने खेती के साथ अपने फार्म पर दूसरा नया उद्योग, धंधा करके अधिक लाभक कमा सकूं तथा मेरे खेत का निरीक्षण कर मुझे खेती के साथ मछली पालन व उद्यानिकी फसलें उगाने की सलाह दी जिससे कि मुझे फार्म से वर्ष भर आय प्राप्त हो सके और मैंने उनके मार्ग दर्शन से अपने खेत पर तालाब बनाकर मछली पालन प्रारम्भ किया। आज मैं मछलियों में कतला व रोहूकिस्म की मछलियों का पालन करता हूं और उन्हें बाजार में बेचकर खेती के अलावा अतिरिक्तआय प्राप्त करता हूं तथा विशेषज्ञ द्वारा मैंने अपने फार्म पर किचन गार्डन के रूप में घरेलू आवश्यकतानुसार टमाटर, मिर्ची, धनिया एवं प्याज लगाकर बाजार पर निर्भर नही से मुझे अपने परिवार के लिए वर्ष भर सब्जियां मिलती रेहती हैं।विशेषज्ञ द्वारा बताई गई खेती की नई-रई तकनीनियों को मैंने अपनाकर मेरी भूमि व मेरे पास उपलब्ध संसाधनों का पूर्ण रूप से उपयोग किया है। और मेरी आर्थिक दशा भी पहले की अपेक्षा अच्छी है ।

शहीद दिवस पर आज़ादी के दीवानों को सौ सलाम

तलवारों पर सर रखें और अंगारों में तन जलाए उन शहीदों ने देश की ख़ातिर फ़ना खुद को करवाया तब जाकर आज हमने ये आज़ाद गगन को पाया है। ऐसे वतनपरस्ती की मिसाल आज़ादी के आसमान के चमकते तीन सितारें अमर शहीद भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव को सौ सलाम।

(भावना ठाकर, बेंगलूरु)

उनके बेखौफ़ और वीरता सभर चरित्रों को हम बस याद ही कर सकते है कि ऐसे मानव भी इस दुनिया में हुए हैं, जिनके कार्य, आचार-विचार और कुर्बानी किंवदंती हैं। भगतसिंह ने अपने अति संक्षिप्त जीवन में वैचारिक क्रांति की जो मशाल जलाई, उनके बाद अब किसीके बस की बात नहीं। बेशक हम चाहते है कि हर बेटा उनके जैसा बने पर वो हमारा नहीं किसी और का बनें कोई नहीं चाहता देश की ख़ातिर बेटों का बलिदान देना।

2 साल जेल प्रवास के दौरान भी भगतसिंह क्रांतिकारी गतिविधियों से भी जुड़े रहे और लेखन भी जारी रखा। फांसी पर जाने से पहले भी वह लेनिन की जीवनी पढ़ रहे थे। 23 मार्च 1931 को शाम 7.23 पर भगत सिंह, सुखदेव तथा राजगुरु को फांसी दे दी गई।

भगतसिंह और सुखदेव के परिवार लायलपुर में पास-पास ही रहने से इन दोनों वीरों में गहरी दोस्ती थी, साथ ही दोनों लाहौर नेशनल कॉलेज के छात्र थे। सांडर्स हत्याकांड में इन्होंने भगतसिंह तथा राजगुरु का साथ दिया था। पुलिस की पिटाई से लाला लाजपत राय की मौत का बदला लेने के लिए राजगुरु ने 19 दिसंबर,

1928 को भगत सिंह के साथ मिलकर लाहौर में अंग्रेज सहायक पुलिस अधीक्षक जेपी सांडर्स को गोली मार दी थी और खुद ही गिरफ्तार हो गए थे। कुछ इंसान मरते है पर उनके विचार नहीं। आज भी शहीद शब्द कानों में पड़ते ही ये तीन नाम गूँजने लगते है हमारे दिमाग की संदूक में। दुनिया की हर शैय का पतन हो जाता है लेकिन सुविचार हमेशा जीवित रहते हैं। शहीद दिन पर बहरे हो चुके लोगों को और आजकल की पीढ़ी जिनको आज़ादी के असली मायने मालूम ही नहीं उनको ऊंची आवाज में शहीदों की कुर्बानी के किस्से सुनाने जरूरी है। आज की पीढ़ी के लिए जानना जरूरी है कि राष्ट्र के प्रति हर नागरिक का फ़र्ज़ बनता है जिसे त्याग और समर्पण से निभाया जा सकता है। माँ धरती का कर्ज़ चुकाने कि ख़ातिर अपना फ़र्ज़ निभाते आज़ादी की चिंगारी ने भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव के तन बदन में ऐसी आग लगाई कि इन्कलाब की ज्वालाएँ और वतन परस्ती की तमन्ना को कफ़न बनाकर ओढ़ लिया और मौत को जश्न बना लिया।

भारतीय सेना ज्वाइंन करने वाले युवाओं के लिए बड़ा मौका

भारतीय सेना भर्ती रैली 2021 कक्षा 10वी, 12वी और ग्रेजुएट पास नौजवान अगर नौकरियों की तलाश में हैं और भारतीय सेना में शामिल होना चाहते हैं? यदि हाँ, तो आप उत्तर प्रदेश में होने वाली भारतीय सेना भर्ती रैली में भाग ले सकते हैं। इच्छुक उम्मीदवार जो भर्ती रैली के लिए उपस्थित होना चाहते हैं, उन्हें 26 अप्रैल, 2021 तक ऑनलाइन पंजीकरण करना होगा। अभ्यर्थी आगे की वेबसाइट joinindianarmy.nic.in पर भी लॉग इन कर सकते हैं। भारतीय सेना ने विभिन्न स्थानों के लिए भारतीय सेना रैली भर्ती 2021 में आवेदन करने के लिए उम्मीदवारों को आवेदन के लिए आमंत्रित किए हैं। संगठन इन रैलियों के माध्यम से जूनियर कमिश्नर ऑफिसर / ऑपरेशन रिसर्च पदों की भर्ती करेगा। जो उम्मीदवार पद के लिए आवेदन करना चाहते हैं, वे भारतीय सेना की आधिकारिक साइट joinindianarmy.nic.in पर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

जूनियर कमीशन अधिकारी (धार्मिक शिक्षक) की इस विशेष सूची में नियुक्ति के लिए न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से किसी भी विषय में स्नातक होगी। इसके अलावा, उम्मीदवार को वेबसाइट पर उपलब्ध व्यक्ति के धार्मिक संप्रदाय के अनुसार योग्यता का पालन करना होगा जिसमें कई प्रकार की छूट भी दी गयी है। शैक्षिक योग्यता के साथ-साथ एक उम्मीदवार को चिकित्सा मानदंडों को पूरा करना होगा। चिकित्सा मानदंडों में मजबूत शारीरिक और अच्छे मानसिक स्वास्थ्य शामिल हैं। प्रत्येक कान के साथ सामान्य सुनवाई और दोनों आंखों में अच्छी दूरबीन दृष्टि, प्राकृतिक स्वस्थ गम और दांतों की पर्याप्त संख्या आदि इसमें शामिल है। उम्मीदवारों के शरीर के सभी हिस्से मानदंडों के अनुसार होने चाहिए। रैली भर्ती के लिए जिन दस्तावेजों की आवश्यकता होगी, वे हैं- शैक्षिक प्रमाण पत्र / मार्कशीट, फोटोग्राफ के साथ निवास प्रमाण पत्र, जाति प्रमाण पत्र, धर्म प्रमाण पत्र, स्कूल चरित्र प्रमाण पत्र, अविवाहित प्रमाण पत्र, संबंध प्रमाण पत्र, एनसीसी प्रमाण पत्र और खेल प्रमाण पत्र।

जांबाज वन अधिकारी बनें और करें देश सेवा

आईएएस यानी, इंडियन एडमिनिस्ट्रेटिव सर्विसेज और आईपीएस यानी, इंडियन पुलिस सर्विसेज बहुधा प्रयोग में लाई जाती हैं और लोग इसके बारे में काफी कुछ जानते हैं, जबकि आईएफएस के बारे में कम लोग ही जानते हैं। आईएफएस, यानी इंडियन फॉरेस्ट सर्विसेज। जिस प्रकार से आईएएस और आईपीएस नामक भारतीय सेवाएं होती हैं, ठीक उसी प्रकार आईएफएस भी इसी रैंक की सेवा होती है। हालांकि आईएएस यानी, इंडियन एडमिनिस्ट्रेटिव सर्विसेज और आईपीएस यानी, इंडियन पुलिस सर्विसेज बहुधा प्रयोग में लाई जाती हैं और लोग इसके बारे में काफी कुछ जानते हैं, जबकि आईएफएस के बारे में कम लोग ही जानते हैं। अगर आप भी आईपीएस अधिकारी बनना चाहते हैं तो उसके कार्यों को आप अवश्य समझ लें। इनका मुख्य कार्य वनों की सुरक्षा करना होता है। जिस प्रकार से वनों में अवैध वृक्षों की कटाई की जाती है और वनों में तमाम प्राणियों को अवैध रूप से मार डाला जाता है, और उसकी तस्करी की जाती है, उसकी सुरक्षा के लिए वन सेवा अधिकारी नियुक्त होते हैं। जिस प्रकार आईएएस, आईपीएस के लिए यूपीएससी यानी यूनियन पब्लिक सर्विस कमीशन एग्जाम आयोजित करता है, आईएफएस के लिए भी आपको ऐसा ही एग्जाम देना पड़ता है। इसके लिए आपको मैथ, फिजिक्स, केमिस्ट्री या फिर जीव विज्ञान, पशु चिकित्सा विज्ञान और पशुपालन अथवा इंजीनियरिंग इत्यादि किसी एक स्ट्रीम से ग्रेजुएशन होना आवश्यक है। अगर इसके लिए एज की बात करें तो 21 साल से लेकर 32 साल के बीच में आप अप्लाई कर सकते हैं। वहीं अनुसूचित जाति और जनजातियों के लिए इंडियन गवर्नमेंट द्वारा उम्र में संबंधित छूट दी जाती है। आप आईएफएस के एग्जाम को आसान ना समझें, बल्कि यह भी आईएएस और आईपीएस की तरह ही कठिन एग्जाम होता है। इसके लिए भी आपको पहले प्री, यानी प्रारंभिक परीक्षा देनी पड़ती है, फिर मेंस, अर्थात मुख्य परीक्षा होती है और तत्पश्चात इंटरव्यू देने के बाद आप इसके लिए सिलेक्ट होते हैं।

एमबीए की पढ़ाई की है तो ऐसे मिल सकता है मोटा वेतन

एमबीए का मतलब प्रबंधन से जुड़ा हुआ है, तो प्रबंधन आप तभी करेंगे जब लोगों के बीच में रहेंगे। लोगों के बीच में रहने का मतलब नेटवर्किंग से भी जुड़ा होता है और ऐसी स्थिति में पार्टी- गैदरिंग इत्यादि में आपकी मौजूदगी जरूरी है। कॅरियर की चाहे जितनी भी संभावनाएं सामने आ जाएँ, ट्रेडिशनल कोर्सेज का अपना स्वैग है। आप इतना जान लीजिए कि एमबीए स्टूडेंट की डिमांड आज भी काफी ज्यादा है, और तमाम कंपनियां प्रबंधन में अलग-अलग बैकग्राउंड के एमबीए लड़कों को लेना प्रीफर करती हैं, क्योंकि कार्य करने वाले तमाम लोग तो किसी भी जगह पर उपस्थित होते हैं, पर बेहतरीन ढंग से प्रबंधन करना और कार्य कराना हर कंपनी की प्राथमिकता में सबसे ऊपर होता है।इसीलिए एमबीए करने वाले लड़कों को अच्छी खासी सैलरी भी मिलती है। हालांकि अगर आप अपने कॅरियर से लापरवाही बरतते हैं, इंटरव्यू को लेकर लापरवाही बरतते हैं, तो आप सैलरी के मामले में पिछड़ सकते हैं। आइए जानते हैं कि एमबीए करते समय और उसके पहले क्या सावधानियां आपको अच्छा खासा वेतन दिला सकती हैं।

विषय का रखें ध्यान –जी हां! 12वीं के तत्काल बाद आपको विषयों के चुनाव में सावधानी बरतना चाहिए। अगर आप बाद में एमबीए करना चाहते हैं, तो ग्रेजुएशन में ही उन विषयों को चुनकर रखना चाहिए, जो बाद में एमबीए करने में आपकी मदद करें। साथ ही इंग्लिश पर विशेष ध्यान दें, क्योंकि मल्टीनेशनल कंपनियां इंग्लिश को अच्छा खासा प्रेफरेंस देती हैं, तो शुरु से ही अगर आप इसकी तैयारी करते हैं, तो बाद के दिनों में आप इसमें महारत हासिल कर सकते हैं। शेयर मार्केट की उठापटक, मार्केट ट्रेस करना, कंपनी को रिस्ट्रक्चर किस तरह से किया जाता है, कंपनी के संभालने- रजिस्ट्रेशन इत्यादि से संबंधित कानून इत्यादि बिजनेस वर्ल्ड की तमाम बातों को आप अनदेखा ना करें, बल्कि उन पर केस स्टडी करें। ऑनलाइन तमाम मैटेरियल अवेलेबल हैं, किंतु आप अपने दूसरे फ्रेंड्स, कलीग्स इत्यादि से भी इन विषयों पर गहराई से बात कर सकते हैं।

लैपटॉप रिपेयरिंग सीखकर बनाएं अपना उज्ज्वल भविष्य

लैपटॉप रिपेयरिंग सीखकर बनाएं अपना उज्ज्वल भविष्य लैपटॉप रिपेयरिंग के क्षेत्र में कॅरियर देख रहे छात्रों के लिए किसी विशेष शैक्षणिक योग्यता का होना जरूरी है। आप किसी भी स्ट्रीम से दसवीं व बारहवीं के बाद लैपटॉप रिपेयरिंग का कोर्स कर सकते हैं। आप इस क्षेत्र में शार्ट टर्म कोर्स से लेकर सर्टिफिकेट व डिप्लोमा कोर्स कर सकते हैं।इस बात में कोई शक नहीं नहीं है कि लैपटॉप आज के समय में हमारे दैनिक जीवन की एक आवश्यकता बन गया है। ऑनलाइन शॉपिंग से लेकर बैंकिंग व ऑफिस के काम आदि निपटाने के लिए हर व्यक्ति लैपटॉप को प्राथमिकता देता है। कुछ समय पहले तक जहां डेस्कटॉप का इस्तेमाल किया जाता था, लेकिन अब इनसे ज्यादा लैपटॉप को तवज्जो मिलने लगी है, क्योंकि इन्हें इस्तेमाल करना अपेक्षाकृत अधिक सुविधाजनक है। ऐसे में लैपटॉप रिपेयरिंग के क्षेत्र में भी कॅरियर की नई संभावनाएं पैदा हुई है। तो चलिए जानते हैं कैसे बनाएं लैपटॉप रिपेयरिंग के क्षेत्र में कॅरियर-

स्किल्स

कॅरियर एक्सपर्ट के अनुसार, लैपटॉप रिपेयरिंग के क्षेत्र में कॅरियर देख रहे छात्रों के भीतर सीखने की गहन इच्छा होनी चाहिए। इसके अलावा आपको लैपटॉप हार्डवेयर की भी अगर थोड़ी-बहुत जानकारी होगी तो यह आपके लिए अच्छा होगा। इस क्षेत्र में छात्रों में मार्केट में लॉन्च हो रहे नए लैपटॉप व उनकी क्वालिटीज के बारे पता होना चाहिए। टेक्नोलॉजी के अपडेट होने के साथ-साथ अगर

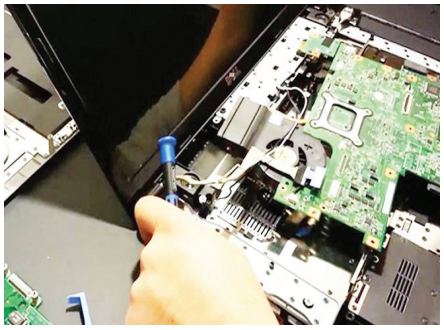

आप भी खुद को अपग्रेड रखते हैं तो इससे आपको अतिरिक्त लाभ होगा।

कोर्स

लैपटॉप रिपेयरिंग के क्षेत्र में कॅरियर देख रहे छात्रों के लिए किसी विशेष शैक्षणिक योग्यता का होना जरूरी है। आप किसी भी स्ट्रीम से दसवीं व बारहवीं के बाद लैपटॉप रिपेयरिंग का कोर्स कर सकते हैं। आप इस क्षेत्र में शार्ट टर्म कोर्स से लेकर सर्टिफिकेट व डिप्लोमा कोर्स कर सकते हैं। इनकी अवधि तीन से छह माह तक हो सकती हैं।

संभावनाएं

कॅरियर एक्सपर्ट बताते हैं कि लैपटॉप रिपेयरिंग कोर्स करने के बाद आपके पास काम की कोई कमी नहीं होती। दरअसल, आज के समय में लैपटॉप हर व्यक्ति की जरूरत बन गया है और इसलिए उसकी रिपेयरिंग के लिए एक्सपर्ट की डिमांड भी बढ़ी है। कोर्स करने के बाद आप लैपटॉप व कंप्यूटर रिपेयर शॉप्स, लैपटॉप सेल्स सेंटर, लैपटॉप शोरूम, लैपटॉप सर्विस सेंटर आदि में काम कर सकते हैं। इसके अलावा कुछ समय के अनुभव के बाद आप खुद की लैपटॉप रिपेयरिंग शॉप भी खोल सकते हैं।

आमदनी

इस क्षेत्र में आमदनी मुख्यतः आपके अनुभव और स्किल्स के आधार पर तय होती है। कोर्स करने के बाद आप शुरूआती दौर में 15000 से 20000 रूपए महीना सैलरी प्राप्त कर सकते हैं। कुछ समय के अनुभव के बाद आपकी सैलरी में इजाफा होता है। इतना ही नहीं, अगर आप खुद की लैपटॉप रिपेयरिंग शॉप खोलते हैं तो आपकी मासिक आमदनी हजारों से लेकर लाखों में हो सकती है।

जीएसटी के एक्सपर्ट बनना चाहते हैं, तो करें यह कोर्सेज

बिगनर कोर्स को आप डिप्लोमा भी समझ सकते हैं, जिसके लिए आपको 12वीं पास करना आवश्यक होता है। इसमें आपको 24 से 48 घंटे तक की क्लास रूम ट्रेनिंग दी जाती है और तमाम जीएसटी के बेसिक्स की जानकारी आपको दी जाती है। सामान्य तौर पर यह कोर्स ?5000 तक आपको मार्केट में उपलब्ध हो जाता है। भारतवर्ष में टैक्स सुधार की दिशा में जीएसटी एक बड़ा कदम माना गया। गुड्स एंड सर्विसेज टैक्स, यानी वस्तु एवं सेवा कर, अपने आप में एक बड़ा क्रांतिकारी कदम था और पूरे देश में एक समान टैक्स की व्यवस्था करने में इसकी भूमिका से इनकार नहीं किया जा सकता है। इसके पहले कई तरह के टैक्सेज थे, जो अलग-अलग जगहों पर लगते थे और उसकी वजह से लालफीताशाही भी खूब फलती फूलती थी। साथ ही जीएसटी आने के बाद अब ऐसे प्रोफेशनल्स की भी भारी डिमांड हो चुकी है, जो इन कोर्सेज में विशेषज्ञ हों, जो समझ सकें और समझा सकें कि कस्टमर के लिए क्या बेहतर है और क्या लाभकारी नहीं है, खासकर टैक्स के मामले में! 29 मार्च 2017 को यह एक्ट हमारी पार्लियामेंट से पास हुआ, तो 1 जुलाई 2017 से यह पूरे देश में लागू कर दिया गया। छोटे व्यापारियों के लिए यह काफी बेहतर माना गया, क्योंकि तमाम सरकारी फॉर्मेलिटी और परमिशन लेने के प्रोसेसेस इसमें काफी कम किए गए हैं।

साथ ही लॉजिस्टिक भी इससे आसान ही हुआ है, तो असंगठित क्षेत्र भी रेगुलेट होने की दिशा में मजबूती से बढ़ चला है। ऐसे में क्या आप भी इस फील्ड के एक्सपर्ट बनना चाहते हैं?जीएसटी ट्रांजैक्शंस का रजिस्ट्रेशन इसमें सबसे पहले आता है। जी हां! इस कार्य में अगर 20 लाख से अधिक आपका टर्नओवर है तो आप एक टैक्सेबल सिटीजन के तौर पर जीएसटी रजिस्ट्रेशन कराने के योग्य हो जाते हैं। ध्यान रहे, अगर इस लिमिट पर आप नहीं कराते हैं, तो फिर आप पर पेनाल्टी लग सकती है।इसके बाद जीएसटी रिटर्न की बात आती है। इसमें अलग-अलग फॉर्म होते हैं, जिसमें सेल, परचेज और दूसरे टैक्स इत्यादि की डिटेल भरनी होती है। इसके बाद तीसरा जो काम आता है वह जीएसटी एकाउंटिंग का काम होता है। इसमें बारीकी से कैलकुलेशन को चेक किया जाता है और विभिन्न बिजनेस और आपकी संस्था की विशेष जरूरतों को पूरा करने की प्रक्रिया करनी होती है। इसके बाद चौथे नंबर पर जीएसटी रिकॉर्ड की बात आती है। ज़ाहिर तौर पर यहां रिकॉर्ड मेंटेन किया जाता है। इसे ड्राफ्ट रिकॉर्ड्स रूल्स भी कहते हैं, जिसमें एडिशनल जीएसटी अकाउंटिंग और रिकॉर्ड कीपिंग रिक्वायरमेंट शामिल किया जाता है। जाहिर तौर पर यह सारी चीजें अगर आप सीख लेते हैं तो आपको मार्केट में अच्छी खासी अपॉर्चुनिटी मिलने की संभावना प्रबल हो जाती है। पर प्रश्न उठता है कि कौन से कोर्सेज इसके लिए बेहतर है? बिगनर कोर्स को आप डिप्लोमा भी समझ सकते हैं, जिसके लिए आपको 12वीं पास करना आवश्यक होता है। इसमें आपको 24 से 48 घंटे तक की क्लास रूम ट्रेनिंग दी जाती है और तमाम जीएसटी के बेसिक्स की जानकारी आपको दी जाती है।

बालिका समृद्धि योजनाः बालिकाओं की सहायता के लिए एक पहल

बालिका समृद्धि योजना बालिकाओं के जन्म और उनकी शिक्षा के समर्थन के लिए भारत सरकार की एक महत्वपूर्ण पहल है। यह योजना वर्ष 1997 में 15 अगस्त 1997 को या उसके बाद पैदा हुई बालिकाओं को वित्तीय सहायता देने के उद्देश्य से शुरू की गई थी। बालिका समृद्धि योजना के मुख्य उद्देश्यों में शामिल हैं- स्कूलों में बालिकाओं के नामांकन के साथ-साथ उनकी देखभाल में सुधार, बालिका के जन्म के प्रति परिवार और समुदाय का नकारात्मक रवैया बदलना, लड़कियों को उनकी शादी की कानूनी उम्र तक सहयोग, लड़कियों को उपक्रमों में मदद करना, जो आय उत्पन्न कर सकता है

मुख्य पात्रता-बालिका समृद्धि योजना केवल बालिकाओं के लिए ही लागू है। इसके अलावा कुछ महत्वपूर्ण पात्रता शर्तें हैं जो उम्मीदवार को इस योजना के तहत लाभ उठाने के लिए पूरी करनी चाहिए। इन शर्तों में शामिल हैं।

नवजात शिशु की माताओं को जन्म के बाद का अनुदान दिया जाता है-बालिका गरीबी रेखा से नीचे के परिवार से होनी चाहिए-यह योजना शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों में लागू की गई है- लड़की का जन्म 15 अगस्त 1997 को या उसके बाद होना चाहिए- एक परिवार में केवल दो बालिकाएं इस योजना के तहत लाभ प्राप्त कर सकती हैं, भले ही उस घर में बहुत सारे बच्चे हों।

आवेदन प्रक्रिया:बालिका समृद्धि योजना का कार्यान्वयन ग्रामीण क्षेत्रों में एकीकृत बाल विकास सेवा और शहरी क्षेत्रों में स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी करते हैं। पात्रता शर्तों को पूरा करने वाले उम्मीदवार नीचे दिए गए चरणों को अपनाकर योजना के लिए ऑफ़लाइन

आवेदन कर सकते हैं।

चरण 1- आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं (ग्रामीण क्षेत्रों में) या स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं (शहरी क्षेत्रों में) से आवेदन पत्र प्राप्त कर सकते हैं। या उम्मीदवार आधिकारिक वेबसाइट से ऑनलाइन आवेदन पत्र डाउनलोड कर सकते हैं। शहरी क्षेत्रों और ग्रामीण क्षेत्रों के लिए अलग-अलग आवेदन पत्र उपलब्ध होते हैं।

चरण 2-फॉर्म में सभी आवश्यक विवरण भरें।

चरण 3- भरे हुए आवेदन पत्र को संबंधित अधिकारियों को भेजें जहां से आवेदन पत्र प्राप्त होते हैं।

नियम और शर्तें-इस योजना के तहत लाभ प्राप्त करने वाले उम्मीदवारों को निम्नलिखित शर्तों का पालन करना होता है वित्तीय सहायता की राशि सीधे लाभार्थी के खाते में जमा की जाती है। लाभार्थी का मतलब वह लड़की है जिसके नाम पर खाता खुला हुआ है।गौरतलब है कि इस राशि पर अधिकतम संभव ब्याज मिलता है। इसलिए उम्मीदवारों को सलाह दी जाती है कि उन्हें पब्लिक प्रोविडेंट फण्ड या राष्ट्रीय बचत प्रमाणपत्र जैसी योजनाओं में इसका निवेश करें। उम्मीदवार लड़की के नाम पर भाग्यश्री बालिका कल्याण बीमा योजना के तहत बीमा पॉलिसी के प्रीमियम का भुगतान करने के लिए अनुदान या छात्रवृत्ति राशि का एक हिस्सा उपयोग कर सकते हैं।उम्मीदवार पाठ्यपुस्तक या लड़की के लिए वर्दी खरीदने के लिए छात्रवृत्ति राशि का उपयोग कर सकते हैं।नगर पालिका या ग्राम पंचायत द्वारा जारी प्रमाण पत्र, जिसमें प्रमाणित किया गया हो कि लड़की अविवाहित है, उसके 18 वर्ष की आयु पूरी करने के बाद स्थायी राशि वापस लेने का भी प्रावधान है।यदि लड़की की शादी 18 वर्ष से पहले हो जाती है तो उसे छात्रवृत्ति राशि और उस पर अर्जित ब्याज को छोड़ना होगा और वह केवल जन्म के बाद का अनुदान और उस पर मिलने वाले ब्याज को ही पाने की हकदार होगी। 18 वर्ष की आयु पूरी करने से पहले लड़की की मृत्यु की स्थिति में उसके खाते में उपलब्ध कुल जमा राशि को निकाला जा सकता है।

भारत सरकार की खास योजना है स्टैंड अप इंडिया

भारत सरकार की खास योजना है स्टैंड अप इंडिया 10 लाख से एक करोड़ के बीच में कार्यशील पूंजी और सावधि ऋण के तहत आप अपना कारोबार इस योजना के तहत शुरू कर सकते हैं। ब्याज दर इसमें बेहद कम रखी गई है जो 3त्न से अधिक नहीं है। जाहिर तौर पर यह बिजनेस लोन के सबसे कम ब्याज दरों में से एक है।मोदी सरकार ने सार्वजनिक जीवन के तमाम क्षेत्रों में विभिन्न योजनाओं को लांच किया है, तो बिजनेस के क्षेत्र में भी एक से बढ़कर यह योजनाएं लांच की है। साथ ही उसका ग्राउंड पर इंप्लीमेंटेशन भी सुनिश्चित किया है। इसी कड़ी में एक स्टैंड अप इंडिया योजना भी है और इसको लेकर नव उद्यमियों में खासा उत्साह देखा गया है, खासकर समाज के वंचित तबके में।

यहाँ यह समझना महत्वपूर्ण है कि स्टैंड अप इंडिया किसी बिजनेस को खड़ा करने में अच्छा खासा सहायक सिद्ध हुआ है। इसके जरिए किसी भी बैंक की शाखा द्वारा कम से कम एक एससी / एसटी उधार कर्ता और एक महिला उधार कर्ता को 1000000 रुपए से एक करोड़ के बीच में लोन प्रदान करने का लक्ष्य रखा गया। इसमें यह बताया गया कि यह बिजनेस इंफ्रास्ट्रक्चर सर्विस या दूसरे ट्रेडिंग इत्यादि से संबंधित हो सकते हैं। हालांकि इसमें 51त्न शेयर होल्डिंग अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति या फिर महिला उद्यमी के पास होने की बात कही गई। समाज के वंचित वर्ग को ऊपर उठाने के लिए इस तरह की योजना का हर जगह स्वागत हुआ और इसके पीछे पर्याप्त कारण भी मौजूद हैं।

अगर किसी व्यक्ति को इसका लाभ लेना है तो आज भी यह वैलिड है और इसके तहत आपकी उम्र 18 साल से अधिक होनी चाहिए, तो ग्रीन फील्ड परियोजनाओं के अंतर्गत आपका बिजनेस आना चाहिए। साथ ही इसके जरिए आप पहली बार उद्यम लगाने के कार्य में लगे होने चाहिए, मगर यह जान लें कि अगर पहले से आप किसी बैंक के लोन डिफाल्टर हैं, तब आपको इस योजना का लाभ नहीं मिलेगा।10 लाख से एक करोड़ के बीच में कार्यशील पूंजी और सावधि ऋण के तहत आप अपना कारोबार इस योजना के तहत शुरू कर सकते हैं। ब्याज दर इसमें बेहद कम रखी गई है जो 3त्न से अधिक नहीं है। जाहिर तौर पर यह बिजनेस लोन के सबसे कम ब्याज दरों में से एक है। इसके जरिए आप 18 माह की ऋण स्थगन की अवधि के साथ 7 वर्षों में इस कर्ज को वापस कर सकते हैं। खास बात यह है कि इस योजना में 25त्न मार्जिन राशि का भी प्रावधान किया गया है, जो केंद्रीय और राज्य योजनाओं के रूपांतरण से उपलब्ध कराया जा सकता है।समाज में उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए मोदी सरकार कटिबद्ध नजर आयी है और उसी के तहत स्टैंड अप इंडिया नामक प्रोग्राम लांच हुआ, जो सिड्यूल कास्ट और शेड्यूल्ड ट्राइब के साथ वीमेन इंटरप्रेन्योर को भी बढ़ावा देता है। हालाँकि इसमें दस परसेंट (10त्न) पैसे आपको स्वयं भी लगाने पड़ते हैं। है ना काफी आकर्षक योजना, जिससे समाज के वंचित तबके के लोग बेहतर लाभ उठा सकते हैं, तो महिलाओं को भी आगे बढ़ने का इसमें समान अवसर दिया गया है। बिल्कुल अपने नाम को सार्थक करता हुआ- स्टैंड अप इंडिया!

कोरोना से बचाव के लिए अधिकारियों ने आमजन को किया जागरूक

ग्वालियर में कोरोना से बचाव हेतु वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी एवं आमजनों ने मास्क लगाकर एवं सोशल डिस्टेंसिंग के साथ मानव श्रृंखला बनाई। अवसर प्रशासनिक अधिकारियों ने महाराज बाड़े पर बिना मास्क के घूम रहे लोगों को मास्क वितरित किये। साथ ही उन्हें समझाया कि कोरोना से बचाव के लिए मास्क लगाना नितांत जरूरी है। महाराज बाड़े की दुकानों के सामने अधिकारियों द्वारा गोल घेरे भी बनवाये गए।

कोविड-19 से बचाव : अधिकारी जागरूकता के लिये मैदान में

संभागीय आयुक्त आशीष सक्सेना ने ग्वालियर शहर में कोविड.19 से बचाव के लिये चलाए जा रहे जन जागरूकता अभियान में संभागीय अधिकारियों को भी आबकारीए संयुक्त आयुक्त आदिम जाति कल्याणए संयुक्त संचालम मत्स्यए संयुक्त संचालक मंडीए जिला आपूर्ति एवं नियंत्रकए संयुक्त संचालक सहकारिता तथा संयुक्त संचालक पशु चिकित्सा विभाग को उपस्थित रहकर जागृति का कार्य करने तथा निरूशुल्क मास्क वितरण करने को कहा गया है। वहीं दूसरी ओर ग्वालियर प्रदेश के ऊर्जा विभाग के प्रमुख सचिव संजय दुबे ने सोमवार को ग्वालियर के सुपर स्पेशिलिटी अस्पताल, डिस्पेंसरी, कंटेनमेंट जोन के साथ ही हजीरा अस्पताल का भी निरीक्षण किया। उन्होंने निर्देश दिए हैं कि कोविड गाइडलाइन का पालन अच्छे से हो, यह सुनिश्चित किया जाए।

ग्वालियर में कोरोना के बढ़ते मामलों के बाद बाजारों में नियमों का पालन कराने पुलिस अधीक्षक अमित सांघी पुलिस अधिकरियों के साथ सड़कों पर उतरकर लोगों को कर रहे हैं जागरूक

प्रतिदिन प्रातरू 11 बजे एवं शाम 7 बजे शहर के प्रमुख स्थानों पर जन जागृति के लिये उपस्थित रहने हेतु निर्देशित किया है। शहरी क्षेत्र में अनुविभागीय अधिकारी राजस्व के नेतृत्व में उनके अनुभाग क्षेत्र में जन जागृति अभियान चलाया जायेगा। अनुविभागीय अधिकारी झाँसी रोड़ प्रदीप तोमर के साथ संयुक्त संचालक स्कूल शिक्षाए उपायुक्त

विशेष जागरूकता अभियान

वैश्विक महामारी कोरोना को हराने के लिए ग्वालियर जिले में भी विशेष जागरूकता अभियान शुरू हुआ। प्रशासनिक अधिकारी एवं आमजनों ने मास्क लगाकर एवं सोशल डिस्टेंसिंग के साथ मानव श्रृंखला बनाई। महाराज बाड़ा पर आयोजित हुए जन जागरण कार्यक्रम में संभाग आयुक्त आशीष सक्सेना, पुलिस महानिरीक्षक अविनाश शर्मा, कलेक्टर कौशलेन्द्र विक्रम सिंह, नगर निगम आयुक्त शिवम वर्मा एवं सीईओ स्मार्ट सिटी श्रीमती जयति सिंह सहित अन्य अधिकारी एवं शहरवासी मौजूद थे। इस अवसर प्रशासनिक अधिकारियों ने महाराज बाड़े पर बिना मास्क के घूम रहे लोगों को मास्क वितरित किये।

वृक्षों से ही पर्यावरण का संतुलन होगा एवं धरती पर हरियाली आएगी

जीवनदायी वृक्ष का जीवन में महत्व

शैलेश सिंह कुशवाहा

वरिष्ठ पत्रकार एवं पर्यावरण भेद
सिटी सेंटर ग्वालियर मध्य प्रदेश

> अगर हमको इस प्रकार के विनाशकारी चक्र से बचना है तो हम सब लोग आज ठान लें कि हम अधिक से अधिक वृक्ष लगाएंगे और धरती पर हरियाली लाएंगे तभी हमारा लक्ष्य पूरा होगा और हम प्राकृतिक आपदा से बच पाएंगे इसी में हम सब की भलाई निहित है आओ हम सब वृक्ष लगाएं धरती को खुशहाल बनाएं।

जीवनदायी वृक्ष के महत्व को समझिए इनको अधिक से अधिक लगाएं । वृक्षों से ही पर्यावरण का संतुलन होगा एवं धरती पर हरियाली आएगी जिससे मानव जाति को जीवनदायी शुद्ध हवा प्राप्त होगी जो हमें ऑक्सीजन के रूप में जीवन के लिए सबसे महत्वपूर्ण घटक है इसके बिना हम पल भर भी जीवित नहीं रह पाएंगे हम इस बात से अंदाजा लगा सकते हैं की अगर थोड़ी सी देर के लिए हमारी नाक को बंद कर दिया जाए और शरीर को श्रद्धा हवा न मिले तो पल भर में ही हमारा जीवन मृत्यु में बदल जाएगा जिसके लिए शुद्ध हवा का होना परम आवश्यक है शुद्ध हवा में सिर्फ और सिर्फ वृक्षों से ही मिलती है अगर हमने अपने स्वार्थ के लिए वृक्षों को काटना जारी रखा तो आने वाले समय में हवा की कमी हर जगह देखी जाएगी जो संपूर्ण जगत के लिए खतरे की घंटी है अगर हम सब लोग समय रहते हैं इस ओर ध्यान नहीं दिया तो आने वाला समय कितना कष्ट दाई होगा इसका अंदाजा नहीं लगाया जा सकता है अब हम बात करें धरती पर अनाज उगने के लिए पेड़ पौधों का होना बहुत जरूरी है पेड़ पौधे होंगे तो धरती पर हरियाली आएगी उससे धरती पर बरसात होगी और जब बरसात होगी तभी धरती पर अन्न उपजेगा तभी हम मनुष्यों के भूख मिटेगी अगर अन्य नहीं उपजा तो भी जीवन संभव नहीं है धरती पर प्राकृतिक वर्षा के लिए वृक्षों का अधिक से अधिक होना परम आवश्यक है।। यदि हम देखें तो पता चलता है कि आज संपूर्ण विश्व में एक विकराल समस्या रूप धारण करती जा रही है जिसे हम ग्लोबल वार्मिंग के नाम से जानते हैं आज वृक्षों के कटने के कारण धरती के तापमान में साल दर साल वृद्धि

होती जा रही है जो समस्त ब्रह्मांड के लिए चिंता का विषय है संपूर्ण विश्व जगत के वैज्ञानिक गण एवं समाजसेवी इस बात से चिंतित हैं कि अगर धरती के तापमान में इसी प्रकार सतत निरंतर वृद्धि होती रही तो यह संपूर्ण विश्व के तापमान में गरमाहट पैदा करके धरती के प्राकृतिक संतुलन को बिगाड़ देगी इससे हमारे ग्लेशियर पिघलेंगे जो समुद्र में पानी को और तीव्र गति से बढ़ा सकते हैं जिससे समुद्र का जल स्तर बहुत तेज गति से बढ़ेगा इसका दुष्परिणाम यह होगा कि समुद्र के किनारे बसे हुए महानगर जलमग्न हो जाएंगे जिससे संपूर्ण मानव जाति को एक नए संघर्ष से जूझना पड़ेगा जो भविष्य के लिए एक विकराल खतरा बन जाएगा इसलिए अभी से सजग हो जाइए इसके साथ साथ यदि हम जलवायु परिवर्तन की बात करें तो इसके लिए भी जो मूल कारण देखा जा रहा है वह है वृक्षों की अंधाधुंध कटाई अगर हमने इस ध्यान नहीं दिया तो जलवायु परिवर्तन के विकराल रूप का सामना भी मनुष्य जाति को एवं जीव जगत को करना पड़ेगा आज हम देखते हैं कि चाहे जब मौसम में परिवर्तन देखा जा सकता है सर्दी में तेज जलन देखी जा सकती है एवं गर्मी में बेमौसम बारिश और ओलों की बरसात देखने को मिल जाती है इस विषय से विश्व के वैज्ञानिक गण भी अपनी चिंता जता चुके हैं लेकिन हम मनुष्य हैं जो अपने नेट स्वार्थ के चलते प्रकृति से खिलवाड़ कर रहे हैं एवं वृक्षों को काट काट कर प्रकृति के चक्र को नष्ट करते जा रहे हैं इसका सीधे-सीधे असर हम सब मनुष्य एवं जीव जगत पर पड़ेगा और आने वाले समय में प्राकृतिक विभीषिका से गुजारना पड़ेगा जो संपूर्ण जगत के लिए चिंता का कारण बनेगा अगर हमको इस प्रकार के विनाशकारी चक्र से बचना है तो हम सब लोग आज ठान लें कि हम अधिक से अधिक वृक्ष लगाएंगे और धरती पर हरियाली लाएंगे तभी हमारा लक्ष्य पूरा होगा और हम प्राकृतिक आपदा से बच पाएंगे इसी में हम सब की भलाई निहित है आओ हम सब वृक्ष लगाएं धरती को खुशहाल बनाएं।

जनेश्वर मिश्र सभागार में अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर आयोजित हुआ कार्यक्रम

नारी लक्ष्मी का स्वरूप है

● एस. के. माथुर, पुष्पांजली टुडे ब्यूरो, मथुरा, एटा

अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर जिला पंचायत स्थित जनेश्वर मिश्र सभागार में एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। भाजपा जिलाध्यक्ष संदीप जैन, मारहरा विधायक वीरेन्द्र सिंह लोधी, जिलाधिकारी डा0 विभा चहल, एसएसपी सुनील कुमार सिंह ने कार्यक्रम का विधिवित मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण, दीप प्रज्वलित कर शुभारंभ किया। अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर शासन के निर्देशों के अनुपालन में जनपद के समस्त विद्यालयों में भी कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। जिलाधिकारी डा0 विभा चहल ने कहा कि महिलाओं द्वारा अपने घर के साथ-साथ अन्य स्थानों पर भी कार्य करते हुए विशेष योगदान किया जाता है। आशा, एएनएम, आंगनवाड़ी कार्यकत्री सहित अन्य महिला कर्मचारियों द्वारा अपने घर पर कार्य करने के उपरान्त ग्रामीण क्षेत्र में अपनी सेवाएं दी जाती हैं, जो कि काफी सराहनीय कार्य है। एसएसपी सुनील कुमार सिंह ने महिला दिवस के अवसर पर मौजूद मातृ शक्ति को बधाई देते हुए कहा कि बालिकाओं, महिलाओं की सुरक्षा को दृष्टिगत रखते हुए सरकार द्वारा विभिन्न प्रकार के हेल्पलाईन नम्बर जारी किए गए हैं। जरूरत पड़ने पर या असुरक्षा महसूस करने पर महिलाओं, बालिकाओं द्वारा इन नम्बर का प्रयोग किया जाए। थाना स्तर पर महिला हेल्पडेस्क का भी शासन के निर्देशानुसार संचालन किया जा रहा है। भाजपा जिलाध्यक्ष संदीप जैन, मारहरा विधायक वीरेन्द्र सिंह लोधी, कॉपरेटिव चैयरमैन भूपेन्द्र सिंह ने भी अन्तर्राष्टीय महिला दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए महिला दिवस की बधाई दी। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार द्वारा मुख्यमंत्री जी के नेतृत्व में महिलाओं को पूर्ण सुरक्षा दी जा रही है। महिलाओं को सरकार में सम्मान भी मिल रहा है, तो वहीं महिलाओं को स्वयं सहायता समूह से जोड़कर आत्म निर्भर भी बनाया जा रहा है मुख्य विकास अधिकारी अजय प्रकाश ने कहा कि नारी लक्ष्मी का स्वरूप हैं, अतः हमें लड़का एवं लड़की में कोई भेदभाव नहीं करना चाहिए और ना ही एक दूसरे कमतर आंकना चाहिए। महिला एवं पुरूषों को बराबर समझा जाएं, एक दूसरे का सम्मान होना चाहिए। इस दौरान विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाली महिलाओं, बालिकाओं को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित भी किया गया। कार्यक्रम के अंत में डीएम द्वारा मौजूद अतिथियों, अधिकारियों, मातृ शक्ति को शपथ भी दिलाई गई। इस दौरान विभिन्न छात्राओं, शिक्षिकाओं, महिलाओं, बालिकाओं द्वारा कार्यक्रमों की प्रस्तुती दी गई। इस अवसर पर एडीएम प्रशासन विवेक कुमार मिश्र, डीडीओ एसएन सिंह कुशवाह, पीडीडीआरडीए निर्मल कुमार द्विवेदी, एआरटीओ हेमचन्द गौतम, प्राचार्य डायट जितेन्द्र सिंह, डीआईओएस मिथलेश कुमार, बीएसए संजय सिंह, डीपीआरओ आलोक कुमार प्रियदर्शी, डीसी मनरेगा प्रतिमा निमेश, डीएसटीओ रेखा शर्मा, समाज कल्याण अधिकारी रश्मी यादव आदि समस्त अधिकारीगण, जनप्रतिनिधि, भारी संख्या में महिलाएं, बालिकाएं, शिक्षिकाएं, आंगनवाड़ी कार्यकत्रियां आदि मौजूद रहे।

एसएसपी एटा ने कर्मियों को वितरित किए प्रशस्ति पत्र

● एस. के. माथुर, पुष्पांजली टुडे ब्यूरो, मथुरा, एटा

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जनपद एटा श्री सुनील कुमार सिंह के निर्देशन तथा अपर पुलिस अधीक्षक अपराध एटा श्री राहुल कुमार के पर्यवेक्षण में जनपद में दिनांक 22.02.2021 से शुरू हुए आपात सेवा 112 के 09 दिवसीय रिफ्रेशर कोर्स कार्यक्रम को एमडीएसएल के प्रशिक्षकों एवं टीओटी प्राप्त पुलिस प्रशिक्षकों द्वारा पूर्ण कराया गया, जिसमें तकनीकी प्रशिक्षण, महिला संबंधी मुद्दे, आपदा संबंधी मुद्दे, बौद्धिक अशक्त बच्चे संबंधी मुद्दे, प्राथमिक उपचार, बल प्रयोग के सिद्धांत, ड्डह्वस्र्न4 श्चड्डद्बह्व, वन मैन टेक डाउन, लाक होल्ड एंड रिलीज आदि के संबंध में विस्तृत जानकारी दी गई। विभिन्न थानों एवं पुलिस लाइन में तैनात 29 पुलिसकर्मियों का 09 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम दिनांक 22.02.2021 से दिनांक 04.03.2021 तक जिला प्रशिक्षण इकाई (डीटीयू) के माध्यम से पूर्ण कराया गया। जिसमें कुल 29 पुलिसकर्मियों द्वारा प्रतिभाग किया गया। आज दिनांक 04.03.2021 को वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक एटा द्वारा प्रशिक्षण पूर्ण करने वाले सभी कर्मियों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस मौके पर प्रतिसार निरीक्षक पुलिस लाइन एटा, प्रभारी निरीक्षक जिला प्रशिक्षण इकाई जनपद एटा, प्रभारी निरीक्षक आपात सेवाएं 112 जनपद एटा, प्रशिक्षक एम डी एस एल जनपद एटा एवं अन्य पुलिस बल उपस्थित रहा।

रानी-देसूरी पत्रकार सम्मान समारोह आयोजित

● नैनाराम सीरवी, पुष्पांजली टुडे ब्यूरो, पाली

रानी उपखंड क्षेत्र के निपल ग्राम में श्री शिव सती माता मंदिर प्रांगण में बाल उपासक भोलाराम सिरवी के सानिध्य में पत्रकार सम्मान समारोह कार्यक्रम का आयोजन किया गया। समारोह में आए हुए अतिथिगणों व पत्रकारों का तिलक,पुष्प वर्षा कर शानदार स्वागत किया गया। रानी देसूरी उपखंड क्षेत्र के वरिष्ठ पत्रकार हिम्मत मालवीय बशीरुद्दीन चढवा के निर्देशन में कार्यक्रम का आगाज हुआ। इस दौरान मुख्य अतिथि के रूप में खिवाडा थाना प्रभारी मनथन आढा,विशिष्ठ अतिथि रानी पंचायत समिति पूर्व प्रधान नवरत्न चौधरी,जिला परिषद सदस्य मंजू सीरवी,नीपल सरपंच शंकरलाल मीणा,सती माता के उपासक बाल भक्त भोलाराम सीरवी का पत्रकारो द्वारा स्वागत किया गया। थाना प्रभारी मनथन आढा व बाल भक्त भोलाराम सीरवी ने सभी पत्रकारो को मोमेंटो सहित सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के दौरान थाना प्रभारी अपने उद्बोधन में पत्रकारिता को लेकर बताया। कि पत्रकार लोकतंत्र का चौथा स्तंभ. सकारात्मक रूप से चलाएं कलाम। पत्रकार लोकतंत्र का चौथा स्तंभ वह समाज में पत्रकारों की अलग ही भूमिका होती हैं।पत्रकार लोकतंत्र का चौथा स्तंभ माना जाता है इसलिए आप अपनी कलम सकारात्मक रूप से चलाएं। उन्होंने कहा कि पत्रकार की पत्रकारिता लोगों की सोच को भी परिवर्तन करती हैं। पत्रकारिता समाज को दिशा देने का काम करती हैं। वरिष्ठ पत्रकार हिम्मत मालवीय पत्र और पत्रकारिता को लेकर विस्तृत जानकारी दी। मीडिया समाज को अनेक प्रकार से नेतृत्व प्रदान करता हैं। इससे समाज की विचारधारा प्रभावित होती है। मीडिया समाज के विभिन्न वर्गों के हितों का रक्षक भी होता है। देसूरी उपखंड क्षेत्र के वरिष्ठ पत्रकार प्रमोद पाल सिंह ने बताया कि पत्रकारिता निष्पक्ष रूप से ही सही परिपेक्ष में प्रस्तुत करनी चाहिए।लोकतंत्र में पत्रकार और पत्रकारिता दोनों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। उन्होंने बताया कि आज पत्रकारिता कहीं ना कहीं से बदनाम हो रही है। पत्रकारिता में गैर पत्रकार खुद का वेशभूषा बदल

गोडवाड क्षेत्र के पत्रकार संगठन का किया गठन

कर आ गए। उनको ना खबर की गहराई से मतलब होता और यह खबर से। वह केवल अपने मतलब से पत्रकारिता कर रहे हैं। रानी उपखंड क्षेत्र के वरिष्ठ पत्रकार.बशीरुद्दीन चढवा ने बताया कि पत्रकार निष्पक्ष रूप से पत्रकारिता करें। कार्यक्रम के दौरान पत्रकारिता को लेकर होने वाली समस्याओं को लेकर चर्चा की गई। जिसमें वरिष्ठ पत्रकारों ने अपने-अपने वक्तृत्व रखें। प्रमोद पाल सिंह देसूरी ने पत्रकार सुरक्षा को लेकर अपने क्षेत्र के संगठन गठन करने को लेकर चर्चा की। जिसमें सर्व समिति से गोडवाड क्षेत्र संगठन का गठन किया गया। संगठन के गठन के अंतिम रूपरेखा अगले कार्यक्रम में तय की जाएगी।पत्रकार संगठन के गठन के लिए देसूरी क्षेत्र से जगदीश सिंह गहलोत सादड़ी नगर पालिका क्षेत्र से मुकेश कुमार जेसानी रानी उपखंड क्षेत्र से बीएल भाटी खिंवाड़ा से दलपत सिंह को गठन समिति का सदस्य मनोनीत किया गया। समिति के संयोजक वरिष्ठ पत्रकार हिम्मत मालवीय को मनोनीत किया गया। सहयोगी के रुप में प्रमोद पाल सिंह देसूरी को मनोनीत किया गया। पत्रकार सुरक्षा संगठन के गठन रानी देसूरी पत्रकारों की सर्वसम्मति से किया गया। गोडवाड क्षेत्र के गठन मैं जिले के और उपखंड क्षेत्र के पत्रकारों को जोड़ा जाएगा। पत्रकार सम्मान समारोह के आयोजन को सफल बनाने में हितेश सोनी राजाराम सिरवी आंगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं शिव सती माता मंदिर भक्तजनों का सराहनीय योगदान रहा। कार्यक्रम आयोजक कर्ता हितेश सोनी ने संपूर्ण रानी देसूरी उपखंड क्षेत्र के पत्रकारों का आभार जताया गया। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित पत्रकार गण । इस मौके पर पत्रकार मगराज चौहान चाचोडी,नेनाराम सीरवी चाचोडी बीएल भाटी रानी ओपाराम खोड प्रेम बुनकर भैराराम बंजारा नरपत रावल सादड़ी दिनेश आदिवाल रमजान खान प्रकाश मेवाड़ा भवानी सिंह राठौड़ हिंगलाज दान दलपत सिंह महिपाल रावल गोविंद सुथार हितेश देवड़ा सादड़ी जगदीश गहलोत अशोक कुमावत मुकेश कुमार पहलाद सिंह चारण जय सिंह राठौड़ धिसुसिह चुंडावत उगम सिंह जवाली उत्तमचंद गांधी लक्ष्मण वागोणा जुगल किशोर कैलाश सिवास दिनेश सिंह राजपुरोहित रमजान खान रमेश दायमा ललित कंडारा भारत सिंह उमेद जोया सहित मौजूद रहे। समारोह के समापन पर हितेश सोनी रामाजी गुडा ने आभार जताया।

रामपुरा में जैन समाज की संस्था द्वारा ग्रामीणों को भेंट की जेसीबी

● नैनाराम सीरवी, पुष्पांजली टुडे ब्यूरो, पाली

पाली जिले के रामपुरा गांव में मारवाड़ गौ ग्राम संवर्धन न्यास द्वारा गोचर भूमि विकास हेतु जेसीबी मशीन ग्रामीणों को सोमवार को भेंट कर उपलब्ध करवाई गई । कार्यक्रम में जैन समाज के भामाशाह व जनप्रतिनिधियों के सानिध्य में आयोजित कार्यक्रम के दौरान पाली जिले सहित आसपास के जिलों से बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधियों ने कार्यक्रम में शिरकत करतेहुए चार चांद लगाए। कार्यक्रम कोसंबोधित करते हुए। भगवा स्वयं सेवक संघ जोधपुर प्रांत प्रचारक योगेंद्र भाई कहां देश में गौ सेवा के प्रति सच्ची भावना गौ सेवा के साथ समर्पण रुप से भाव व्यक्त करते हुए मुक्त पशुओं की सेवा में सहयोग करने के साथ-साथ जीव दया के प्रति व्यवस्था हेतु गौशाला के माध्यम से किए जा रहे प्रयासों की सराहना करते हुए जैन समाज का आभार जताया। साथ ही योगेंद्र भाई ने बताया गोचर भूमि में किए जा रहे अवैध रूप से अतिक्रमण न करने की सलाह उपस्थित जनप्रतिनिधि व ग्रामीणों को दी गई। देश में पिछले करीब वर्षों से भारतीय संस्कृति में गौमाता का अतुलनीय योगदान रहा अतः देश में गौ सेवा को लेकर खासकर ग्रामीण क्षेत्रों में गोचर भूमि को सदा सदा के लिए जीवित रखने की बात कही। पाली पंचायत समिति के प्रधान प्रतिनिधि समाज सेवी पुखराज पटेल ने उपस्थित समस्त सरपंच गणों को संबोधित करते हुए गोचर भूमि में किए जा रहे अतिक्रमण नहीं करने अंग्रेजी बबूल वह झाड़ियों को मुक्त करने करने के बारे में जानकारी दी। तथा सभी को सभी को सहयोग करने की सलाह दी। कार्यक्रम के सफल आयोजन को लेकर प्रभु प्रेमी गौशाला एवं संपूर्ण ग्राम वासियों ने आए हुए समाजसेवी एवं अतिथि जनप्रतिनिधियों का सफल आयोजन संपन्न होने पर आभार जताते हुए प्रभु प्रेमी गौशाला के कार्यसमिति एवं संपूर्ण ग्राम वासियों ने हर संभव मदद की सीख दी। जिसे उपस्थित अतिथियों ने समस्त ग्रामीणों को मारवाड़ गोवर्धन न्यास समिति के भामाशाह आयोजित करता की सराहना की।

इन्होंने किया सहयोग–मारवाड़ गौ ग्राम गोवर्धन न्यास समारोह में किरण पोरवाल अनिल भंडारी ललित कातरेला सहित बड़ी संख्या में स्थानीय सामाजिक कार्यकर्ता सामाजिक व संस्थान के कार्यकर्ता मौजूद रहे **कार्यक्रम में इन्होंने की शिरकत**–पाली सांसद निजी सचिव डीआर चौधरी सुमेरपुर विधायक प्रतिनिधि दिनेश कुमावत पाली प्रधान प्रतिनिधि पुखराज पटेल किसान केसरी पाली भंवरलाल सिरवी हेमावास मंडल अध्यक्ष वोराराम चौधरी। गुंदोज भाजपा पूर्व मंडल अध्यक्ष उमेश सिंह सोनीगरा। पाली पंचायत समिति सरपंच संघ अध्यक्ष दिलीप सिंह सोनीगरा।बोमाडडा सरपंच जोगाराम दयालपुरा सरपंच प्रतिनिधि भैरू सिंह राजपुरोहित लांबिया सरपंच मदन लाल ।खेरवा सरपंच प्रतिनिधि समाज सेवी भरत सिंह राणावत। कुरना सरपंच लाभु राम देवासी.बाणियावास सरपंच प्रतिनिधि समाज सेवी श्रवण कुमार डरी सरपंच प्रतिनिधि समाज सेवी भंवर सिंह जोधा.गुरडाई सरपंच प्रतिनिधि समाज सेवी रूपेश कुमार सांपा सरपंच प्रतिनिधि धर्माराम ओड हेमावास सरपंच मोहनलाल पटेल.गिराडडा सरपंच मंगला राम मीणा वडेर वास सरपंच लीला देवी सिरवी वडेर वास सरपंच प्रतिनिधि समाज सेवी अमराराम सिरवी वडेर वास उपसरपंच गणेशराम सिरवी खेरवा उपसरपंच भूतपूर्व सरपंच ग्राम पंचायत वडेर वास मांगीलाल अगले चा सिरवी इंडिया परिवार वरिष्ठ समाजसेवी राम लाल सेणचा . ग्राम विकास अधिकारी अरविंद ओझा कनिष्ठ सहायक एलडीसी पुखराज सीरवी पंचायत सहायक विक्रम सिंह मिट्ठू सिंह पवार. एवम् प्यारी देवी सीरवी वार्ड पंच रुपाराम सीरवी सूजाराम सीरवी दुर्गादास सहित ग्राम वासी उपस्थित रहे

गुरडाई में आयोजित हुआ भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम

निकटवर्ती ग्राम गुरडाई की राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय गुरडाई की ढाणी में बुधवार को भव्य वार्षिकोत्सव एवं पुरस्कार वितरण समारोह 2020 -21 का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का प्रारंभ मां शारदे को वंदन कर एवं मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन तथा राष्ट्रगान के साथ किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि गुरडाई सरपंच प्रतिनिधि रूपेश कुमार उपसरपंच पारस कवर परमार पंचायत समिति सदस्य लक्ष्मण सिंह ह्या द्व ष अध्यक्ष प्रवीण सिंह पद्मावती त्रिवेदी प्रधानाध्यापक प्रेमलता सुराणा राजकीय माध्यमिक विद्यालय कान्दरा की अध्यक्षता में कार्यक्रम की शुरुआत की गई ।कार्यक्रम में स्थानीय विद्यालय के छात्र छात्राओं ने स्वागत गीत काल्यो कूद पड्यो मेला में चौधरी गीत सहित एक से बढ़कर एक देशभक्ति व अन्य सांस्कृतिक नृत्य की शानदार प्रस्तुतियां देखकर पांडाल में मौजूद दर्शकों को भावविभोर कर देर समय तक अपने स्थान पर समा बांधा। कार्यक्रम में अतिथियों व भामाशाह का साफा व माल्यार्पण कर स्वागत किया गया। भामाशाह प्रवीण सिंह की ओर से मिठाई की व्यवस्था की गई। संस्था प्रधान पद्मावती त्रिवेदी ने विद्यार्थियों को सफलता प्राप्ति के लिए दृढ़ संकल्पित होकर कठिन परिश्रम करने की बात कही ।वहीं विद्यार्थियों को जीवन में सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ते हुए माता-पिता गुरुजनों एवं गांव के नाम को रोशन करने की बात कही। उप सरपंच प्रतिनिधि समाज सेवी पूनम सिंह परमार ने बताया कि विद्यार्थी जीवन बहुत ही अनमोल जीवन है इसे व्यर्थ ना गवाएं और अपने लक्ष्य पर ध्यान एकत्रित कर अपना लक्ष्य हासिल करें। इस दौरान संस्था प्रधान पदमाती त्रिवेदी ने अतिथियों भामाशाह व ग्रामीणों द्वारा कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में गौतम चंद भंवर लाल प्रजापत जितेंद्र सिंह मनीषा नाराराम वार्ड पंच एलडीसी कनिष्ठ सहायक दुर्गाराम अर्जुन सिंह राठौड़ वार्ड पंच ग्राम पंचायत पूर्व उप सरपंच वेरसिह मूलचंद मीणा वार्ड पंच समाजसेवी प्रकाश चौकीदार किशोर चंद बालोटिया पिओ गुरडाई।

251 कुण्डीय श्री सहस्त्र चण्डी महाशक्ति यज्ञ महाआयोजन

12 जून शनिवार से 20 जून रविवार 2021 तक मिहोनी माता मंदिर पर चलेगा महायज्ञ, महू मोहाना ज्वालामुखी गिदवासे के जतिहनुमान,मिहोनी आकर स्वयं थाप गए भगवान

● अर्पित गुप्ता, दबोह

मध्यप्रदेश उत्तरप्रदेश की अंतिम सीमा पर हजारों वर्ष पुराना ऐतिहासिक शक्ति पीठ माँ शीतला देवी मंदिर मिहोनी में 12 जून दिन शनिवार से 251कुण्डीय श्री सहस्त्र चण्डी महाशक्ति यज्ञ का आयोजन किया जा रहा है यज्ञ को लेकर श्रीश्री1008 महामंडलेश्वर श्री खड़ेश्वरी जी महाराज से चर्चा की तो उन्होंने बताया यह यज्ञ विश्व की शांति,विश्व कल्याण के लिए आयोजित किया जा रहा है 12जून से 20 जून तक लगातार मिहोनी माता मंदिर मे लगातार भक्तिमय कार्यक्रम चलते रहेंगे महाराज श्री ने बताया रामराजा सरकार ओरछा में इस मंदिर का ऐतिहास पड़ा हुआ है महाराज बिरसा देव दतिया बालो ने मिहोनी माता में जो कुण्ड है उस कुंड में यज्ञ कराया था दतिया बाले महाराज को माता ने सिंघ पर सबार होकर माता रानी ने साक्षात दर्शन दिए माता रानी ने जब से उन्हें दर्शन दिये तब उन्हें 9 पुत्र प्राप्त हुए उसके बाद ये नौ गद्दीया बनी,मंदिर के बारे में ऐतिहास में ऐसा सुनने में आया है माता रानी की सतयुग की स्थापना है स्यंम भगवान ने इस मंदिर की स्थापना की थी,महू मोहाना की ज्वालामुखी, गिदवासे के जतिहानुमान स्यंम थाप गए भगवान इस मंदिर की स्थापना का किसी को कुछ पता नही देवी माँ की सिद्ध मूर्ति की कृपा से आज जंगल मे मंगल हो रहा है 1998 ने यहां दिन में आने में भक्तों को डर लगता था 1998 में यह डाकुओं का क्षेत्र माना जाता था मंदिर तक आने के लिए कोई रास्ता नही था मंदिर के खाते में किसी भी प्रकार की जमीन नही थी लेकिन 1998 से माँ की ऐसी कृपा हुई कि माँ मिहोनी देवी के इस मंदिर में 1998 से लगातार घी की ज्योति प्रज्वलित है एवं देवी कृपा से आज जंगल मे मंगल हो रहा है कण कण माता रानी के जयकारो ध्वनि सुनाई देती है खड़ेश्वरी महाराज ने बताया करोड़ो रूपये मंदिर के निर्माण में लग रहा कहा से पैसे आता है कैसे आता है ये तो माता की लीला है आज तक कोई समझ नही पाया,बाकी का सहयोग क्षेत्र से मिल जाता है मंदिर की 200 फुट ऊँचाई बताई जाती है।

कुण्ड में जल कहा से आता आज तक पता नही लगा

मिहोनी शीतला माता मंदिर में एक कुंड भी है इस कुंड का रहस्य आज तक किसी ने पता नही लगा पाया,श्रीश्री1008 महामंडलेश्वर श्री खड़ेश्वरी जी महाराज ने बताया ये कुंड में जल सीधा पृथ्वी से अपने आप ऑटोमेटिक जल आता है कुंड को कई बार खाली करने की कोशिश की गई लेकिन किसी ने कुंड को खाली नही कर पाया,इस कुंड का जल गंगाजल के बराबर है,बोतल में भर कर रख दो,जल जैसा का तैसा रखा रहता है,दुनिया की कोई भी बीमारी हो खत्म करने के लिए जो भक्त यह कुंड का जल एवं माता की भभूति प्रसाद के रूप में गृहण करता है निसंतान को माँ संतान एव केंसर

जैसी अनेक बीमारीयो को हमेशा के दूर कर देती है ये सब माता की कृपा चमत्कार है महाराज श्री ने बताया कई वर्षों पुरानी बात है कुछ मुस्लिमो ने यहां एक गाय को काट दिया था बो गाय कुंड में चली गई थी तभी से कुण्ड में साक्षात माँ बिराजमान है इस क्षेत्र में गलत नियत का कोई भी मुस्लिम रात में नही रुक पाता है कुंड से माता रानी को निकालने की कोशिश की गई लेकिन माता रानी अपनी जगह से हिली नही,खड़ेश्वरी महाराज ने बताया इस कुंड के निर्माण के लिए माता रानी से प्रार्थना की तो अपने आप कुण्ड खाली हो गया,निर्माण पूर्ण होते ही अपने आप कुंड में जल भर गया माताराणी की कृपा से 1998 से लगातार मंदिर का निर्माण कार्य चालू है।

रामस्वरुप नाम से कैसे पड़ा,खड़ेश्वरी नाम

सन 1998 तक रामस्वरूप महंत ने मंदिर की देख भाल की 1998 से श्री श्री 1008 महामंडलेश्वर श्री खड़ेश्वरी जी महाराज निरंतर देख रेख कर रहे है महाराज जी ने बताया कि में राजस्थान का निवासी हु मेरा राजस्थान का नाम रामस्वरूप है लेकिन चलता फिरता माता रानी के क्षेत्र में आया 1998 में अखदेवा की बगिया में खड़ा रहता था तभी सिंघपुरा बाले महाराज से यज्ञ कराया था उन्होंने श्रीफल देकर निमंत्रण दिया मिहोनी माता मंदिर का स्थान पर माता रानी के चरणों जगह दे दी थी तभी से माता रानी की सेवा करने में लगे हुए है,ग्यारह साल दिन रात खड़े रहे महाराज तभी उनका नाम रामस्वरूप से खड़ेश्वरी हो गया माता की कृपा से हर वर्ष कई माह तक बिना कुछ गृहण किये एव मौन रहकर तपस्या करते है महाराज श्रीश्री1008महामंडलेश्वर श्री खड़ेश्वरी जी महाराज माता के मंदिर में रोजाना सैकड़ो भक्तों को निःशुल्क भंडारा चलता है एवं हर माह की पूर्णमा को विशाल कन्या भोज का आयोजन किया जाता है।

सन 1998 से 2021 तक के यज्ञ की सम्पूर्ण जानकारी

मिहोनी माता मंदिर खड़ेश्वरी महाराज जी के द्वारा बीते बर्षो में पाँच विशाल यज्ञों का आयोजन किया जा चुका है 1100 कुण्डीय के दो यज्ञ,1008 कुण्डीय दो यज्ञ,21 कुण्डीय का एक यज्ञ का आयोजन अभी तक किया जा चुका है,21 कुण्डीय यज्ञ मे नारायण सेवा संस्था उदयपुर सहयोग मिला था एवं अब 12 जून 2021 से 251 कुंडीय यज्ञ का आयोजन किया जा रहा है जिसमे शंकराचार्य,मठाधीश पधारेंगे

यज्ञ में होंगे कार्यक्रमो की जानकारी

251 कुण्डीय यज्ञ में यज्ञाचार्य रामस्वरुप जी ग्वालियर बाले,एवं देवी पाठ नाती महाराज करेंगे सुबह 07:00 बजे से 11:00 बजे तक यज्ञ का हवन होंगा,सुबह 10:30 से दोप. 01:00बजे तक श्रीमदभागवत कथा पवन शास्त्री (दंदरौआधाम बाले) के मुखारबिंद से होगी,दोप.01:00बजे से दोप.03:30बजे तक देवी भागवत मिथलेश जी महाराज(औरैया वाले) के द्वारा रसपान कराया जायेगा,दोप.03:30 बजे से शाम 06:30 तक श्रीराम कथा रामस्वरुपादास जी महाराज श्रीकामतानाथ पीठाधीश्वर द्वारा भक्तिमय रसपान कराया जाएगा,रात 08:00 से रामलीला होंगी,यज्ञ में विशाल मेला लगेगा।

मंदिर परिसर में सेवा दे रहे पुजारी

मंदिर परिसर में लगभग 20 पुजारी सेवा दे रहे है जिसमे से मध्यप्रदेश शासन द्वारा प्रमोद दुवे पुजारी को अधिकृत है अन्य पुजारीयो में गौसेवा राकेश बाबा,मंदिर परिसर में आचार्य अनुष्ठान नाटी महाराज,मंदिर की देख रहे पुरुषोत्तम दास जी पुजारी आदि पुजारी करते है।।

अर्पित गुप्ता बने मप्र पत्रकार संघ के नगर अध्यक्ष

● पुष्पांजली टुडे ब्यूरो, भिण्ड

पत्रकारिता के क्षेत्र में चमकते चेहरे अर्पित गुप्ता बने मप्र पत्रकार संघ इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के दबोह नगर अध्यक्ष।मध्यप्रदेश पत्रकार संघ के प्रदेश अध्यक्ष सुरेन्द्र माथुर,प्रदेश उपाध्यक्ष गुणाकेश पाराशर एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया प्रदेश अध्यक्ष राज दुबे भिंड,ज़िला अध्यक्ष सौरभ शर्मा की अनुशंसा पर संघ के संस्थापक महासचिव राजेश शर्मा ने अर्पित गुप्ता जी की सक्रियता को देखते हुए उन्हें मध्यप्रदेश पत्रकार संघ इलेक्ट्रॉनिक मीडिया का दबोह नगर अध्यक्ष नियुक्त किया है।यहां बता दें कि अर्पित गुप्ता ने बहुत ही कम समय मे पत्रकारिता व समाजसेवा के क्षेत्र में अपनी एक अलग ही पहचान बनाई है जिसके चलते उन्हें लगातार पदोन्नती व नए संस्थानों में जगह मिलती रही है।यहां बता दें कि वर्तमान में अर्पित गुप्ता जी समाचार के क्षेत्र में पुष्पांजली टुडे(दैनिक समाचार पत्र,ऑनलाइन न्यूज़ चैनल,वेब पोर्टल,मासिक पत्रिका)में लगातार 4 वर्ष से अपनी सेवाएं दे रहे हैं इसी के साथ वह 3 वर्ष से स्वराज एक्सप्रेस चैनल में भी अपनी सेवाएं दे रहे हैं। साथ ही यहां बता दें कि अर्पित गुप्ता जी ने वर्ष 2014 में मीडिया जगत में कदम रखा था जिस दौरान वह भास्कर न्यूज,दैनिक उदगार,दैनिक इंडिया आज कल,चम्बल की तस्वीर आदि कई संस्थानो में अपनी सेवाएं दे चुके हैं।पत्रकारिता के क्षेत्र में उनके कार्य को देखते हुए उन्हें भारत के कई राज्यो में सम्मानित भी किया जा चुका

राजनैतिक दल,समाजसेवी व पत्रकारों ने दी शुभकामनाएं

है।मध्यप्रदेश पत्रकार संघ में उन्हें बतौर नगर अध्यक्ष की जिम्मेदारी मिलने पर उन्होंने वरिष्ठ नेतृत्व,शुभचिंतको व मित्रो का आभार व्यक्त किया है।उन्होंने कहा कि संगठन ने भरोसा जताते हुए उन्हें इतनी बड़ी जिम्मेदारी सौंपी है जिसे वह बखूबी निभाएंगे और जल्द ही मध्यप्रदेश पत्रकार संघ की कार्यकारिणी का गठन करेंगे जिससे संगठन को मजबूती मिल सके।इस दौरान उन्हें बधाई देने वालो में महिमा एक्सप्रेस सम्पादक अभिषेक शिवहरे,श्री राम एक्सप्रेस सम्पादक हरीश उपाध्याय,नवनीत एक्सप्रेस सम्पादक महेंद्र तिवारी, संसद मत सम्पादक हेमन्त गुप्ता, रतनगढ़ टाइम्स प्रतीक दुर्बार,वीनस टुडे सम्पादक वरुण गुप्ता,ग्वालियर की शान सम्पादक मृगनेंद्र सिंह,संघर्ष न्यूज़ सम्पादक राजेन्द्र झा,सन्दीप शुक्ला,भिंड रमाशंकर शर्मा,हेमन्त शर्मा आज तक, नवीन शर्मा,गुणाकेश पाराशर, परिनिधेश भारद्वाज, एन के भटेले,अनिल चौधरी, प्रदीप चौधरी, गिर्राज बौहरे, शुभम जैन,विपिन भारद्वाज, आशुतोष राजौरिया,मनीष ऋषिवर,असवार रविकांत त्यागी, गोहद देवेंद्र जैन,ऊमरी राघवेंद्र जी, मिहोना नीरज शर्मा,पंकज शर्मा,पवन शुक्ला, दबोह मोहित गोस्वामी,दिलीप नायक, रविन्द्र शर्मा,कुंजबिहारी कौरव, हरिश्चंद्र पाण्डेय,पंकज शर्मा,राजाभैया पाल, सुधांशु मुदगल,अजय त्रिपाठी,चिराग गुप्ता, आलमपुर उत्तम त्रिपाठी,उदयराज चौहान, मयंक त्रिपाठी, रोबिन अग्रवाल,अजीज पठान, संजीव चौधरी, लहार राजू त्रिपाठी, मोनू उपाध्याय,नितिन त्रिपाठी,बिबेक दुबे, विवेक पांडेय,राजू मुडोतिया, संजीव चौधरी, उत्तम चौधरी, देवानंद नायक, रावतपुरा महेन्द्र त्रिपाठी, सेंवढ़ा रहीम मलिक, दतिया संदीप प्रधान, मुरैना पुष्पेंद्र तोमर,अम्बाह केशव पण्डित जी, इंदरगढ़ सुनील खरे, समथर यशपाल सिंह,करैरा संजय गुप्ता बिलैया, शिवपुरी मयंक खत्री, रामस्वरूप रजक, सुनील रजक, गुना चन्द्रप्रकाश मांझी आदि पत्रकार के साथ साथ कई राजनैतिक दल के नेता एवम अर्पित गुप्ता मित्र मंडल शामिल है।।

पुष्पांजली टुडे सामान्य ज्ञान

भारत में राष्ट्रीय आय का आकलन सबसे पहले किसने किया था ?

सरदार पटेल | महलनोबीस

दादाभाई नौरोजी | वी. के. आर. वी. राव

किसी देश का आर्थिक विकास किस पर निर्भर है ?

प्राकृतिक संसाधन | बाजार का आकर

पूंजी निर्माण | **उपर्युक्त सभी**

डब्ल्यू. टी. ओ. का मुख्यालय कहाँ है ?

न्यूयॉर्क | **जेनेव**

यूरुगे | दोहा

मुद्रा-आपूर्ति किसके द्वारा नियंत्रित की जाती है ?

वित्त आयोग | योजना आयोग

व्यापारिक बैंक | **भारतीय रिजर्व बैंक**

भारत में सबसे ऊँचा जलप्रताप कौन-सा है ?

होगेनक्कल प्रपात | शिमला प्रपात

जोग प्रपात | कोर्टाल्लम प्रपात

भारत में रेल का आरम्भ किस सन में हुआ?

1953 | **1853**

1895 | 1858

भारतीय रेल का राष्ट्रीयकरण कब हुआ?

1950 | 1898

1955 | 1960

भारत में सबसे लंबी दूरी तय करने वाली रेल कौन सी है?

राजधानी एक्सप्रेस | शताब्दी एक्सप्रेस

विवेक एक्सप्रेस | समझौता एक्सप्रेस

भारत में सबसे तेज़ चलनेवाली गाड़ी कौन सी है?

शताब्दी एक्सप्रेस | विवेक एक्सप्रेस

थार एक्सप्रेस | लाइफ लाईन एक्सप्रेस

रेल इन्जिन के आविष्कारक कौन हैं?

जॉर्ज ऑरेवल | अब्दुल गफ्फार खान

जॉर्ज स्टीफेंसन | अन्य

भारत का पहला राष्ट्रपति ?

पंडित जवाहर लाल नेहरू | डॉ सर्वपल्ली राधाकृष्णन

डॉ0 राजेंद्र प्रसाद | इनमें से कोई नहीं

भारत का पहला उपराष्ट्रपति ?

जाकिर हुसैन | **डॉ0 एस0 राधाकृष्णन**

गोपाल स्वरूप पाठक | इनमें से कोई नहीं

भारत का पहला प्रधानमंत्री ?

पंडित जवाहर लाल नेहरू | सरदार बलदेव सिंह

जनरल राजेंद्र सिंह जी | इनमें से कोई नहीं

भारत का पहला गृह मंत्री ?

वल्लभभाई पटेल | डॉ0 राजेंद्र प्रसाद

जवाहरलाल नेहरू | जॉन मथाई

भारत का पहला रेल मंत्री ?

लाल बहादूर शास्त्री | ललित नारायण मिश्र

बंसी लाल | **जॉन मथाई**

रुसी क्रांति की शुरुआत किस वर्ष हुई ?

वर्ष 1916 | **वर्ष 1917**

वर्ष 1918 | वर्ष 1919

यूनियन ऑफ़ सोवियत सोशलिस्ट रिपब्लिक कब अस्तित्व में आया ?

वर्ष 1920 | वर्ष 1921

वर्ष 1922 | **वर्ष 1923**

वैज्ञानिक समाजवाद का सिद्धांत किसने दिया ?

एंगेल्स | कार्ल मार्क्स

दोनों | इनमें से कोई नहीं

चीनी क्रांति का नायक कौन था ?

च्यांग काई शेक | **सुनयात सेन**

युआन शोह काई | माओत्से तुंग

चीन के जनवादी गणराज्य की स्थापना कब हुई ?

वर्ष 1947 | वर्ष 1948

वर्ष 1949 | वर्ष 1950

भारत में कितने सार्वजनिक संस्था बैंक हैं ?

27 | 29

25 | अन्य

बैंक प्रदान करती हैं ?

केन्द्रीय सेवाएँ | प्रत्यक्ष सेवाएँ

वित्तीय सेवाएँ | अन्य

भारतीय रिज़र्व बैंक का मुख्यालय कहाँ हैं ?

नागपुर | दिल्ली

मुंबई | भोपाल

भारत नाम की उत्पति का सम्बंध प्राचीन काल के किस प्रतापी राजा से है ?

महाराणा प्रताप | चन्द्रगुप्त मौर्या

भरत चक्रवर्ती | अशोका मौर्या

भारत का सबसे बड़ा शहर कौन है ?

मुंबई | कोलकाता

दिल्ली | मद्रास

भारत का सबसे बड़ा राज्य कौन है ?

उत्तर प्रदेश | महाराष्ट्र

राजस्थान | मध्यप्रदेश

भारत में कुल कितने राज्य है ?

28 | 29

36 | **15**

भारत का सबसे लम्बी नदी कौन है ?

गण्डकी | कोसी

ब्रह्मपुत्र | **गंगा**

हड़प्पा सभ्यता की खोज किसने की थी ?

दयाराम साहनी | राखलदास बनर्जी

एम. एम. वत्स | अन्य

वह शासक जिसने एक सच्चे जैन मुनि की तरह उपवास के द्वार शरीर त्याग दिया कौन था ?

बिन्दुसार | अशोक

चन्द्रगुप्त मौर्य | अन्य

बंगाल को मुगल साम्राज्य से पृथक् कर स्वतन्त्र किया ?

मुर्शिद कुली खाँ | सआदत खाँ

सरफराज खाँ | अन्य

विधवा पुनर्विवाह कानून कब बना ?

1853 ई. में | **1856 ई. में**

1863 ई. में | 1865 ई. में

मध्य प्रदेश का एकीकरण किस वर्ष हुआ था ?

1954 | 1955

1956 | 1959

मध्य प्रदेश कितने संभागों में विभाजित है ?

12 | 13

14 | **10**

नीना सिन्हा (मौलिक रचना)
पटना, बिहार

रधवा के माई! ओलावृष्टि और बेमौसम की बरसात से सारी फसल खराब हो गई है। क्यों न शहर चलें? दिहाड़ी मज़दूरी मिल जाएगी। साथी ने रहने की जगह खोज रखी है। बच्चों को भूखा कैसे रखें?

ठीके है रधवा के बापू! और कुच्छो नहीं सूझ रहा है?

दोपहर होते-होते सीमित गृहस्थी समेटकर पास के शहर जा पहुँचे। अंधियारा कमरा एक छोटी सी बस्ती में, धूल और गंदगी से भरा हुआ; एक कोने में सामान जमाया, बेटे को कहा कि खाली डिब्बों में कुछ पानी भर लाए, ताकि कमरा धुल सके।

माँ! इतने सारे डिब्बों में पानी मैं अकेला कैसे ला सकूँगा?

तू चल बेटा! तेरी बहन को पीछे से भेजती हूँ, अभी मेरी मदद कर रही है। झाड़ू लगाकर धोने से ही कमरा रात में सोने योग्य होगा।

वह नल पर गया, सप्लाई का पानी जा चुका था। पता लगा, आधा किलोमीटर दूरी पर एक चापाकल है।

बच्चे! अगर जरूरी हो चापाकल से ले आओ, नहीं तो शाम को पानी आता है। किसी ने सलाह दी।

उसने वापस जाकर माँ को बताया और चल पड़ा। रास्ते में नजर एक वाटर पार्क पर पड़ी; एक फव्वारे से पानी तेजी से ऊपर जाकर वापस गिर रहा था। गिरते पानी में कुछ लोग उछल कूद मचा कर नहा रहे थे। ऐसी जगह सिर्फ टीवी पर देखी थी।

गार्ड से पूछा, चाचा! क्या यहाँ से पानी ले सकता हूँ?

नहीं बच्चे! यह मनोरंजन की जगह है, पानी लेने की नहीं?

मुझे आधा किलोमीटर पैदल चलना पड़ेगा। मुझे पानी लेने दीजिए।

अंदर जाने की फीस ढाई सौ है, दे सकते हो? यहाँ चारों ओर सीसीटीवी कैमरे लगे हैं, गलती होते ही मेरी नौकरी चली जाएगी।

जब बस्ती के नल में पानी नहीं आ रहा है, तो यहाँ इतना सारा पानी कैसे आ रहा है?

बच्चे! ये अमीर लोगों की जगह है? यहाँ पानी जमा करके रखा जाता है।

चाचा! क्या भगवान भी अमीर-गरीब का फर्क करके पानी देते हैं? हमारी बस्ती में नल सूखा है और अमीरों के नल से पानी इतनी तेजी से आ रहा है, क्यों?

तब तक माँ-बहन पीछे से पहुँच गईं, उसे कानों से घसीटते हुए घर की ओर ले गईं, पर बच्चे का दिलो-दिमाग अभी भी अपने प्रश्न का उत्तर ढूँढने में लगा हुआ था!

भव्य राम मंदिर निर्माण में सभी योगदान करें

समस्त देश वासियों के लिए मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्री राम के मंदिर निर्माण में अंशदान करने के लिए भव्य समारोह निर्मित किया जा रहा है। सभी इस भव्य समारोह में बढ़-चढ़कर अपना अपना योगदान करें।

भारत की तपोभूमि अपनी तमाम शक्तियों के लिए जगत विख्यात है। जब जब इस धरती माता का दोहन करने के लिए दमन कारी नीतियों ने अपनी कूटनीति और भारत की भव्य संस्कृति की छिन्न-भिन्न किया है ।तब तब स्वयं भगवान का अवतरण हुआ है ।ऐसा ही कुछ बरसों के इंतजार के बाद भारत देश में ÷मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्री राम ÷का जन्म स्थान अयोध्या नगरी को पुनः एक बार ढोल धमाकों के साथ निर्मित किया जा रहा है। उसमें सभी भारतवासी स्वयं साक्षी बन सके, ऐसी कुछ परंपरा के तहत प्रत्येक नागरिक से कुछ ना कुछ योगदान देने की संस्कृति विकसित की जा रही है। जिससे 21वी सदी का प्रत्येक बालक अपने आप को भगवान राम के मंदिर का अंश महसूस कर सके। यही सनातन परंपरा है। जिसका अनुसरण करते हुए, वह गौरवान्वित तरीके से संपूर्ण जगत में सनातन परंपराओं को एक स्वर्णमयी रथ पर बैठकर प्रचार प्रसार कर सकें। भारत भूमि की संस्कृति की जड़े प्रचंड है। उसे कोई भी दुष्ट कारी सोच अपने प्रभाव में नहीं ले सकती है। चाहे जितने प्रयास कर ले यही कारण है कि इस तपोभूमि ने समय-समय पर अपनी संस्कृति के जागरण के लिए अपनें अवतरण को मानव रूप में इस बसुधा पर पहुंचाया हैं। जिन्होंने संस्कृति, धर्म ,प्रेम को जन-जन में एक सुगंधित खुशबू की तरह चारों ओर विकसित किया है। जिन महान मूर्तियों में स्वामी विवेकानंद जी, श्री रविंद्र नाथ टैगोर जी, सुभाष चंद्र बोस जी, तुलसीदास जी, कबीर दास, मीरा अन्य हुएजब-जब कोई इतिहास लिखा गया है ।तब तब चंबल घाटी के शेरों ने अपना इतिहास अलग से बनाया है। इसकी गवाह वसुधा सदैव रही है। फिर यह मौका भगवान राम के मंदिर का रहा तो इसमें चंबल घाटी के सपूत किसी भी तरीके से पीछे नहीं रह सकते। अतः वह समय आ गया है जिसका इंतजार सभी को था।

भीष्म भदौरिया-लेखक

आओ मिलकर सभी इस समारोह को जो मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्री राम की नगरी में जा रहा है ।सभी के संदेश लेकर ।यह मौका, यह समय, यह परिस्थितियां, सभी इसकी गवाह हो जाएंगी कि चंबल घाटी के प्रत्येक नागरिक ने अयोध्या नगरी में अपने अपने घर से प्रभु राम के मंदिर को सजाने के लिए किसी ना किसी रूप से योगदान दिया। हे भगवन् प्रकृति आज पुनः एक बार अपने आप को गौरवान्वित महसूस कर रही है ।और चारों ओर तांडव नृत्य चल रहा है। दीपावली जैसी सजावट हो रही है ।प्रकृति एक नव नवेली दुल्हन की तरह धीरे-धीरे कदमों से तेरे अयोध्या नगरी में आ रही है। और संपूर्ण चंबल वासी उस दुल्हन रूपी रथ के पीछे तेरे अयोध्या नगरी में संपूर्ण तन मन धन से समर्पण देने आ रहे हे । हे परमात्मा इस धूल को भी तू स्वीकार कर लेना। जिससे आने वाले समय का इतिहास चंबल घाटी का एक बार पुनः गौरवान्वित महसूस कर सके। आने वाली पीढ़ियां जगत में अपना सीना तान के यह एलान कर सकें की सनातन की परंपराओं को बड़ी मजबूती के साथ निर्वाह किया गया है इन्हें कोई छू भी नहीं सकता।

मीनाक्षी सुकुमारन
नोएडा

आज फिर जरूरत है तेरी

माँ बचपन से ज़रा सी भी
चोट लगती थी जब
कैसे दौड़ कर आ बाहों में
भर लेती थी

और हाथ फेर गालों से
पोंछ डालती थी आँसू सारे
माँ फिर थोड़ा बड़े होने पर
बन गयी बहन और सखी भी तू

कितना आसान होता था दिल की हर बात को तुझ से कह देना
और तेरा हर बात को यूँ प्यार से सुलझा देना
माँ हर कदम चली साथ तू मेरे
रही सुख की छांव या दुख की धूप

कभी हारने या टूटने नहीं दिया हौंसला मेरा
माँ दिल को आज फिर ज़रूरत है तेरी
माँ गालों से ढुलकते आँसूओं को आज फिर ज़रूरत है तेरी
माँ उलझनों को सुलझाने में

आज फिर ज़रूरत है तेरी
माँ समझ कर भी समझ नहीं पाती दुनिया को
क्यों चलती है चालों पर चालें
क्यों लगती है दिल पर ठेस

क्यों बेवजह रिश्ते बदलते हैं रंग
माँ आज फिर ज़रूरत है तेरी
इस दिल को
वही बचपन सी सिमटने को तेरी बाहों में

गोद में सिर रख हर बात को
हर रिश्ते को समझने की
आखिर क्यों इतने बेदिल और बेरंग है ये दुनिया
जो थकती नहीं दे दर्द बिन बात

माँ आज फिर ज़रूरत है तेरी
उबारने को इस दर्द के भंवर से जो न जीने दी जी भर न मरने दे हो निराश
माँ आज फिर ज़रूरत है तेरी
खुद को तेरी बाहों में समेटने की और खुल कर रो जी हल्का करने की।।

प्रेम बजाज, जगाधरी
मौलिक एवं स्वरचित (यमुनानगर)

पूनम का चांद

पूनम का चांद हो और साजन का साथ हो, फिर कैसे ना उठे मन में अरमानों का उफ़ान जब हाथों में साजन का साथ हो, कुछ लम्हें हो इंतज़ार के, कुछ में मुलाकात हो ।

देहरी पर बैठे हैं आस का दीपक जलाए, क्या मालूम कब वो भूले से ही मेरी गली आ जाएं, जो चले गए थे यूं तन्हा छोड़कर, इश्क की आग में झोंक कर ।

ए चांद जा कहीं से मेरे चांद को भी ढुंढ के ले आ, तेरे जैसा ही है मेरे चांद का भी मुखड़ा, जा तुझे तेरी चांदनी की कसम, जा तुझे मेरी आहों का वास्ता।

मिले जब चांद मेरा तो शब-ए-हिज्र ब्यां करना, कहना याद में यार की तड़पते हैं, शब-भर तारे गिना करते हैं, हाल ज़ख्मे-दिल का सुना के बस इतनी इल्तज़ा करना, बस एक बार मिलने की दुआ करना।

ना आएं तो कहना इक बार मैयत पे आ जाएं मेरी, रूह को तो मिल जाएगा सुकून-ओ-चैन, रह जाएगी यहीं कदमों में उनके, छोड़ खुदा का घर बुतखाने की चाकरी भी कबूल होगी, क्योंकि तब मोहब्बत मेरी मक़बूल होगी ।

पैसा

जीवन जीने के लिए, करते हैं सब काम।
मिल जाते पैसा अगर, करते फिर आराम।।

बनते पैसो से बड़े, आज यहाँ इंसान।
करते पूजा रोज हैं, पैसा ही भगवान।।

ऐसा कलयुग आ गया, टूटे घर परिवार।
पैसे खातिर लोगअब, छोड़े घर अरु द्वार।।

लालच को तुम छोड़कर, करो नेक अब काम।
मिले सफलता रोज ही, होगा जग में नाम।।

पैसा ही सबकुछ यहाँ, करते पैसे बात।
भेद अमीर गरीब का, तय करते हालात।।

प्रिया देवांगन प्रियू
पंडरिया जिला-कबीरधाम
छत्तीसगढ़

मै क्या करूँ

मै क्या करूँ ,
समझ नहीं पा रहा हूं ,
आखिर क्यों मै इतना सोचता हू ,
मै इतना जीवन के सपने देखता था ,
मै क्यों इतना पागल होता हूं ,
दिल मे हमेशा दर्दो का महफिल लगा होता है ,
आंखों में हमेशा आंसू भरा रहता है ,
आखिर क्यों ऐसा मेरे साथ ही होता है ,
जब भी अकेला होता हूं ,
आंखों में पानी भर जाता है ,
दिल करता है ,
मै स्वयं को समाप्त कर लू ,
ऐसा क्यों होता है ,
शायद मेरी जिन्दगी की आखिरी शब्द हो ,
या शायद मै ही आखिरी हू ,
अब इस दर्द से मुझे रहा नहीं जा रहा है ,
आखिर क्यों मै अलग महसूस करता हू ,
स्वयं को मै डिप्रेशन में महसूस कर रहा हूं ,
कुछ सोच नही पाता हू,
दुनिया की दुनियादारी ,
समाज की मजबुरी ,
मुझे ना जीने देती है ना मरने देती है ,
मै क्या करूँ ,
कोई बताए मुझे ,
या आत्म को स्वयं मे लिप्त कर दू ,
मुझे इस नश्वर दुनिया में ,
सिर्फ अशांति ही अशांति ,
जी करता है जोगी ही बन जाऊँ ,
मुझे अब दुनिया से रिश्ते-नाते ,
सभी अनसुलझा लगता है ,
ना अब आत्मविश्वास बच पाया ,
और ना अब अपनी लालसा ,
मै क्या करूँ !

रुपेश कुमार
चैनपुर, सीवान, बिहार

मंद पड़े क्यों तान हे कोकिल

कमलेश झा
राजधानी दिल्ली

मंद पड़े क्यों तान हे कोकिल तुमने ऐसा क्या देख लिया।
क्या विपदा ने तुमको भी घेरा या प्रकृति मार तुमपर पड़ा।।

या फिर तुमने साधी चुप्पि समाज के इस लूट पाट से।
या फिर चुप हो डाकू चोर और अपराध से।।

अगर ये बात नही तो मंद पड़े क्यों तेरे तान।
क्या तुमको भी नीड की चिंता जो टपक रहे हैँ सुबह शाम।।

क्या पट्टी भी तुमने बाँधी जैसे हमने मुख पर बंधा है आज।
या फिर ढक कर रखा है मुख को जैसे ढका सरकार ने आज।।

क्यों मंद पड़े तेरे सुर कोकिल क्या बैठा इसमें कोई दर्द।
जैसे मानव क्षण क्षण जलता पलता रहता सीने में दर्द।।

क्या तेरे मन मे भी भरता है अपनो के लिये अवसाद।
क्या तुम भी जलती हो फलता फूलता देखकर समाज।।

तेरी तो बस तन ही काली यहाँ तो लोगो का काला मन।
अपने ही जिह्वा पर देखो इसने चड़ाया काला रंग।।
काली इनकी हरकत होती इस काले मन वालों का।
देश और समाज को काला करता रहता हरकत इनका।।

अब तो बोलो क्यों मंद पड़े तान हे कोकिल
क्या रजनी के छाया का डर।
या फिर डर इस बात का की दरवाजा नही है तेरे घर।।

स्वच्छ हवा में फिरने वाली तुमको नीड़ की क्या चिंता।
जब चाहो जहां फिरो तुम अब मौन रहने का क्या फायदा।।

अब गाओ देश राग भारत माता का करो गुणगान।
अपने सुर को पक्का कर तुम फैलाओ अपना मधुर तान।।

फिर होगी चहु ओर किलकारी रजनी तम को हर लेंगे रवि।
एक एक कर जीव जंतु भी तान भरेंगे मिलकर सभी।।

लू से बचने के लिए अपनाएं घरेलू उपाय

गर्मी अपने चरम पर पहुंच रही है. इस दौरान सबसे ज्यादा खतरा लू लगने का होता है. गर्मियों में लू लगने से बहुत से लोग बीमार पड़ते हैं, लेकिन कुछ आसान घरेलू उपाय करके आप लू को मात दे सकते हैं. लू से बचने के लिए अपनाएं यह आसान घरेलू उपाय-

1- धनिया पत्ते को पानी में भिगोकर रखें, फिर उसे अच्छी तरह मसलकर छाल लें. उसमें थोड़ी सी चीनी मिलाकर पीने से लू नहीं लगती है.

2- कच्चे आम का पन्ना बनाकर लू से बचा जा सकता है. आम पन्ना को लू से निजात पाने का सबसे अच्छा उपाय माना जाता है. इसे बनाना भी आसान है. कच्चे आम को उबालें,

छिल्का उतारकर उसे मसल लें. इसमें ठंडा पानी मिलाएं. इसके बाद भुना जीरा, काला नमक और हल्की सी चीनी डालकर इसे पी लें.

3- इमली के बीज को पीसकर उसे पानी में घोलकर कपड़े से छान लें. इस पानी में चीनी मिलाकर पीने से लू से बचा जा सकता है.

4- बाहर निकलने से पहले हमेशा अपने साथ पानी की बोतल रखें और थोड़ी-थोड़ी थोडी देर में पानी पीते रहें. दिन में खाली पेट बाहर नहीं निकले. घर से निकलने के पहले कुछ खाकर ही निकले.

5- कच्चा प्याज भी लू से बचाने में मददगार होता है. आप खाने के साथ कच्चा प्याज का सलाद बनाकर खा सकते हैं.

6- गर्मी के मौसम में शरीर में पानी की कमी न हो इसलिए तरबूज, ककड़ी, खीरा खाना चाहिए. इसके अलावा फलों का जूस लेना भी फायदेमंद है.

7- पानी में ग्लूकोज मिलाकर पीते रहना चाहिए. इससे आपके शरीर को ऊर्जा मिलती है जिससे आपको थकान कम लगती है.

8- लू से बचने के लिए बेल या नींबू का शर्बत भी पिया जा सकता है. यह आपके शरीर में पानी की कमी को पूरा करता है. लेकिन बाहर से आने के बाद तुरंत पानी नहीं पीयें. जब आपके शरीर का तापमान सामान्य हो जाए तभी पानी पीयें.

इन आसान घरेलू उपायों से आप गर्मी से कुछ हद तक निजात जरूर पा सकते हैं और साथ ही लू से भी बच सकते हैं.

प्रधानमंत्री किसान सम्पदा योजना का उद्देश्य और इसके फायदे

केंद्रीय क्षेत्र योजना- कृषि-समुद्री प्रसंस्करण और कृषि-प्रसंस्करण समूहों के विकास के लिए योजना-को कैबिनेट ने मई 2017 में 14 वें वित्त आयोग के चक्र के साथ 2016-20 की अवधि के लिए अनुमोदित किया था। इस योजना को अब प्रधानमंत्री किसान सम्पदा योजना (PMKSY)नाम दिया गया है। यह एक अंब्रेला स्कीम है, जिसमें मंत्रालय की चल रही योजनाओं, जैसे मेगा फूड पार्क, इंटीग्रेटेड कोल्ड चेन और वैल्यू एडिशन इन्फ्रास्ट्रक्चर, फूड सेफ्टी और क्वालिटी एश्योरेंस इंफ्रास्ट्रक्चर आदि के साथ नई स्कीम, जैसे इंफ्रास्ट्रक्चर फॉर एग्रो-प्रोसेसिंग क्लस्टर, क्रिएशन ऑफ बैकवर्ड एंड फॉरवर्ड लिंकेज, खाद्य प्रसंस्करण और संरक्षण क्षमता का निर्माण / विस्तार शामिल हैं।

उद्देश्य

कृषि के पूरक व्यवस्था, प्रसंस्करण और संरक्षण क्षमता बनाने के लिए, प्रसंस्करण के स्तर को बढ़ाने की दृष्टि से मौजूदा खाद्य प्रसंस्करण इकाइयों का आधुनिकीकरण और विस्तार करना, अपव्यय को कम करने के लिए मूल्य जोड़ना, कृषि-अपशिष्ट को कम करना प्रधानमंत्री किसान योजना (पीएमकेएसवाई) के तहत 32 परियोजनाओं को मंजूरी दी गई है। यह परियोजना लगभग 17 राज्यों में फैली हुई है, जिसमें लगभग 406 करोड़ का निवेश है। ये परियोजनाएँ प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार के सृजन की परिकल्पना करती हैं, विशेषकर ग्रामीण क्षेत्रों में।

कौन सी योजनाओं को लागू किया जाएगा?

मेगा फूड पार्क की योजना किसानों, प्रोसेसर और खुदरा विक्रेताओं को एक साथ लाकर कृषि उत्पादन को बाजार से जोड़ने के लिए एक तंत्र प्रदान करती है, ताकि अधिकतम मूल्य संवर्धन, अपव्यय को कम करने, किसानों की आय में वृद्धि और विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्र में रोजगार के अवसर पैदा हो सके। मेगा फूड पार्क में आम तौर पर संग्रह केंद्रों, प्राथमिक प्रसंस्करण केंद्रों, केंद्रीय प्रसंस्करण केंद्रों, कोल्ड चेन सहित लगभग 25-30 पूरी तरह से विकसित भूखंड उद्यमियों के लिए खाद्य प्रसंस्करण इकाइयों की स्थापना के लिए होते हैं। अभी तक 21 मेगा फूड पार्क ऑपरेशनल हैं।

कोल्ड चेन

कोल्ड चेन, वैल्यू एडिशन और संरक्षण इंफ्रास्ट्रक्चर की योजना का उद्देश्य खेत से उपभोक्ता तक बिना किसी ब्रेक के एकीकृत कोल्ड चेन और संरक्षण संरचना प्रदान करना है। इसमें संपूर्ण आपूर्ति श्रृंखला के साथ इंफ्रास्ट्रक्चर सुविधा का निर्माण शामिल है, जैसे- पूर्व शीतलन, तौल, छँटाई, ग्रेडिंग, कृषि स्तर पर वैक्सिंग की सुविधा, बहु उत्पाद / बहु तापमान कोल्ड स्टोरेज, सीए स्टोरेज, पैकिंग सुविधा, आईक्यूएफ और बागवानी की सुविधा के लिए मोबाइल कूलिंग इकाइयाँ, जैविक उत्पादन, डेयरी, मांस और पोल्ट्री आदि।

एग्रो प्रोसेसिंग क्लस्टर के लिए इंफ्रास्ट्रक्चर

इस योजना का उद्देश्य आधुनिक अवसंरचना के साथ अच्छी तरह से सुसज्जित आपूर्ति श्रृंखला के माध्यम से उत्पादकों / किसानों के समूहों को प्रोसेसर और बाजारों से जोड़कर क्लस्टर प्रसंस्करण पर आधारित खाद्य प्रसंस्करण इकाइयों की स्थापना के लिए उद्यमियों के समूह को प्रोत्साहित करने के लिए आधुनिक बुनियादी ढाँचे और सामान्य सुविधाओं को विकसित करना है। कृषि प्रसंस्करण क्लस्टर की स्थापना के लिए कम से कम 50 एकड़ जमीन की खरीद के लिए या कम से कम 50 वर्षों के लिए पट्टे पर होने की आवश्यकता है।

बच्चों के भविष्य की आवश्यकताओं के लिए चुनिंदा योजना में कीजिए निवेश

अमूमन बच्चे देश के भविष्य होते हैं। जैसे-जैसे वे बड़े होते हैं, उनकी जरूरतें बढ़ती जाती हैं। इन्हें समय-समय पर पूरा करना ही सफल माता-पिता का फर्ज बनता है। लिहाजा, किसी भी माता-पिता को उनके भावी जीवन के बारे में अच्छी तरह से योजनाएं बनानी चाहिए। उन्हें अपनी आर्थिक हैसियत के मुताबिक और प्रतिभाशाली बच्चों के लिए उससे बढ़कर भी, समयबद्ध तरीके से आगे बढ़ना चाहिए।

इसके लिए आवश्यक है कि आप उनकी सही परवरिश, शिक्षा-दीक्षा और समृद्ध आर्थिक जीवन की प्राथमिकताओं को सिलसिलेवार ढंग से तय कीजिए। उसके लिए कुछ ऐसी आर्थिक योजनाएं बनाइए, जिससे कम लेकिन नियमित निवेश से भी उसका भावी जीवन समृद्ध और खुशहाल हो सके। इससे आपका राष्ट्र भी खुद ब खुद खुशहाल हो जाएगा।

पीपीएफ खाता सबसे उपयुक्त

पीपीएफ यानी कि पब्लिक प्रॉविडेंट फंड, विभिन्न कारणों से आजकल निवेश हेतु सबसे अच्छी योजना है। यह एक 15 वर्षीय योजना है जहां आप अपने बच्चे की शिक्षा-दीक्षा के लिए एक बड़े कोष का निर्माण अल्प

बचत से ही कर सकते है। इसका मुख्य आकर्षण 8.1 प्रतिशत की मौजूदा ब्याज दर है जो बैंकों द्वारा दी जाने वाली 7 प्रतिशत की ब्याज दर से अपेक्षाकृत कहीं ज्यादा हैं। यही नहीं, इसमें निवेशकों द्वारा अर्जित ब्याज पूर्ण रूप से कर मुक्त है। साथ ही, आयकर अधिनियम की धारा 80 सी के तहत इसमें निवेश करने वाले को आयकर में 1.5 लाख रुपए तक की छूट मिलती है। यही वजह है कि कुल मिलाकर यह एक बहुत ही आकर्षक निवेश योजना है जिसके माध्यम से कोई व्यक्ति अपने बच्चे के लिए कोष निर्माण कर सकता है। निःसन्देह यह एक सर्वोत्तम तरीका है जिस पर अमल करने की दरकार हर जागरूक व्यक्ति के लिए है।

सुकन्या समृद्धि खाता

लड़कियों के बेहतर भविष्य के लिए और उनकी उच्च शिक्षा अथवा शादी की जरूरतों हेतु कोष निर्माण करने के लिए सुकन्या समृद्धि खाता को एक बेहतरीन विकल्प समझा जाता है। क्योंकि पीपीएफ (पब्लिक प्रोविडेंट फंड) की तरह ही यह आकर्षक योजना भी 8.1 फीसदी की ब्याज दर के साथ पूर्ण रूप से कर मुक्त है। इस योजना में भी आयकर अधिनियम की धारा 80 सी के तहत कर लाभ प्रदान किया गया है। लेकिन, गौर करने योग्य बात यह है कि यह योजना केवल लड़कियों के लिए ही है। इसलिए यदि आप अपनी बेटी की शादी या उसकी उच्च शिक्षा के लिए बचत करना चाहते हैं तो इस योजना से अधिक आकर्षक विकल्प अभी बैंकिंग व्यवस्था में उपलब्ध नहीं है। अतः इसका लाभ उठाइए और अपनी बच्ची को आत्मनिर्भर बनाइए।

लिखी छाज के शैलचित्र

'आदिमानव की आर्ट गैलरी'

डॉ. सुरेश सम्राट
वरिष्ठ संपादक, लेखक
9406502099

औट्ठानों में आदि मानव द्वारा उकेरे गए शैलचित्र, मानव सभ्यता के विकास के साक्षी माने गए हैं। मुरैना जिले की जौरा तहसील के अन्तर्गत पहाड़गढ़ ब्लाक में ग्राम निची बहराई के समीप स्थित लिखीछाज भी ऐसे ही स्थानों में से एक है। लिखीछाज समूह में आसन नदी के किनारे पर रेतीले पत्थर के पहाड़ को छतरीनुमा अर्धवृत्ताकार रूप में काटकर, इन कटी हुई दीवालों पर लाल रंग से चित्र बनाए गए हैं। जिन प्रमुख शैलचित्रों में शैल चित्र प्राप्त हुए हैं, उनमें लिखीछाज, चपरेटा, परेवा, आमझिर, खाई श्यामदेव और पगारा उल्लेखनीय हैं। इन शैलचित्रों में नील गाय, सांभर, वृषभ, चीता आदि वन्य प्राणी, गजारोही, अश्वारोही, धनुर्धारी, योद्धाओं के साथ शिकार करने के चित्र शामिल हैं। इनमें गाभिन गाय, और अरना भैंस का अंकन देखते ही बनता है।

इन चित्रों के बारे में निचली बहराई और आसपास के गांवों में यह धारणा प्रचलित है कि पांडवों ने निर्वासन काल के दौरान जब वे विराट नगर (वर्तमान बैराड़ जिला शिवपुरी) में रहे थे, एक वर्ष के गुप्त प्रवास के दौरान उन्होंने लिखीछाज नाम स्थान पर पहाड़ काट कर आवास बनाया था। जिसकी दीवारों पर द्रोपदी ने यह चित्र उकेरे थे। जबकि पुरातत्वविदों के अनुसार यह चित्र 23 हजार साल पुराने हैं। उस समय के मानव ने अपनी अभिव्यक्ति के लिए इन चित्रों का लिपि के रूप में प्रयोग किया था। वस्तुतः आसन नदी के किनारे सौ से अधिक ऐसी गुफाएं अभी भी अवस्थित हैं, जिनमें पानी एवं भोजन की पर्याप्त मात्रा उपलब्ध थी। इन गुफाओं में पुराकालीन बर्तन, गौरिया, औखली और चकिया के चिन्ह मिले हैं।

आदिमानव कालीन साक्ष्यों से भरे इस क्षेत्र की व्यापकता का अनुमान इस तथ्य से लगाया जा सकता है कि यह क्षेत्र आसन नदी के किनारे-किनारे ही छह सौ वर्ग किलोमीटर से अधिक भू भाग में फैला हुआ है। यह भू-भाग पहाड़ी इलाके के सघन जंगलों में हैं। दुर्गम पहाड़ों और घने वनों का सीना चीर कर तेज गति से बहने वाली आसन नदी के साथ कई सहायक नदियों और नाले मिलकर इसके आकार और गति को बढ़ा देते हैं। इसमें गिरने वाले नालों में खारी नाला, पाड़खो, नाला और भद्दे नाला प्रमुख हैं। इन नालों तथा कई अन्य नालों के दोनों किनारों पर स्थित गुफाओं में शैलाश्रय देखे जा सकते हैं। कुल मिलाकर अभी तक लगभग 90 शैलाश्रय का पता लग चुका है। इनमें कई शैलश्रय तो नाम से प्रचिलित हैं जो इस बात को साबित करते हैं कि इनकी पहचान वर्षों पूर्व हो चुकी है। इनमें लिखी छाज के अलावा नोवता, कुण्डीघाट, वर्रादह,

चपरेटा, खजुरा, चूनेवाली, कील्या, पंखा, सिद्धवाली, भछेछाज, नरेरा छाज, वर्रादह, चपरेटा, खजुरा, चूनेवाली, कील्या, पंखा, सिद्धवाली, भछेछाज, नरेरा छाज, पाड़ खो, देवता दह, कटावली, रानीदह, हवा महल, ऐसी ही गुफाएं हैं, जिनके नामकरण का विश्लेषण किया जाए तो उनसे जुड़ी मान्यताएं और उनसे जुड़ी धारणाएं, उनकी प्राचीनता से आवरण हटाकर, उनकी पहचान को और उजला कर सकती है। लिखीछाज समूह की अभी तक निजी स्तर पर जो खोज और अन्वेषण हुए हैं उससे आदि मानव कालीन सभ्यता से जुड़े अनेक साक्ष्य यहां शैलाश्रय और शैलाश्रयों में शैलचित्र होने की पुष्टि करते हैं। इन साक्ष्यों से जहां शैलाश्रयों की संरचना का पता चलता है वही शैलचित्रों के स्थान, अंकन और उनमें उभरे रंग उनकी प्राचीनता को ध्वनित करते हैं। इन शैलाश्रयों में दीवालों के अलावा छतों पर चित्र आंके गए हैं। अधिकांश चित्रों में कुछ लाल, गेरुआ, गहरे रंग और कुछ सफेद रंगों में उकरे हुए हैं। जहां तक शैलाश्रयों की संरचना का सवाल है, इन आश्रयों में गुफाएं भी मिली हैं। लिखीछाज शैलाश्रय के अंदर भी गुफा है। जबकि बर्राहद, नौबता, सिद्धवाली, शैलाश्रयों में तो कई-कई छोटी बड़ी गुफाओं के गुच्छ शामिल हैं। जैसा कि प्राकृतिक दृष्टि से स्वाभाविक है सभी शैलाश्रयों और गुफाओं की बनावट अलग है। कुछ वृत्ताकार है तो कुछ अर्धवृत्ताकार। कुछ दो तरफ से खुली हैं तो कुछ तीन तरफ से। कुछ गुफाएं कम गहरी हैं तो कुछ गुफाए पहाड़ के अन्तस को चीरता हुई काफी गहराई तक चली गई हैं। कुछ अंदर जाकर छोटे-छोटे भागों में विभाजित हैं। कुछ का प्रवेश द्वार बहुत सकारा है लेकिन आन्तरिकता काफी फैली और विस्तृत है। शैलाश्रयों और गुफाओं की यह संरचना बताती है कि आदि मानव संरचना के हिसाब से रहने, सोने, आमोद-प्रमोद और उत्सवों के लिए इनका उपयोग करते रहे होंगे।

आसन नदी पर पगारा बांध (1911-1927) बन जाने के कारण बांध के डूब क्षेत्र में न जाने कितनी ही गुफाएं डूब गई होंगी। यहीं निकट में चाचुल गांव के पास पुराकालीन शिव मंदिर बना हुआ है जो वर्षों से भक्त पर्यटकों का लोकल पर्यटन केन्द्र बना हुआ है। निरार से निचली बहराई तक पक्का मार्ग है। यह वही निचली बहराई है जहां, पगारा, टिकटोली दूमदार आगे बढ़ाने के स्पष्ट साक्ष्य हैं। इतनी पुरा और ऐतिह्य साक्ष्य उपलब्ध होने के बावजूद यहां अभी तक पुरातत्व अथवा किसी विभाग ने कोई खुदाई नहीं की है। जबकि वर्षों पूर्व सुश्री गीतम मिश्र (मुरैना में जन्मे महाकवि वीरेन्द्र मिश्र की पुत्री) लिखी छाज पर आदिमानव की आर्टगैलरी जैसे सार्थक शीर्षक से वृत्तचित्र बनाकर दूरदर्शन पर प्रदर्शित कर चुकी हैं। बावजूद इसके अभी तक इस क्षेत्र को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने की दिशा में भी कोई पहल नहीं हुई। लगभग छह सौ वर्ग किलोमीटर में फैले आदिमानव और उसके बाद के इतिहास के साक्ष्यों से भरे पड़े इस क्षेत्र में घटनाक्रमों की बेहद दिलचस्प भूमिका रही है।

चपरेट की गुफा

इस गुफा में दो वृत्तों के साथ बड़े आकार का एक ऐसा चित्र है, जिसका केंद्र बिन्दु एक ही है और जिसके ऊपर स्टार बना है। बड़े वृत्त में ऐसे आठ स्टार हैं, जिनमें से चार स्टारों को गहरे रंग से तथा शेष चार स्टारों को हल्के रंग से दिखाया गया है। लगता है यह चित्र वैदिक ज्योतिष के अधीन आठ माहों में बांटा गया है। इसके साथ ही एक समकोणीय चित्र भी है, जिसके रेखांकन में एक ऐसा सूर्य के हल्के भाग की ओर बढ़ाई गई है। यह चित्र इस बात की मांग करता है कि यहां के इस शैलचित्र का वैदिक, तांत्रिक अथवा ज्योतिष विज्ञान से भी कोई संबंध है या नहीं।

चुनिंदा फिल्मों में काम करना चाहती है

परिणीति चोपड़ा

बॉलीवुड अभिनेत्री परिणीति चोपड़ा चुनिंदा फिल्मों में काम कर लोगों को चौंकाना चाहती है। परिणीति चोपड़ा की इस वर्ष द गर्ल ऑन द ट्रेन, संदीप और पिंकी फरार और साइना प्रदर्शित हुयी, जिसमें उनके अभिनय को पसंद किया गया। परिणीति चोपड़ा ने बताया कि वह ऐसी चुनिंदा फिल्मों में काम करने वाली हैं जिनमें उनका परफॉर्मेंस देखकर लोग चौंक जाएंगे। परिणीति ने कहा, ''मैं बेहद खुश और उत्साहित महसूस कर रही हूं, क्योंकि मेरी फिल्मों को काफी अच्छे रिव्यू मिले हैं।मुझे लगता है कि वर्सेटाइल रोल्स निभाने का मेरा फैसला दर्शक और समीक्षकों को काफी पसंद आया, जिससे एक कलाकार के तौर पर मुझे अपनी प्रतिभा को निखारने में मदद मिली।'' परिणीति ने कहा, ''मुझे उम्मीद है कि तीन बैक-टू-बैक फिल्मों की तरह आने वाली फिल्मों में भी लोग मेरा काम देखकर हैरान रह जाएंगे । लोग मेरे काम की तारीश्फ कर रहे हैं। और जब मैं परिणीति 2.0, परिणीति की वापसी, परिणीति चोपड़ा की पावर-पैक्ड हैट्रिक जैसी बातें सुनती हूं तो मुझे काफी अच्छा महसूस होता है। ऐसी बातें बेहद मायने रखती हैं। इस साल की शुरुआत मेरे लिए काफी अच्छी रही है, क्योंकि मैंने स्क्रीन पर जो दिखाने की कोशिश की, उसे लोगों ने दिल से पसंद किया। लोगों का प्यार इस बात को साबित करता है कि मुझे अपने कम्फर्ट जोन से बाहर निकलना चाहिए और बदलाव की दिशा में आगे बढ़ना चाहिए। यह मेरे लिए सबसे बड़ी सीख है, और निश्चित तौर पर आने वाले समय में फिल्मों का चयन करते समय मैं इसे लागू करूंगी।''

तमिल में डेब्यू करेंगी उर्वशी

बॉलीवुड में अपनी एक्टिंग से धमाल मचा चुकीं एक्ट्रेस उर्वशी रौतेला तमिल इंडस्ट्री में डेब्यू करने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं, फिल्म का नाम अभी तक फाइनल नहीं हुआ है, लेकिन हां इस फिल्म की शूटिंग शुरू हो चुकी है। उर्वशी ने बॉलीवुड में कई फिल्में की हैं। वहीं उन्होंने लव डांस, बिजली की तार, तेरी लोड वे, और हाल ही में एक लड़की भीगी भागी सी जैसे म्यूजिक वीडियोज में अपनी डांसिंग स्टाइल से सभी को दीवाना बना दिया है। उर्वशी को अपनी छाप लोगों पर छोड़ना बखूबी आता है और इस बार वो बॉलीवुड के बाद तमिल इंडस्ट्री की ओर रुख कर चुकी हैं। उर्वशी जल्द ही साउथ की बिग बजट साइं-फाई फिल्म में, एक माइक्रोबायोलॉजिस्ट और एक आईआईटीयन की भूमिका में नजर आएंगी, ये फिल्म कई भाषा में रिलीज होगी। उर्वशी को हाल ही में मनाली में अपनी अपकमिंग फिल्म की शूटिंग के लिए दिग्गज एक्टर सरवनन के साथ स्पॉट किया गया था। फिल्म का अधिकतर श्ड्यूल अभी तक बाकी है जिसकी शूटिंग चल रहीहै। वहीं सूत्रों के मुताबिक, उर्वशी ने इस मेगा-बजट फिल्म के लिए 10 करोड़ रुपये लिए हैं। एक्ट्रेस दीपिका पादुकोण और प्रियंका चोपड़ा के बाद उर्वशी सबसे महंगी एक्ट्रेस की लिस्ट में शामिल हुईं। 2014 में दीपिका ने मेगास्टार रजनीकांत के साथ फिल्म कोचडीयान से तमिल में डेब्यू किया था और यहां तक कि प्रियंका ने 2002 में तमिल फिल्म तमीजान से अपना डेब्यू किया था।

आनंद इन्फ्रास्ट्रक्चर

की ओर से देशवासियों को

हिन्दु नववर्ष

गुढ़ीपड़वा

की हार्दिक शुभकामनाएं

ANAND INFRASTRUCTURE PVT.LTD.

सत्यम शर्मा

अहमदाबाद, गुजरात

हिन्दू नववर्ष एवं चैत्र नवरात्रि की हार्दिक शुभकामनाएं

पं. अरविंद शुक्ला

भागवत आचार्य यज्ञोपवीत यज्ञ अनुष्ठान

वाटर वर्क्स वार्ड नं-3 भिण्ड, मध्य प्रदेश

संपर्कः 9826821384

हिन्दु नववर्ष
गुड़ी पड़वा
की
हार्दिक शुभकामनाएं

जागेश्वरी इन्क्लेव
सतीश गुप्ता
भिण्ड रोड ग्वालियर, मध्य प्रदेश

हिन्दू
नव वर्ष
हिन्दू नववर्ष गुड़ी पड़वा एवं चैत्र नवरात्रि
की हार्दिक बधाई।

बल्ली यादव
सरपंच
ग्राम पंचायत, दबरा

हिन्दू
नव वर्ष
हिन्दू नववर्ष गुड़ी पड़वा एवं चैत्र नवरात्रि
की हार्दिक बधाई।

प्रियांशी स्कॉलर्स
फ्री कोचिंग क्लास
पब्लिक स्कूल
एडमिशन ओपन
नहर वाली रोड, वैष्णवी धाम के पास, फेस-1 आदित्यपुरम

दुर्गा लक्ष्मी ट्रेडर्स एवं ग्रामीण किराना
स्टोर्स की ओर से सभी जिलेवासियों को
शारदीय नवरात्रि की
हार्दिक शुभकामनाएं

सचिन बंसल,9753403936
पुराना बस स्टैंड एवं मथुरालाल धर्मशाला के पास चार
खंबे के सामने, श्योपुर मध्य प्रदेश

हिन्दू
नव वर्ष
हिन्दू नववर्ष गुड़ी पड़वा एवं चैत्र नवरात्रि
की हार्दिक बधाई।

सौम्या

प्रोपर्टीज
अपने
सपनों के घर के
लिए आज ही करें
प्लॉट बुकिंग
सेना के जवानों के लिए विशेष छूट
बेटी के नाम पर बुकिंग करने पर आकर्षक
उपहार एवं 10 प्रतिशत की छूट

हिन्दू नव वर्ष नवसंवत्सर
गुड़ी पड़वा
की
हार्दिक शुभककामनाएं

ज्योति फ्रंट कैरियर
हमारे
यहाँ से आगरा से
अम्बाह, पोरसा, भिण्ड
डेली सर्विस

नवसंवत्सर एवं चैत्र नवरात्रि की

हार्दिक शुभकामनाएं

भंवरलाल (सरपंच)

ग्राम पंचायत कराड़ी,
मारवाड़ पाली राजस्थान

नवसंवत्सर एवं चैत्र नवरात्रि की

हार्दिक शुभकामनाएं

कालूराम सीरवी (सरपंच)

ग्राम पंचायत बाता,
मारवाड़ पाली राजस्थान

नवसंवत्सर एवं चैत्र नवरात्रि की

हार्दिक शुभकामनाएं

आशुतोष जगाका

ग्राम विकास अधिकारी, ग्राम पंचायत बाता
मारवाड़ पाली राजस्थान

नवसंवत्सर एवं चैत्र नवरात्रि की

हार्दिक शुभकामनाएं

ओमप्रकाश वागौरिया
सरपंच, ग्राम पंचायत बारसा

योगेश मीणा
(ग्राम विकास अधिकारी)
ग्राम पंचायत बारसा, मारवाड़ा पाली

नवसंवत्सर एवं चैत्र नवरात्रि की

हार्दिक शुभकामनाएं

सावित्री देवी आनंद कुमार सिंह
सरपंच

भूपेन्द्र सिंह
सचिव

संतोषी भदौरिया
सहा. सचिव

सौजन्य : ग्राम पंचायत मानहड़, जिला भिण्ड, मध्य प्रदेश

नवसंवत्सर एवं चैत्र नवरात्रि की

हार्दिक शुभकामनाएं

डॉ. होतम कुशवाह

जुझारू, कर्मठ, ईमानदार एवं शिक्षित
ग्राम पंचायत नौली से प्रधान पति उम्मीदवार

नवसंवत्सर एवं चैत्र नवरात्रि की

हार्दिक शुभकामनाएं

भुज्जे तोमर

बड़ी तोर, तहसील अम्बाह जिला मुरैना

नवसंवत्सर एवं चैत्र नवरात्रि की

हार्दिक शुभकामनाएं

संगीता तोमर, सरपंच

योगेन्द्र तोमर, पूर्व सरपंच

नवसंवत्सर एवं चैत्र नवरात्रि की

हार्दिक शुभकामनाएं

सरपंच एवं सरपंच पति

सचिव

हिन्दू
नव वर्ष
हिन्दू नववर्ष गुड़ी पड़वा एवं चैत्र नवरात्रि
की हार्दिक बधाई।
ग्राम पंचायत बरई, जनपद
पंचायत घाटीगांव, ग्वालियर

नवसंवत्सर एवं चैत्र नवरात्रि की
हार्दिक शुभकामनाएं
सरपंच
सचिव
सौजन्य: ग्राम पंचायत बन्हेरी, जनपद पंचायत घाटीगांव ग्वालियर

हिन्दू नववर्ष
गुढ़ीपड़वा
की
हार्दिक शुभकामनाएं
गोपाल सिंह तोमर
सरपंच
ग्राम पंचायत मुस्तरी

रक्सा वो भी चाहते है
और मैं भी...फर्क सिर्फ इतना है
उनको राज करना है !!
....और मुझे सेवा !
ग्राम पंचायत रक्सा से ग्राम प्रधान पद हेतु - राजेंद्र सिंह राजपूत (राजू भैया)

हिन्दू नववर्ष
गुढ़ीपड़वा
की
हार्दिक शुभकामनाएं
अजीत तिवारी
सरपंच
ग्राम पंचायत महदौली, मेहगांव

नवसंवत्सर एवं चैत्र नवरात्रि की हार्दिक शुभकामनाएं
श्रीमती हेमा भदौरिया
सरपंच
अरिमर्दन सिंह भदौरिया
माधौ सिंह तोमर
सचिव
ग्राम पंचायत शुकलपुरा, अटेर जिला भिण्ड, मध्य प्रदेश

नवसंवत्सर एवं चैत्र नवरात्रि की
हार्दिक शुभकामनाएं
HOSPITAL
ब्रम्हाणी हॉस्पिटल
ब्रम्हाणी
हॉस्पीटल
अपील:
कोरोना से बचाव के
लिए मास्क लगाकर
रखें, सोशल डिस्टेंसिंग
का पालन करें, घर में
रहें स्वस्थ रहें।
डॉ. ब्रजेश सिंह राजपूत
(बंटी), संचालक
महावीर सिंह भदौरिया
ब्राह्मणी सिविल टेक प्राइवेट लिमिटेड
माँ वैष्णोपुरम, गदाईपुरा ग्वालियर मध्य प्रदेश
सम्पर्क: 7354900036

श्री गणेश आयुर्वेदा
फर्क दिखे केवल 15 दिनों में
सुबह-शाम एक चम्मच खाना खाने के बाद अथवा वैध की सलाह से
Swasth Shakti
BODY PLUS
Hajma Churn
सेहत बनाएं भूख बढ़ाएं
बजन बढ़ाएं, पिचके गाल भरें,
तंदरुस्त व सुंदर बनाएं
खून की कमी को पूरा करके ताकत देता है
आर. एस. रजक
जी-एस, प्लाजा, गोले का मंदिर ग्वालियर म.प्र.
93294-51126, 9993384007

VIKRAMEE GARARES
सभी प्रकार के बाइक और स्कूटर की सर्विस सेन्टर
सर्विसेस
पिकअप एण्ड ड्रोप, ऑरिजिनल स्पेयर पार्टस, सर्विस, ऑयल, इंश्योरेंस क्लेम एण्ड रिनुअल, बैटरी, न्यू इंश्योरेंस, एक्सीडेंटल सपोर्ट, एक्सटैंड वारंटी
हेल्प लाईन
+91-7500909822
दीपक सिकरवार

Kds Photography...
A quality Work
Dir. Arvind Rathor
9179432260
7514925493
Ring Ceremony
PreWedding
PostWedding
Candid Photography
Cinematic Videography
Event Photography
Model Shoot
Make-up Shoot
Arial Photography
PortFolio
Crane,Drone,LED Wall
Add.H23 Bateshwar Plaza Adityapuram
Bhind Road Gwalior(M.P.)

नवसंवत्सर एवं चैत्र नवरात्रि की
हार्दिक शुभकामनाएं
छोटे सिंह भदौरिया
लेबर, सप्लायर एण्ड कॉन्ट्रेक्टर
सम्पर्क 9755383340

हिन्दु नववर्ष
गुढ़ीपड़वा की
हार्दिक शुभकामनाएं
चरण सिंह
सरपंच पुत्र
ग्राम पंचायत कुटरोली ,जनपद पंचायत मेहगांव, जिला- भिंड

हिन्दु नववर्ष
गुढ़ीपड़वा की
हार्दिक शुभकामनाएं
सत्येन्द्र सिंह
सरपंच
भगवान सिंह
सचिव
ग्राम पंचायत पचेरा, गोरमी भिण्ड